۱—میری والدہ خوشی سے اِس نوکر کو رکھہ لیں گی - ۲—وہ اتنے دنوں دہلی میں رہا ہے - ۳—اُن لڑکیوں نے حساب میں کتنا کیا تھا -

(Written Work)

1. यह स्कूल जिले के बड़े स्कूलों में है। यहाँ भरती होने के लिए लड़के दूर दूर से आते हैं। यह कहने से पहले कि मैं प्रसन्नता से तुम्हें ले लूँगा हेडमास्टर साहब उन नये आने वालों से बहुत सी बातें पूछा करते हैं। वह कहते हैं कि इतने दिनों तुम कौन से स्कूल में रहे हो और अँग्रेजी और गणित में तुमने कितना कर लिया है। जिन लड़कों की संस्कृत में विशेष रुचि होती है उनको तो इस स्कूल में तुरन्त ही भरती कर लेते हैं। शाम को सब लड़कों को खेल के लिए जाना पड़ता है। जो लड़के क्लास में सबसे ऊपर रहते हैं उनको योग्यता का इनाम मिलता है।

۱—یہہ اسکول ضلع کے بڑے اسکولوں میں ہے - یہاں داخل ہونے کے لئے لڑکے دور دور سے آتے ہیں - یہہ کہنے سے پہلے .میں خوشی سے تمہیں لے لونگا ہیڈ ماسٹر صاحب ان نئے آنے والوں سے بہت سی باتیں پوچھا کرتے ہیں - وہ کہتے ہیں کہ اتنے دنوں تم کون سے اسکول میں رہے ہو اور انگریزی اور حساب میں تم نے کتنا کر لیا ہے - جن لڑکوں کو سنسکرت میں خاص شوق ہوتا ہے اُن کو اس اسکول میں فوراً داخل کر لیتے ہیں - شام کو سب لڑکوں کو کھیل کے لئے جانا پڑتا ہے - جو لڑکے کلاس میں سب سے اوپر رہتے ہیں ان کو قابلیت کا انعام ملتا ہے -

EXERCISE 27

STUDY :—

1. She might have gone.

वह चली गयी होगी। — وہ چلی گئی ہوگی -

2. He will not be able to come.

वह आ न सकेगा। — وہ آ نہ سکے گا -

(ORAL WORK)

1. उसने मेरी टोपी उठा ली होगी। 2. अब गाड़ी छूट गयी होगी। 3. मैं तुम्हारी सहायता न कर सकूँगा। 4. यह बुड्ढा इस बोझ को न उठा सकेगा।

۱—اُس نے میری ٹوپی اُٹھا لی ہوگی - ۲—اب گاڑی چھوٹ گئی ہوگی - ۳—میں تمہاری مدد نہ کر سکونگا - ۴—یہہ بڈھا اِس بوجھہ کو نہ اوٹھا سکے گا -

(WRITTEN WORK)

एक दिन एक गड़रिया जंगल में भेड़ें चरा रहा था। एक भेड़िये को देखकर वह अपने रेवड़ के साथ एक खोह में जा छिपा। भेड़िया इधर उधर फिरता रहा परन्तु कोई भेड़ उसके हाथ न लगी। उसने सोचा कि भेड़ें चली गई होंगी। निराश होकर वह वहाँ से लौट गया। जब गड़रिया खोह में से निकला तो अँधेरा हो गया था। विवश होकर रात्रि को वहीं रहने का विचार किया। वह जानता था कि यदि आग जला ले तो जंगली पशु पास न आ सकेंगे। उसने ऐसा ही किया और निश्चिन्त होकर सो रहा। प्रातः उठ कर जब उसने राख कुरेदी तो चाँदी की एक डली मिली। उसे लेकर प्रसन्न होता हुआ घर लौटा।

۱—ایک دن ایک گڑریا جنگل میں بھیڑیں چرا رہا تہا - ایک بھیڑئے کو دیکھہ کر اپنے ریوڑ کے ساتھہ وہ ایک گپھا میں جا چھپا -

بھیڑیا اِدھر اُدھر پھرتا رہا لیکن کوئی بھیڑ اُس کے ہاتھہ نہ لگی — اُس نے سوچا کہ بھیڑیں چلی گئی ہونگی — نا اُمید ہوکر وہ وہاں سے لوٹ گیا — جب گڑیریا گپھا میں سے نکلا تو اندھیرا ہو گیا تھا — لاچار ہوکر رات کو وہیں رہنے کا خیال کیا — وہ جانتا تھا کہ اگر آگ جلالے تو جنگلی جانور پاس نہ آسکینگے — اُس نے ایساہی کیا اور بے فکری سے سو رہا — سویرے اُٹھہ کر جب اُس نے راکھہ کریدی تو چاندی کی ایک ڈلی ملی — اُسے لے کر خوش ہوتا ہوا وہ گھر لوٹا —

EXERCISE 28

STUDY :—

1. Once upon a time there was a man.

एक बार की बात है कि एक आदमी था ।

ایک بار کی بات ہے کہ ایک آدمی تھا —

2. The does not become you.

यह बात आपको शोभा नहीं देती ।

یہہ بات آپ کے لئے موزوں نہیں ہے —

(ORAL WORK)

1. एक बार की बात है कि इस नगर में एक भेड़िया आ गया । 2. तुम्हारी माता को यह शोभा नहीं देती ।

۱—ایک بار کی بات ہے کہ اِس شہر میں ایک بھیڑیا آ گیا —
۲—تمہاری والدہ کو یہہ بات موزوں نہیں ہے —

(WRITTEN WORK)

1. एक बार की बात है कि एक सिंह वृक्ष की छाया में सो रहा था एक चूहा फुदकता २ उसकी पीठ पर जा बैठा । सिंह चूहे की इस उद्दंडता पर बहुत झल्लाया । जब चूहे ने

5

देखा कि उसके पंजे से छूटना कठिन है तो विनीत भाव से प्रार्थना करने लगा। उसने कहा कि मैं ऐसा क्षुद्र जीव हूँ कि आपका एक ग्रास भी नहीं बन सकता। मेरे ऊपर हाथ साफ़ करना आपको शोभा नहीं देता। सिंह ने उसे तुच्छ समझ कर छोड़ दिया। कुछ समय पश्चात् किसी शिकारी ने सिंहको जाल में पकड़ लिया। संयोगवश वही चूहा आ निकला और फुर्ती से अपने छोटे छोटे दांतों से जाल कुतरने लगा। थोड़ी ही देर में सिंह इस महान आपत्ति से छुटकारा पा गया। संसार में किसी वस्तु को तुच्छ न समझना चाहिये।

ایک دفعہ کا ذکر ھے کہ ایک شیر پیڑ کے سایہ میں سو رھا تھا - ایک چوھا پھدکتا پھدکتا اُس کی پیٹھ پر جا بیٹھا - شیر چوھے کی اِس گستاخی پر بہت چھلایا - جب چوھے نے دیکھا کہ اُس کے پنجے سے چھوٹنا مشکل ھے تو اُس نے کہا کہ میں ایسا ناچیز جانور ھوں کہ آپ کا ایک لقمہ بھی نہیں بن سکتا - میرے اوپر ھاتھہ صاف کرنا آپ کو مناسب نہیں ھے - شیر نے اسے ناچیز سمجھہ کر چھوڑ دیا - کچھہ دن کے بعد کسی شکاری نے شیر کو جال میں پکڑ لیا - وھی چوھا آنکلا اور پھرتی سے اپنے چھوٹے چھوٹے دانتوں سے جال کترنے لگا - تھوڑی ھی دیر میں شیر اِس بڑی آفت سے چھٹکارا پا گیا - دنیا میں کسی چیز کو حقیر نہ سمجھنا چاھئے -

---

EXERCISE 29

STUDY :—

1. She caught sight of the thief.

उसकी दृष्टि चोर पर पड़ी। — اُس کی نظر چور پر پڑی -

2. Can you get at the apples ?
क्या तुम सेवों तक पहुँच सकते हो ?

کیا تم سیبوں تک پہنچ سکتے ہو ؟

3. No, they are out of my reach.
नहीं मेरी पहुँच से बाहर हैं ।

نہیں وے میری پہنچ سے باہر ہیں –

4. Time after time I tried to pass but all in vain.
मैंने बार बार पास होने का प्रयत्न किया परन्तु सब व्यर्थ रहा ।

میں نے بار بار پاس ہونیکی کوشش کی لیکن سب بیکار رہی –

(ORAL WORK)

1. उसकी दृष्टि अंगूरों पर पड़ी । 2. अंगूर इतने ऊँचे थे कि वह उन तक पहुँच न सका । 3. वह पुस्तक मेरी पहुँच से बाहर है । 4. वह बार बार टोपी चुराने यहाँ आया परन्तु सब व्यर्थ रहा । 5. यदि तुम ऐसे मूर्ख रहे कि उसे खा लो तो बीमार हो जाओगे ।

۱—اُس کی نظر انگوروں پر پڑی – ۲—انگور اتنے اونچے تھے کہ وہ اُن تک پہنچ نہ سکا – ۳—وہ کتاب میری پہنچ سے باہر ہے ۴—وہ بار بار ٹوپی چرانے یہاں آیا لیکن سب بیکار رہا – ۵—اگر تم اتنے بیوقوف ہو کہ اُسے کھالو تو بیمار ہو جاؤگے –

(WRITTEN WORK)

एक बार की बात है कि कोई लोमड़ी घूमती हुई अंगूर की बेलों के पास जा पहुँची । उसने बेल पर अंगूरों के गुच्छे लटकते देखे । उसके जी में आया कि इन गुच्छों को लूँ और उन तक पहुँचने के लिए बहुत ही उछली कूदी । परन्तु वे इतने ऊँचे थे कि उसकी पहुँच से बाहर रहे । अंगूर लेने के लिए यद्यपि उसने

2. Can you get at the apples ?
क्या तुम सेवों तक पहुँच सकते हो ?

کیا تم سیبوں تک پہنچ سکتے ہو ؟

3. No, they are out of my reach.
नहीं मेरी पहुँच से बाहर हैं।

نہیں وے میری پہنچ سے باہر ہیں -

4. Time after time I tried to pass but all in vain.
मैंने बार बार पास होने का प्रयत्न किया परन्तु सब व्यर्थ रहा।

میں نے بار بار پاس ہونیکی کوشش کی لیکن سب بیکار رہی -

(Oral Work)

1. उसकी दृष्टि अंगूरों पर पड़ी। 2. अंगूर इतने ऊँचे थे कि वह उन तक पहुँच न सका। 3. वह पुस्तक मेरी पहुँच से बाहर है। 4. वह बार बार टोपी चुराने यहाँ आया परन्तु सब व्यर्थ रहा। 5. यदि तुम ऐसे मूर्ख रहे कि उसे खा लो तो बीमार हो जाओगे।

۱—اُس کی نظر انگوروں پر پڑی - ۲—انگور اتنے اونچے تھے کہ وہ اُن تک پہنچ نہ سکا - ۳—وہ کتاب میری پہنچ سے باہر ہے ۴—وہ بار بار ٹوپی چرانے یہاں آیا لیکن سب بیکار رہا - ۵—اگر تم اتنے بیوقوف ہو کہ اُسے کھالو تو بیمار ہو جاؤگے -

(Written Work)

एक बार की बात है कि कोई लोमड़ी घूमती हुई अंगूर की बेलों के पास जा पहुँची। उसने बेल पर अंगूरों के गुच्छे लटकते देखे। उसके जी में आया कि इन गुच्छों को लूँ और उन तक पहुँचने के लिए बहुत ही उछली कूदी। परन्तु वे इतने ऊँचे थे कि उसकी पहुँच से बाहर रहे। अंगूर लेने के लिए यद्यपि उसने

बार बार प्रयत्न किया पर सब व्यर्थ रहा क्योंकि वे उसके हाथ नहीं लगे। निदान वह यह कहती हुई लौट गयी कि यदि मैं ऐसी मूर्खता कर बैठती कि उनको खा लेती तो अवश्य बीमार हो जाती। ये अंगूर तो सभी खट्टे हैं।

ایک بار کی بات ھے کہ کوئی لومڑی گھومتی ھوئی انگوروں کی بیلوں کے پاس جا پہنچی - اُس نے بیل پر انگوروں کے گچھے لٹکتے ھوئے دیکھے - اُس کے جی میں آیا کہ اِن گچھوں کو لوں اور اُن تک پہنچنے کے لئے بہت اُچھلی کودی - لیکن وے اتنے اونچے تھے کہ اُس کی پہنچ سے باھر رھے - انگور لینے کے لئے اگرچہ اُس نے بار بار کوشش کی لیکن سب بیکار رھی کیونکہ وے اُس کے ھاتھہ نہیں لگے - آخرکار یہہ کہتی ھوئی لوٹ گئی کہ اگر میں ایسی بیوقوفی کر بیٹھتی کہ اِن کو کھا لیتی تو ضرور بیمار ھو جاتی - یہہ انگور تو سبھی کھٹے ھیں -

---

EXERCISE 30

STUDY :—

1. A dead body was floating down in the river.

एक मुर्दा नदी में बहा जा रहा था।

ایک مردہ دریا میں بہا جا رھا تھا -

2. Without a moment's thought he jumped into the water.

वह बेधड़क पानी में कूद पड़ा।

وہ بے دھڑک پانی میں کود پڑا -

3. He was out of sense to see the wolf.

भेड़िये को देखकर उसके होश उड़ गये।

بھیڑئے کو دیکھہ کر اُس کے ھوش اُڑ گئے -

4. She struggled hard for life.

उसने बचने के लिए कितने हो हाथ पैर मारे।

اس نے بچنے کے لئے کتنے ہی ھاتھ پیر مارے -

(Oral Work)

1. मैंने एक भारी चीज़ पानी में बही जाती देखी। 2. वह वेधड़क सिंह के सामने जा खड़ा हुआ। 3. वहाँ जाते ही होश उड़ जायँगे। 4. उस आदमी ने बहुतेरे हाथ पैर मारे पर चोरों ने नहीं छोड़ा।

۱—میں نے ایک بھاری چیز پانی میں بہتی جاتی دیکھی - ۲—وہ بےدھڑک شیر کے سامنے جا کھڑا ھوا - ۳—وھاں جاتے ھی ھوش اُڑ جائیں گے - ۴—اُس آدمی نے بہتیرے ھاتھ پیر مارے لیکن چوروں نے نہیں چھوڑا -

(Written Work)

1. किसी चढ़ी हुई नदी में कोई भारी काली सी वस्तु जा रही थी। एक लालची आदमी जो किनारे पर बैठा था उसने समझा कि बहुत अच्छा कम्बल है। तुरन्त ही वेधड़क होकर पानी में कूद पड़ा और कम्बल के पास जाकर देखा कि वह रीछ है। लालची के होश उड़ गये और लौटने का प्रयत्न करने लगा। इतने ही में रीछ ने उसे आ दबाया। लालचो ने बहुतेरे हाथ पैर मारे पर रीछ ने न छोड़ा। परिणाम यह हुआ कि एक कम्बल के लालच में जान देनो पड़ो।

۱—کسی چڑھے ھوئے دریا میں ایک بھاری کالی سی چیز بہی جا رھی تھی - ایک لالچی آدمی جو کنارے پر بیٹھا تھا اُس نے سمجھا کہ بہت اچھا کمبل ھے - فوراً ھی بے دھڑک ھو کر پانی میں کود پڑا اور کمبل کے پاس جا کو دیکھا کہ وہ ریچھ ھے - لالچی کے ھوش اُڑ گئے اور لوٹنے کی کوشش کرنے لگا - اتنے ھی میں ریچھ نے

اُسے آ دبایا – لالچی نے بہتیرے ہاتھہ پیر مارے پر ریچھہ نے نہ چھوڑا – نتیجہ یہہ ہوا کہ ایک کمبل کے لالچ میں جان دینی پڑی –

EXERCISE 31

STUDY :—

1. She had to go.

उसे जाना पड़ा ।

اُسے جانا پڑا –

2. This is the site proposed for the building of a fort.

क़िला बनाने के लिए यह जगह तजवीज़ हुई है ।

قلعہ بنانے کے لئے یہہ جگہہ تجویز ہوئی ہے –

3. He refused to give me money.

उसने मुझे रुपया देने से इन्कार कर दिया ।

اُس نے مجھے روپیہ دینے سے انکار کر دیا –

4. The house remained angular.

मकान टेढ़ा रह गया ।

مکان ٹیڑھا رہ گیا –

(ORAL WORK)

1. उसे खाना पड़ता है । 2. मेरे मकान के लिए यह जगह है । 3. तुम सदा जाने से इन्कार कर देते हो । 4. यह मकान टेढ़ा रह जायगा ।

١—اُسے کھانا پڑتا ہے – ٢—میرے مکان کے لئے یہہ جگہہ ہے – ٣—تم ہمیشہ جانے سے انکار کر دیتے ہو – ٤—یہہ مکان ٹیڑھا رہ جائیگا –

(WRITTEN WORK)

सुनते हैं कि नौशेरवाँ नामक बादशाह जब अपना महल बनवाने लगा तो उसे एक कठिनाई का सामना करना पड़ा । जो जगह उसके महल के लिए तजवीज़ हुई थी उसके एक

कोने में एक बुढ़िया का झोंपड़ा था। बादशाह ने बुढ़िया से कहा कि जो चाहो इस झोंपड़े का मूल्य हमसे ले लो और यह हमें दे दो। बुढ़िया ने झोंपड़ा देने से इन्कार कर दिया। बहुतेरा उससे कहा कि झोंपड़ा न दोगी तो हमारा महल टेढ़ा रह जाएगा। परन्तु बुढ़िया झोंपड़ा देने पर राज़ी न हुई। निदान बादशाह ने विवश होकर टेढ़ा ही महल बनाना निश्चय किया। उसके दरबारियों ने कहा कि बलपूर्वक बुढ़िया का झोंपड़ा ले लीजिये। परन्तु बादशाह ने किसी की न सुनी।

۱—سنتے ھیں کہ نوشیرواں نام کا بادشاہ جب اپنا محل بنوانے لگا تو اسے ایک مشکل کا سامنا کرنا پڑا - جو جگہہ اُس کے محل کے لئے تجویز ھوئی تھی اُس کے ایک کونے میں ایک بڑھیا کا جھونپڑا تھا - بادشاہ نے بڑھیا سے کہا کہ جو چاھو اِس جھونپڑے کی قیمت ھم سے لے لو اور یہہ ھمیں دے دو - بڑھیا نے دینے سے اِنکار کر دیا - بہتیرا اُس سے کہا کہ جھونپڑا نہ دوگی تو ھمارا محل ٹیڑھا رہ جائیگا - لیکن بڑھیا جھونپڑا دینے پر راضی نہ ھوئی - آخرکار بادشاہ نے ٹیڑھا ھی محل بنوانا طے کیا - اُس کے درباریوں نے کہا کہ زبردستی بڑھیا کا جھونپڑا لے لیجئے لیکن بادشاہ نے کسی کی نہ سنی -

---

EXERCISE 32

STUDY :—

1. **He helps me in the hour of my need.**

अड़ी के समय में वह मेरे काम आता है।

وقت ضرورت پر وہ میرے کام آتا ھے -

2. **Once it so chanced that I had to go there.**

दैवयोग से एक बार मुझे वहाँ जाना पड़ा।

اِتفاق کی بات ھے کہ مجھے ایک بار وھاں جانا پڑا -

اُسے آ دبایا - لالچی نے بھتیرے ھاتھہ پیر مارے پر ریچھہ نے نہ چھوڑا - نتیجہ یہہ ھوا کہ ایک کمبل کے لالچ میں جان دینی پڑی -

---

EXERCISE 31

STUDY :—

1. She had to go.

उसे जाना पड़ा।

اُسے جانا پڑا -

2. This is the site proposed for the building of a fort.

क़िला बनाने के लिए यह जगह तजवीज़ हुई है।

قلعہ بنانے کے لئے یہہ جگہہ تجویز ہوئی ھے -

3. He refused to give me money.

उसने मुझे रुपया देने से इन्कार कर दिया।

اُس نے مجھے روپیہ دینے سے انکار کر دیا -

4. The house remained angular.

मकान टेढ़ा रह गया।

مکان ٹیڑھا رہ گیا -

(ORAL WORK)

1. उसे खाना पड़ता है। 2. मेरे मकान के लिए यह जगह है। 3. तुम सदा जाने से इन्कार कर देते हो। 4. यह मकान टेढ़ा रह जायगा।

۱—اُسے کھانا پڑتا ھے - ۲—میرے مکان کے لئے یہہ جگہہ ھے - ۳—تم ھمیشہ جانے سے انکار کر دیتے ھو - ۴—یہہ مکان ٹیڑھا رہ جائیگا -

(WRITTEN WORK)

सुनते हैं कि नौशेरवाँ नामक बादशाह जब अपना महल बनवाने लगा तो उसे एक कठिनाई का सामना करना पड़ा। जो जगह उसके महल के लिए तजवीज़ हुई थी उसके एक

Confiscate - take

कोने में एक बुढ़िया का झोंपड़ा था। बादशाह ने बुढ़िया से कहा कि जो चाहो इस झोंपड़े का मूल्य हमसे ले लो और यह हमें दे दो। बुढ़िया ने झोंपड़ा देने से इन्कार कर दिया। बहुतेरा उससे कहा कि झोंपड़ा न दोगी तो हमारा महल टेढ़ा रह जाएगा। परन्तु बुढ़िया झोंपड़ा देने पर राज़ी न हुई। निदान बादशाह ने विवश होकर टेढ़ा ही महल बनाना निश्चय किया। उसके दरबारियों ने कहा कि बलपूर्वक बुढ़िया का झोंपड़ा ले लीजिये। परन्तु बादशाह ने किसी की न सुनी।

ا—سنتے ھیں کہ نوشیرواں نام کا بادشاہ جب اپنا محل بنوانے لگا تو اسے ایک مشکل کا سامنا کرنا پڑا - جو جگہہ اُس کے محل کے لئے تجویز ھوئی تھی اُس کے ایک کونے میں ایک بڑھیا کا جھونپڑا تھا - بادشاہ نے بڑھیا سے کہا کہ جو چاھو اِس جھونپڑے کی قیمت ھم سے لے لو اور یہہ ھمیں دے دو - بڑھیا نے دینے سے اِنکار کر دیا - بہتیرا اُس سے کہا کہ جھونپڑا نہ دوگی تو ھمارا محل ٹیڑھا رہ جائیگا - لیکن بڑھیا جھونپڑا دینے پر راضی نہ ھوئی - آخرکار بادشاہ نے ٹیڑھا ھی محل بنوانا طے کیا - اُس کے درباریوں نے کہا کہ زبردستی بڑھیا کا جھونپڑا لے لیجئے لیکن بادشاہ نے کسی کی نہ سنی -

---

EXERCISE 32

STUDY :—

1. He helps me in the hour of my need.

अड़ी के समय में वह मेरे काम आता है।

وقت ضرورت پر وہ میرے کام آتا ھے -

2. Once it so chanced that I had to go there.

दैवयोग से एक बार मुझे वहाँ जाना पड़ा।

اِتفاق کی بات ھے کہ مجھے ایک بار وھاں جانا پڑا -

3. I heard the door being knocked.

मैंने द्वार पर खटखट का शब्द सुना ।

میں نے دروازے پر کھٹ کھٹ کی آواز سنی –

(Oral Work)

1. तुमको चाहिये कि अड़ी के समय मित्र के काम आओ । 2. दैवयोग से वह मुझे वहाँ मिल गया । 3. क्या दर्वाजे पर खटखटाहट सुनते हो ?

۱—تم کو چاھئے کہ وقت ضرورت پر دوست کے کام آؤ – ۲—اتفاق کی بات کہ وہ مجھے وھاں مل گیا – ۳—کیا دروازے پر کھٹکھٹاھٹ سنتے ھو –

(Written Work)

महारानी विक्टोरिया को दीनों से बड़ी सहानुभूति थी । बहुधा अकेली ही उनके यहाँ चली जाती और अड़ी के समय धन से भी उनकी सहायता करती । एक दिन की बात है कि इसी प्रकार वह राजमहल से बहुत दूर निकल गयी । दैवयोग से मार्ग में मेंह ने घेर लिया । वह दूर से जब चली थी तो अपनी छतरी लेना भूल गई थी सोचने लगी इस वर्षा में घर कैसे पहुँचूँ । सामने ही एक छोटा सा मकान देखकर उस ओर चल पड़ी । द्वार को खटखटाया । द्वार पर खटखटाहट का शब्द सुनकर एक स्त्री ने पूछा कौन है । बोली कि मैं वर्षा से क्षमा चाहती हूँ ।

ملکہ وکٹوریہ کو غریبوں سے بڑی ھمدردی تھی – اکثر اکیلی ھی اُن کے یہاں چلی جاتی اور وقت ضرورت پر روپیہ سے بھی ان کی مدد کرتی – ایک دن کی بات ھے کہ اِسی طرح وہ شاھی محل سے بہت دور نکل گئی – اتفاق کی بات کہ راستے میں بارش نے گھیر لیا – وہ گھر سے جب چلی تھی تو اپنی چھتری بھول گئی تھی – سوچنے

لگی اِس بارش میں گھر کیسے پہنچوں - سامنے ہی ایک
چھوٹا سا مکان دیکھ کر اُس طرف چل پڑی - دروازہ کو کھٹکھٹایا -
دروازے پر کھٹکھٹاہٹ کی آواز سن کر ایک عورت نے پوچھا کون
ہے - بولی میں بارش سے حفاظت چاہتی ہوں -

EXERCISE 33

STUDY :—

1. Sometime after she came to me.

कुछ दिनों पीछे वह मेरे पास आयी ।

کچھ دنوں بعد وہ میرے پاس آئی -

2. You have plenty of money.

तुम्हारे पास बहुतेरा रुपया है ।

تمہارے پاس افراط سے روپیہ ہے -

3. I am used to working hard.

मुझे मेहनत करने की बान है ।

مجھے محنت کرنے کی عادت ہے -

(ORAL WORK)

1. कुछ दिनों पश्चात् बुड्ढा मर गया । 2. उनको बहुतायत से दूध मिला । 3. इस लड़की को दिन में सोने की बान नहीं है ।

۱—کچھ دنوں بعد بڈھا مر گیا - اُن کو افراط سے دودھ
ملا - ۳—اِس لڑکی کو دن میں سونے کی عادت نہیں ہے -

(WRITTEN WORK)

एक शहरी और एक जंगली चूहे में बड़ी मित्रता थी । वे एक दूसरे के घर आया जाया करते थे । कुछ दिनों पश्चात् जंगली चूहे ने अपने शहरी मित्र को निमंत्रण दिया । जब वह

अपने जंगली मित्र के पास पहुँचा तो वह कहने लगा कि चलो खेतों को चलें और कुछ खा पी लें। तुरन्त ही दोनों एक अनाज के खेत में पहुँचे जहाँ बहुत सा अनाज पड़ा था। शहरी चूहा डरने लगा क्योंकि उसे ऐसे खुले मैदान में खाने की बान न थी। परन्तु जब एक बार उसने खाना आरम्भ कर दिया तो फिर खूब खाया और शाम को शहर लौट कर आगया।

ایک شہری اور ایک جنگلی چوہے میں بڑی دوستی تھی - وے ایک دوسرے کے گھر پر آیا جایا کرتے تھے - کچھہ دنوں بعد جنگلی چوہے نے اپنے شہری دوست کو دعوت دی - جب وہ اپنے جنگلی دوست کے پاس پہنچا تو وہ کہنے لگا کہ چلو کھیتوں کو چلیں اور کچھہ کھاپی لیں - فوراً ھی دونوں ایک غلہ کے کھیت میں پہنچے جہاں بہت سا غلہ پڑا تھا - شہری چوھا ڈرنے لگا کیونکہ اُسے ایسے کھلے میدان میں کھانے کی عادت نہ تھی - لیکن جب ایک بار اُس نے کھانا شروع کر دیا تو خوب کھایا اور شام کو شہر لوت کر آ گیا -

---

EXERCISE 34

STUDY:—

1. **It is as pretty as it is useful.**

यह जितना उपयोगी है उतना ही सुन्दर भी है।

یہہ جتنا فائدہ مند ھے اُتنا ھی خوبصورت بھی ھے -

2. **The soldier advanced towards me.**

सिपाही मेरी ओर को बढ़ा। — سپاھی میری طرف کو بڑھا -

3. **I have not the least suspicion.**

मुझे तनिक भी सन्देह नहीं है। — مجھے ذرا بھی شبہہ نہیں ھے -

4. She was in the guise of a soldier.

वह सिपाही के भेस में थी। — وہ سپاهی کے بھیس میں تھی –

5. He dropped on the spot.

वह वहाँ का वहीं गिर पड़ा। — وہ وهاں کا وهیں گر پڑا –

(ORAL WORK)

1. यह जितना काला है उतना ही बुरा भी है। 1. चोर मेरी ओर को बढ़ता आता है। 2. मुझे इसके विषय में तनिक भी सन्देह नहीं है। 4. वह स्त्री के भेस में था। 5. घायल सिपाही वहीं का वहीं गिर पड़ा।

۱—یهه جتنا کالا هے اتنا هی برا بهی هے – ۲—چور میری طرف کو بڑهتا آتا هے – ۳—مجهے اس کے بارے میں ذرا بهی شبه نهیں هے – ۴—وہ عورت کے بهیس میں تها – ۵—زخمی سپاهی وهاں کا وهیں گر پڑا –

(WRITTEN WORK)

उष्ट्र पक्षी का आखेट अनोखे ढंग से होता है। शिकारियों को इसका पीछा करने के बजाय एक चाल से काम लेना पड़ता है। यह जितना बलवान है उतना ही भोला भी है। शिकारी किसी मरे उष्ट्र पक्षी की खाल ओढ़कर इस प्रकार धीरे धीरे उष्ट्र पक्षियों की ओर को बढ़ते हैं कि उनको तनिक भी संदेह न हो। थोड़ी देर में उष्ट्र पक्षी के भेस में उनके बिलकुल ही समीप पहुँच जाते हैं और बहुत ही चुपके से धनुष पर बाण चढ़ाकर पासवाले उष्ट्र पक्षी पर आक्रमण करते हैं। बिचारा पक्षी घायल होकर वहाँ का वहीं गिर पड़ता है और तुरन्त मर जाता है।

۱—شترمرغ کا شکار عجیب طریقه سے هوتا هے – شکاریوں کو اس کا پیچها کرنے کے بجائے ایک چال سے کام لینا پڑتا هے – یهه جتنا طاقتور هے اتنا هی سیدها بهی هے – شکاری کسی مرے شتر مرغ کی

کھال اوڑھکر اِس طرح آھستہ آھستہ شترمرغ کی طرف کو بڑھتے ھیں کہ اُن کو ذرا بھی شبہہ نہ ھو - تھوڑی دیر میں شترمرغ کے بھیس میں شکاری لوگ اُن کے بالکل ھی پاس پہنچ جاتے ھیں اور بہت ھی چپکے سے کمان پر تیر چڑھا کر پاس والے شترمرغ پر حملہ کرتے ھیں - بیچارہ پرندہ گھائل ھو کر وھاں کا وھیں گر پڑتا ھے اور فوراً مر جاتا ھے -

---

EXERCISE 35

STUDY :—

1. You are beside yourself with anger.

तुम तो क्रोध के मारे आपे से बाहर हो रहे हो।

تم تو غصہ کے مارے آپے سے باھر ھو رھے ھو -

2. In the first place I am ill and secondly mother is not here.

एक तो मैं बीमार हूँ दूसरे माता जी यहाँ नहीं हैं।

ایک تو میں بیمار ھوں دوسرے والدہ یہاں نہیں -

3. He offered me a seat

उसने मुझे बिठाया। — اُس نے مجھے بٹھایا -

4. I lay at full stretch.

मैं खूब पैर पसार कर सोया। — میں خوب پیر پسار کر سویا -

5. He showed me the way to the town.

उसने मुझे नगर के मार्ग पर डाल दिया।

اُس نے مجھے شہر کے راستہ پر ڈال دیا -

(ORAL WORK)

1. वह तो क्रोध के मारे आपे से बाहर हो जाती है।
2. एक तो वह निर्धन है दूसरे उसका भाई सहायक नहीं।

3. मैं सबको ही बिठाता हूँ। 4. खूब पैर पसार कर सोओ। 5. मुझे मेरे गाँव के मार्ग पर डाल दो।

۱—وہ تو غصہ کے مارے آپے سے باہر ہو جاتی ہے - ۲—ایک تو وہ غریب ہے دوسرے اس کا کوئی مددگار نہیں - ۳—میں سب کو ہی بٹھاتا ہوں - ۴—خوب پاؤں پسار کر سوؤ - ۵—مجھے میرے گاؤں کے راستے پر ڈال دو -

(WRITTEN WORK)

किसी ज़मीदार के विषय में एक कहानी है। यह बड़ा ही क्रूर स्वभाव का था। एक दिन जब वह अपने द्वार पर बैठा हुआ था एक बूढ़ा आदमी उसके पास आकर कहने लगा कि महाशय मैं बहुत भूखा हूँ। कृपा करके कुछ खाने को दे दो तो आशीर्वाद देता हुआ अपने घर चला जाऊँ। ज़मीदार क्रोध के मारे आपे से बाहर होकर कहने लगे यहाँ से अभी चला जा नहीं तो बहुत मारूँगा। बिचारा बुड्ढा चुपचाप वहाँ से चल दिया। थोड़े दिनों पीछे ज़मीदार शिकार खेलता हुआ जंगल में मार्ग भूल गया। एक तो थका था दूसरे रात इतनी हो गयी कि कुछ दिखाई न देता था। अपने ठीक सामने एक छप्पड़ देखकर वहीं चला गया। जो आदमी इस छप्पड़ का स्वामी था उसने बड़े हर्ष से उसे बिठाया और कुछ खाने को भी दिया। जब ज़मीदार खाना खा चुका तो खूब पाँव पसार कर सोया। प्रातःकाल होते ही उठा और उससे बोला मुझे कृपापूर्वक मेरे घर के मार्ग पर डाल दो।

کسی زمیندار کے بارے میں ایک کہانی ہے - یہہ بڑا ہی سنگدل تھا - ایک دن جب وہ اپنے دروازے پر بیٹھا ہوا تھا ایک بڈھا آدمی اُس کے پاس آکر کہنے لگا کہ جناب میں بہت بھوکھا ہوں مہربانی کر کے کچھہ کھانے کو دے دو تو دعا دیتا ہوا اپنے گھر کو چلا جاؤں - زمیندار غصہ کے مارے آپے سے باہر ہو کر کہنے لگا یہاں سے ابھی چلا جا

نہیں تو بہت مارونگا — بیچارہ بڈھا چپ چاپ وہاں سے چل دیا —
تھوڑے دنوں بعد زمیندار شکار کھیلتا ہوا جنگل میں راستہ بھول گیا —
ایک تو تھکا تھا دوسرے رات اتنی ہو گئی تھی کہ کچھہ دکھائی نہیں
دیتا تھا — اپنے ٹھیک سامنے ایک چھپر دیکھکر وہیں چلا گیا — جو آدمی
اس چھپر کا مالک تھا اُس نے بڑی خوشی سے اُسے بیٹھایا اور کچھہ
کھانے کو بھی دیا — جب زمیندار کھانا کھا چکا تو خوب پاوں پسار کر
سویا — صبح ہوتے ہی اُٹھا اور اُس سے بولا مجھے مہربانی کرکے میرے
گھر کے راستے پر ڈال دو —

EXERCISE 36

STUDY :—

1. She hung her head down for shame.

उसने लज्जा के मारे आँखें नीची करलीं ।

اُس نے شرم کے مارے آنکھیں نیچی کرلیں —

2. He treated me meanly.

उसने मेरे साथ नीचता का व्यवहार किया ।

اُس نے میرے ساتھہ رزالت کا برتاؤ کیا —

3. He behaved towards me well.

उसने मुझ से अच्छा बर्ताव किया ।

اُس نے مجھہ سے اچھا برتاؤ کیا —

(ORAL WORK)

1. यह लड़का लज्जा के मारे आँखें नीची कर लेता है। 2. तुम अपने पड़ोसियों के साथ बड़ी नीचता का व्यवहार करते हो। 3. मैं सब से अच्छा बर्ताव करता हूँ।

۱—یہہ لڑکا شرم کے مارے آنکھیں نیچی کر لیتا ھے - ۲—تم اپنے پڑوسیوں کے ساتھہ بڑی رذالت کا برتاؤ کرتے ھو - ۳—میں سب سے اچھا برتاؤ کرتا ھوں -

(WRITTEN WORK)

छप्पड़ वाला आदमी तुरन्त ही जमीदार के साथ हो लिया। जब दोनों साथ जा रहे थे तो जमीदार ने उसको ध्यानपूर्वक देखा। देखते के साथ ही जमीदार की आँखें मारे लज्जा के नीची हो गयीं। वह पहचान गया था कि यह वही बुड्ढा है जिसको मैंने अपने घर बिना खाना दिये धिक्कार कर निकाल दिया था। अब जमीदार को याद आया कि मैंने इसके साथ कैसी नीचता का व्यवहार किया था और इसने मुझसे कैसा अच्छा बर्ताव किया है। बुड्ढा समझ गया और कहने लगा आपको पश्चात्ताप करने की आवश्यकता नहीं है। बस यह शिक्षा ले लीजिये कि कोई दीन आपके द्वार पर आए तो उसके साथ मनुष्य का सा बर्ताव अवश्य करना चाहिये।

چھپر والا آدمی فوراً ھی زمیندار کے ساتھہ ھو لیا - جب دونوں ساتھہ جا رھے تھے تو زمیندار نے اُس کو غور سے دیکھا دیکھتے کے ساتھہ ھی زمیندار کی آنکھیں مارے شرم کے نیچی ھوگئیں - وہ پہچان گیا تھا کہ یہہ وھی بڈھا ھے جس کو میں نے اپنے گھر سے بنا کھانا دئے لعنت دیکر نکال دیا تھا - اب زمیندار کو یاد آیا کہ میں نے اس کے ساتھہ کیسی رذالت کا برتاؤ کیا ھے اور اُس نے مجھہ سے کیسا اچھا برتاؤ کیا ھے - بڈھا سمجھہ گیا اور کہنے لگا اب آپ کو پچھتانے کی ضرورت نہیں ھے - بس یہہ نصیحت لے لیجئے کہ کوئی غریب آپ کے دروازے پر آئے تو اُس کے ساتھہ آدمی کا سا برتاؤ ضرور کرنا چاھیئے -

---

نہیں تو بہت مارونگا - بیچارہ بڈھا چپ چاپ وہاں سے چل دیا -
تھوڑے دنوں بعد زمیندار شکار کھیلتا ہوا جنگل میں راستہ بھول گیا -
ایک تو تھکا تھا دوسرے رات اتنی ہو گئی تھی کہ کچھہ دکھائی نہیں
دیتا تھا - اپنے ٹھیک سامنے ایک چھپر دیکھکر وہیں چلا گیا - جو آدمی
اس چھپر کا مالک تھا اُس نے بڑی خوشی سے اُسے بیٹھایا اور کچھہ
کھانے کو بھی دیا - جب زمیندار کھانا کھا چکا تو خوب پاوں پسار کر
سویا - صبح ہوتے ہی اُٹھا اور اُس سے بولا مجھے مہربانی کرکے میرے
گھر کے راستے پر ڈال دو -

EXERCISE 36

STUDY :—

1. **She hung her head down for shame.**

उसने लज्जा के मारे आँखें नीची करलीं।

اُس نے شرم کے مارے آنکھیں نیچی کرلیں -

2. **He treated me meanly.**

उसने मेरे साथ नीचता का व्यवहार किया।

اُس نے میرے ساتھہ رزالت کا برتاؤ کیا -

3. **He behaved towards me well.**

उसने मुझ से अच्छा बर्ताव किया।

اُس نے مجھہ سے اچھا برتاؤ کیا -

(ORAL WORK)

1. यह लड़का लज्जा के मारे आँखें नीची कर लेता है। 2. तुम अपने पड़ोसियों के साथ बड़ी नीचता का व्यवहार करते हो। 3. मैं सब से अच्छा बर्ताव करता हूँ।

EXERCISE 37

STUDY :—

1. He did not rest content with that success.
वह उस सफलता पर ही तसल्ली करके न बैठा।
وہ اُس کامیابی پر ھی تسلی کر کے نہ بیٹھا -

2. This boy looks fresh and bright.
यह लड़का ताज़ा दम और तेज़ मालूम होता है।
یہہ لڑکا تازہ دم اور تیز معلوم ھوتا ھے -

3. It is meant for children.
यह तो बालकों के लिए ही है।
یہہ تو بچّوں کے لئے ھی ھے -

4. There is a little chance of his failing.
उसके फ़ेल होने का डर नहीं है।
اُس کے فیل ھونے کا ڈر نہیں ھے -

(ORAL WORK)

1. तुमको इतने ही परिश्रम पर तसल्ली न कर बैठना चाहिये। 2. छोटी लड़की बड़ी ताज़ा दम और तेज़ मालूम होती है। 3. यह फल रोगियों के लिए ही है। 4. उसके बीमार होने का डर नहीं है।

۱—تم کو اتنی ھی محنت پر تسلی نہ کر بیٹھنا چاھیئے - ۲—چھوٹی لڑکی بڑی تازہ دم اور تیز معلوم ھوتی ھے - ۳—یہہ پھل مریضوں کے لئے ھی ھے - ۴—اُس کے بیمار ھونے کا ڈر نہیں ھے -

(WRITTEN WORK)

बड़े आदमियों का कहना है कि शरीर की स्वच्छता अत्यन्त आवश्यक है। प्रत्येक मनुष्य को चाहिये कि केवल मुँह हाथ धो लेने पर ही तसल्ली न कर बैठे। प्रतिदिन स्नान करना भी उतना ही आवश्यक है जितना कि खाना। शरीर के

छिद्रों से जो पसीना निकलता है उसके द्वारा शरीर मैला हो जाता है। बिना स्नान पसीने की दुर्गन्ध मिट नहीं सकती। जो आदमी नियम से स्नान करते रहते हैं वे सदा ताजा दम और तेज मालूम पड़ा करते हैं। जब स्नान कर चुको तो अपने सारे शरीर को किसी खुरदरे तौलिये से झाड़कर पोंछ डालो। यह मत कहो कि हम निर्धन हैं तौलिया तो धनवानों के लिए ही है। कोई मोटा कपड़ा भली भाँति तौलिये के स्थान पर काम दे सकता है। पोंछने में एक बड़ा लाभ यह है कि जुकाम या ज्वर होने का डर नहीं रहता। कभी कभी गर्म जल से स्नान करना भी उपयोगि है।

بڑے آدمیوں کا کہنا ھے کہ بدن کی صفائی بہت ضروری ھے — ھر ایک آدمی کو چاھیئے کہ صرف منھہ ھاتھہ دھو لینے پر اکتفا نہ کر بیٹھے — ھر روز غسل کرنا بھی اُتنا ھی ضروری ھے جتنا کہ کھانا — بدن کے مسامات سے جو پسینا نکلتا ھے اُس کے ذریعہ بدن میلا ھو جاتا ھے — بنا غسل پسینے کی بدبو مٹ نہیں سکتی — جو آدمی حسب معمول غسل کرتے ھیں وے ھمیشہ تازہ دم اور تیز معلوم پڑا کرتے ھیں — جب غسل کر چکو تو اپنے بدن کو کسی کھردرے تولئے سے جھاڑ کر پونچھہ ڈالو — یہہ مت کہو کہ ھم غریب ھیں تولیا تو مالداروں کے لئے ھی ھے — کوئی موٹا کپڑا اچھی طرح سے تولئے کی جگہہ کام دے سکتا ھے — پونچھنے سے ایک بڑا فائدہ یہہ ھے کہ زکام یا بخار ھونے کا ڈر نہیں رھتا — کبھی کبھی گرم پانی سے غسل کرنا بھی فائدہ مند ھوتا ھے —

EXERCISE 38

STUDY :

1. This town lies in the way of the robbers.
यह नगर डाकुओं के मार्ग में पड़ता है।
یہہ شہر ڈاکوؤں کے راستے میں پڑتا ھے –

2. Akbar seized the reins of the Government.
अकबर ने शासन की बागडोर अपने हाथ में ली।
اکبر نے سلطنت کی باگ‌ڈور اپنے ھاتھہ میں لی –

3. The recognition of worth on the part of the great is natural.
बड़ों की गुणग्राहकता स्वभाविक ही है।
بڑوں کی قدردانی قدرتی ھے –

(ORAL WORK)

1. कौन कौन से नगर उन यात्रियों के मार्ग में पड़ेंगे ?
2. उसके पश्चात् शासन की बागडोर किसने हाथ में ली ?
3. राजा की गुणग्राहकता ने बड़े योग्य आदमियों को आकर्षित कर लिया।

۱—کون کون سے شہر اُن مسافروں کے راستے میں پڑیں گے ؟
۲—اُس کے بعد عنا حکومت کس نے ھاتھہ میں لی – ۳—راجہ کی قدردانی نے بڑے قابل آدمیوں کو کھینچ لیا –

(WRITTEN WORK)

पंजाब का सब से बड़ा नगर लाहौर है। यह नगर रावी नदी के किनारे बसा है। बहुत काल तक यह हिन्दू राजाओं की राजधानी था। यही नहीं बहुत से मुसलमान बादशाहों ने भी इसे अपनी राजधानी बनाया। अकबर ने इस नगर को और भी बड़ा और सुन्दर कर दिया था। तब से बरादर यह पंजाब

को राजधानी रहा है। आक्रमणकारियों के मार्ग में पड़ने के कारण यह बार बार बर्बाद भी हुआ। जब महाराजा रणजीत सिंह ने शासन की बागडोर अपने हाथ में ली तो उन्होंने भी पहले की भाँति इसी नगर को अपनी राजधानी रखा। इनकी गुणग्राहकता ने बड़े बड़े आदमियों को लाहौर में खींच लिया। लाहौर में कई प्रसिद्ध इमारतें और क़िले हैं।

پنجاب کا سب سے بڑا شہر لاهور هے -- یہه شہر راوی ندی کے کنارے بسا هے - بہت زمانہ تک یہه هندو بادشاهوں کی دارالسلطنت تھا - یہی نہیں بہت سے مسلمان بادشاهوں نے بھی اِسے اپنی دارالسلطنت بنایا - اکبر نے اس شہر کو اور بھی بڑا اور خوبصورت کر دیا تھا - تب سے برابر یہه پنجاب کی دارالسلطنت رها هے - حملہ‌آوروں کے راستے میں پڑنے کی وجہہ سے یہہ بار بار برباد بھی هوا - جب مہاراجہ رنجیت سنگھہ نے عنان حکومت اپنے هاتھہ میں لی تو اُنہوں نے بھی پہلے کی طرح اِسی شہر کو اپنی دارالسلطنت رکھا - ان کی قدردانی نے بڑے بڑے آدمیوں کو لاهور میں کھینچ لیا - لاهور میں کئی مشہور عمارتیں اور قلعے هیں -

---

EXERCISE 39

STUDY :

1. You are strong enough to earn your livelihood.
रोज़ी कमाने के लिए तो तुम भी क़ाफ़ी मज़बूत हो।
روزی کمانے کے لئے تو تم بھی کافی مضبوط هو -

2. His wealth is of no avail to him.
उसका धन उसके किसी काम का नहीं है।
اُس کی دولت اُس کے کسی کام کی نہیں هے -

(ORAL WORK)

1. यह लड़का अब रोज़ी कमाने के लिए काफ़ी बड़ा है। 2. तुम पैदल चलने के लिए काफ़ी बलवान हो। 3. तुम्हारा पढ़ना मेरे किस काम का है। 4. उनका घोड़ा तुम्हारे किसी काम का नहीं है।

ا—یہہ لڑکا اب روزی کمانے کے لئے کافی بڑا هے - ۲—تم پیدل چلنے کے لئے کافی طاقتور هو- ۳—تمہارا پڑھنا میرے کس کام کا هے - ۴—اُن کا گھوڑا تمہارے کسی کام کا نہیں هے -

(WRITTEN WORK)

एक आदमी जो बहुत ही ग़रीब था उसने भीख मांगने का निश्चय किया। क्योंकि वह तीन भाषाएँ बोल सकता था इस-लिए यही सोचता रहा कि शायद कोई मेरी सहायता आपही करे। भिखारी के घर पर भला भीख देने कौन आता। कई दिन पीछे एक महाजन उधर से निकला। इस आदमी को देख कर सोचने लगा कि यह पढ़ा लिखा ग़रीब है। उससे बोला भाई तुमको क्या चिन्ता है। उसने उत्तर दिया मेरे पास खाने को कुछ नहीं है। फिर महाजन ने पूछा कुछ जानते भी हो? उसने कहा तीन भाषाएँ लिख पढ़ सकता हूँ। महाजन ने कहा तब तो तुम अपनी रोज़ी कमाने के लिए काफ़ी योग्य हो, परन्तु यह दुर्भाग्य की बात है कि इतनी विद्या भी तुम्हारे किसी काम की नहीं। यह कहकर वह उस पढ़े लिखे ग़रीब को अपने साथ ले गया और कुछ काम उसे सौंप दिया जिसके बदले में उसको अच्छा खाना और कपड़ा मिलने लगा।

ایک آدمی جو بہت هی غریب تھا اس نے بھیک مانگنا طے کیا - کیونکہ وہ تین زبان بول سکتا تھا اس لئے یہی سوچتا رہا کہ شاید کوئی میری مدد کرے - فقیر کے گھر پر بھلا بھیک دینے کون

آتا ہے - کئی دن بعد ایک مہاجن اُدھر سے نکلا اِس آدمی کو دیکھکر سوچنے لگا کہ یہہ کوئی پڑھا لکھا غریب ہے اُس سے بولا تم کو کیا فکر ہے - اُس نے جواب دیا میرے پاس کھانے کو کچھہ نہیں ہے - پھر مہاجن نے پوچھا کچھہ جانتے بھی ہو - اُس نے کہا تین زبانیں لکھہ پڑھہ سکتا ہوں - مہاجن نے کہا تب تو تم اپنی روزی کمانے کے لئے کافی قابل ہو - لیکن یہہ بدقسمتی کی بات ہے کہ اِتنا علم بھی تمہارے کسی کام کا نہیں - یہہ کہکر وہ اُس پڑھے لکھے غریب کو اپنے ساتھہ لے گیا اور کچھہ کام اُسے سپرد کر دیا جس کے بدلے میں اُس کو اچھا کھانا اور کپڑا ملنے لگا -

---

EXERCISE 40

STUDY :

1. I went to see my mother off.

मैं अपनी माता को पहुँचाने के लिए गया था।

میں اپنی والدہ کو پہنچانے کے لئے گیا تھا -

2. The thief got into my house.

चोर मेरे घर में घुस गया। چور میرے مکان میں گھس گیا -

3. He set fire to my house.

उसने मेरे घर में आग लगा दी।

اُس نے میرے مکان میں آگ لگا دی -

4. His house has caught fire.

उसके घर में आग लग गयी है।

اُس کے مکان میں آگ لگ گئی ہے -

5. Everything was consumed to ashes.

प्रत्येक वस्तु जलकर राख हो गयी।

ہر ایک چیز جل کر راکھہ ہو گئی -

(ORAL WORK)

1. यह लड़का अब रोज़ी कमाने के लिए काफ़ी बड़ा है। 2. तुम पैदल चलने के लिए काफ़ी बलवान हो। 3. तुम्हारा पढ़ना मेरे किस काम का है। 4. उनका घोड़ा तुम्हारे किसी काम का नहीं है।

۱—یہہ لڑکا اب روزی کمانے کے لئے کافی بڑا ھے - ۲—تم پیدل چلنے کے لئے کافی طاقتور ھو- ۳—تمہارا پڑھنا میرے کس کام کا ھے - ۴—اُن کا گھوڑا تمہارے کسی کام کا نہیں ھے -

(WRITTEN WORK)

एक आदमी जो बहुत ही ग़रीब था उसने भीख मांगने का निश्चय किया। क्योंकि वह तीन भाषाएँ बोल सकता था इसलिए यही सोचता रहा कि शायद कोई मेरी सहायता आपही करे। भिखारी के घर पर भला भीख देने कौन आता। कई दिन पीछे एक महाजन उधर से निकला। इस आदमी को देख कर सोचने लगा कि यह पढ़ा लिखा ग़रीब है। उससे बोला भाई तुमको क्या चिन्ता है। उसने उत्तर दिया मेरे पास खाने को कुछ नहीं है। फिर महाजन ने पूछा कुछ जानते भी हो? उसने कहा तीन भाषाएँ लिख पढ़ सकता हूँ। महाजन ने कहा तब तो तुम अपनी रोज़ी कमाने के लिए काफ़ी योग्य हो, परन्तु यह दुर्भाग्य की बात है कि इतनी विद्या भी तुम्हारे किसी काम की नहीं। यह कहकर वह उस पढ़े लिखे ग़रीब को अपने साथ ले गया और कुछ काम उसे सौंप दिया जिसके बदले में उसको अच्छा खाना और कपड़ा मिलने लगा।

ایک آدمی جو بہت ھی غریب تھا اس نے بھیک مانگنا طے کیا - کیونکہ وہ تین زبان بول سکتا تھا اس لئے یہی سوچتا رھا کہ شاید کوئی میری مدد کرے - فقیر کے گھر پر بھلا بھیک دینے کون

آتا ھے – کئی دن بعد ایک مہاجن اُدھر سے نکلا اِس آدمی کو دیکھکر
سوچنے لگا کہ یہہ کوئی پڑھا لکھا غریب ھے اُس سے بولا تم کو کیا
فکر ھے – اُس نے جواب دیا میرے پاس کھانے کو کچھہ نہیں ھے –
پھر مہاجن نے پوچھا کچھہ جانتے بھی ھو – اُس نے کہا تین زبانیں
لکھہ پڑھہ سکتا ھوں – مہاجن نے کہا تب تو تم اپنی روزی کمانے کے
لئے کافی قابل ھو – لیکن یہہ بدقسمتی کی بات ھے کہ اِتنا علم بھی
تمہارے کسی کام کا نہیں – یہہ کہکر وہ اُس پڑھے لکھے غریب کو اپنے
ساتھہ لے گیا اور کچھہ کام اُسے سپرد کر دیا جس کے بدلے میں اُس کو
اچھا کھانا اور کپڑا ملنے لگا –

EXERCISE 40

STUDY :

1. I went to see my mother off.

मैं अपनी माता को पहुँचाने के लिए गया था ।

میں اپنی والدہ کو پہنچانے کے لئے گیا تھا –

2. The thief got into my house.

चोर मेरे घर में घुस गया ।   چور میرے مکان میں گھس گیا –

3. He set fire to my house.

उसने मेरे घर में आग लगा दी ।

اُس نے میرے مکان میں آگ لگا دی –

4. His house has caught fire.

उसके घर में आग लग गयी है ।

اُس کے مکان میں آگ لگ گئی ھے –

5. Everything was consumed to ashes.

प्रत्येक वस्तु जलकर राख हो गयी ।

ھر ایک چیز جل کر راکھہ ھو گئی –

(ORAL WORK)

1. क्या तुम अपने मित्र को पहुँचाने जाओगे ? 2. तुम उसके कमरे में क्यों घुस गये थे ? 3. उस लड़के ने अपने घर में आग लगा दी है। 4. चार घरों में प्रतिदिन आग लग जाती है। 5. यह टोपी जलकर राख हो जायगी।

۱—کیا تم اپنے دوست کو پہنچانے جاؤگے ؟ ۲—تم اُس کے کمرے میں کیوں گھس گئے تھے ؟ ۳—اُس لڑکے نے اپنے مکان میں آگ لگا دی ھے - ۴—چار مکانوں میں ھر روز آگ لگ جاتی ھے - ۵—یہہ ٹوپی جل کر راکھہ ھو جائیگی -

(WRITTEN WORK)

किसी नगर में एक बूढ़ा कुंजड़ा रहता था। एक दिन जब वह अपने एक मेहमान को पहुँचाने गया हुआ था तो उसका द्वेषी पड़ोसी उसके घर में घुस गया। उसने उसके सन्दूक़ खोल डाले और क़ीमती माल असबाब निकालकर ले गया। उसका द्वेष इतने पर ही समाप्त नहीं हुआ बल्कि वह दुबारा फिर आया। इस बार उसने दियासलाई ले उसके घर में आग लगा दी और कहीं बाहर चला गया। लौटने पर बुड्ढे ने देखा कि घर में आग लगी है। आग बुझाने का बहुतेरा प्रयत्न किया पर कोई युक्ति उसके काम न आयी। उसकी सब वस्तुएँ जलकर राख हो गयीं। बिचारा कुछ न कर सका। यद्यपि यह जान गया था कि यह हानि किसने पहुँचाई है परन्तु फिर भी उसके मन में बदले का ध्यान न आया। भले आदमी भलमनसाहत कभी नहीं छोड़ते।

کسی شہر میں ایک بڈھا کنجڑا رھتا تھا - ایک دن جب وہ اپنے ایک مہاجن کو پہنچانے گیا ھوا تھا تو اُس کا کینہ‌ور پڑوسی اُس کے مکان میں گھس گیا - اُس نے اُس کے صندوق کھول ڈالے اور قیمتی مال و اسباب نکال کر لے گیا - اُس کا کینہ اِتنے پر ہی ختم

نہیں ہوا بلکہ وہ دوبارہ پھر آیا - اِس بار اُس نے دیاسلائی سے اُس مکان میں آگ لگادی اور کہیں باہر چلا گیا - لوٹنے پر بڈھے نے دیکھا کہ مکان میں آگ لگی ہے - آگ بجھانے کی بہتیری کوشش کی پر کوئی تدبیر کام نہ آئی - اُس کی سب چیزیں جل کر خاک ہو گئیں - بیچارا کچھہ نہ کر سکا اگرچہ وہ جان گیا تھا کہ یہہ نقصان کس نے پہنچایا ہے لیکن پھر بھی اُس کے دل میں بدلے کا خیال نہ آیا - نیک آدمی نیکی کبھی نہیں چھوڑتے -

---

EXERCISE 41

STUDY :—

1. His speech captivated my heart.

उसकी वक्तृता ने मेरा मन लुभा लिया ।

اُس کی تقریر نے میرا دل لبھا لیا -

2. Can you deliver a speech ?

क्या तुम भाषण दे सकते हो ?

کیا تم تقریر کر سکتے ہو ؟

3. She gave a dinner in honour of her son's success.

उसने अपने पुत्र की सफलता की खुशी में दावत दी ।

اُس نے اپنے بیٹے کی کامیابی کی خوشی میں دعوت دی -

(ORAL WORK)

1. तुम्हारे मीठे शब्द सबके मन को लुभा लेते हैं । 2. उसने अच्छा भाषण किया । 3. तुम्हारे पास होने की खुशी में मैं दावत देने वाला हूँ ।

۱—تمہارے میٹھے الفاظ سب کی طبیعت لبھا لیتے ہیں - ۲—اُس نے اچھی تقریر کی - ۳—تمہارے پاس ہونے کی خوشی میں میں دعوت دینے والا ہوں -

(Written Work)

मेरे पिता कहा करते थे कि यदि किसी के मन को लुभाना चाहते हो तो अच्छा बर्ताव करना सीखो। रूस के बादशाह जब किसी से मिलते थे तो इस बात का ध्यान रखते थे कि कोई बात शिष्टाचार के विरुद्ध न हो। यदि उनको कहीं भाषण देना पड़ता था तो सदा इस बात को न भूलते थे कि मेरा भाषण मधुर शब्दों से भरा हो। उनके राजतिलक की खुशी में एक बार उनकी प्रजा ने बड़ी दावत की। इस अवसर पर महाराज ने ठीक उन्हीं गुणों का परिचय दिया जो एक सच्चे शासक में होने चाहियें। उनका सब से बड़ा हथियार यह था कि खरे परिश्रम और सभ्य चलन के द्वारा सबका मन लुभालें।

میرے والد کہا کرتے تھے کہ اگر کسی کے من کو لبھانا چاھتے ھو تو اچھا برتاؤ کرنا سیکھو - روس کے بادشاہ جب کسی سے ملتے تھے تو اُس بات کا خیال رکھتے تھے کہ کوئی بات تعظیم و تکریم کے خلاف نہ ھو - اگر اُن کو کہیں وعظ دینا پڑتا تھا تو ھمیشہ اِس بات کو نہ بھولتے تھے کہ میرا وعظ میٹھے الفاظ سے بھرا ھوا ھو - اُن کی تاج پوشی کی خوشی میں ایک بار ان کی رعایا نے بڑی دعوت کی - اُس موقع پر بادشاہ نے ٹھیک اُنھیں خوبیوں کا ثبوت دیا جو ایک سچے منتظم میں ھونی چاھئیں - اُن کا سب سے بڑا ھتھیار یہہ تھا کہ کھری محنت اور تعظیم کے برتاؤ کے ذریعہ سب کا من لبھا لیں -

---

EXERCISE 42

Study :

1. **I saw her in rich robes.**

मैंने उसे अमीराना पोशाक पहने देखा।

میں نے اُسے امیرانہ پوشاک پہنے دیکھا -

2. She came here when it was pattering.
बूंदा बांदी में वह यहाँ आई । — بوندا باندی میں وہ یہاں آئی –

3. Her clothes were being drenched.
उसके कपड़े भीगे जा रहे थे । — اس کے کپڑے بھیگے جا رہے تھے –

4. He burst into sighs.
वह बिलबिला उठा । — وہ بل بلا اُٹھا –

5. This thief, cursed be his birth, killed him.
उस जनम जले चोर ने उसे मार दिया ।
اس جنم جلے چور نے اسے مار دیا –

6. It will remain as it is.
यह ज्यों का त्यों रहेगा । — یہہ جیوں کا تیوں رہے گا –

(ORAL WORK)

1. अमीराना कपड़े पहने कहाँ जाते हो ? 2. बूंदाबांदी में बाहर न जाओ । 3. तुम्हारा कोट भीग गया है । 4. ऐसा मारूँगा कि बिलबिला उठोगे । 5. वह जनम जला भेड़िया मेरी बकरी को खा गया । 6. तुम तो ज्यों के त्यों ही हो ।

۱—امیرانہ کپڑے پہن کر کہاں جاتے ہو ؟ ۲—بوندا بوندی میں باہر نہ جاؤ – ۳—تمہارا کوت بھیگ گیا ھے – ۴—ایسا مارونگا کہ بل بلا اُٹھوگے – ۵—وہ جنم جلا بھیڑیا میری بکری کو کھا گیا – ۶—تم تو جیوں کے تیوں ھی ھو –

(WRITTEN WORK)

किसी राजा को पक्षियों का बड़ा शौक़ था । वह अमीराना पोशाक पहने हुए जंगलों में जाता और पक्षियों की बातचीत सुना करता था । एक बार बूँदाबाँदी में वह अपने इसी काम पर बाहर निकला । यद्यपि कपड़े भीगे जा रहे थे तो भी वह न रुका । उसने देखा कि पेड़ पर कुछ कौए हैं जिनके घोंसले सूने पड़े हैं । थोड़ी ही देर में कुछ और कौए आये और फूटे अंडे

देखकर बिलबिला उठे। कहने लगे कि क्या करें। जब कभी अंडे देते हैं वह जनम जला साँप उन्हें खा जाता है और हमको निस्सन्तान कर डालता है। एक उनमें से बोला क्या यह ठीक रहेगा कि इस स्थान को छोड़ दें। परन्तु सब ने मिलकर यह निश्चय किया कि राजा के पास चलें, वह हमारी सहायता अवश्य करेगा। राजा यह सब सुन रहा था। तुरन्त बोल उठा तुम सब पक्षी निर्भय यहीं रहो मैं साँप को मारता हूँ जिससे तुम्हारा घर ज्यों का त्यों बना रहे।

کسی بادشاہ کو پرندوں کا بڑا شوق تھا - وہ امیرانہ پوشاک پہنے ہوئے جنگلوں میں جاتا اور پرندوں کی بات سنا کرتا تھا - ایک بار بوندا بوندي میں وہ اپنے اسی کام پر باھر نکلا ـــ اگرچہ کپڑے بھیگے جارھے تھے تو بھی وہ نہ رکا - اس نے دیکھا کہ پیڑ پر کچھہ کوے ھیں جن کے گھونسلے سونے پڑے ھیں - تھوري دیر میں کچھہ اور کوے آئے اور پھوتے انڈے دیکھکر بل بلا اُٹھے - کہنے لگے کہ کیا کریں - جب کبھی انڈے دیتے ھیں وہ جنم جلا سانپ انہیں کھا جاتا ھے اور ھم کو بے اولاد کر ڈالتا ھے - ایک اُن میں سے بولا کیا یہہ ٹھیک رھے گا کہ اِس جگہہ کو ھی چھوڑ دیں - لیکن سب نے ملکر یہہ طے کیا کہ بادشاہ کے پاس چلیں وہ ھماری مدد ضرور کریگا - بادشاہ یہہ سب سن رھا تھا - فوراً بول اُٹھا تم سب پرندے بے خوف یہیں رھو میں سانپ کو مارتا ھوں جس سے تمھارا گھر جیوں کا تیوں بنا رھے -

---

EXERCISE 43

STUDY :

1. I stand in need of a servant.

मुझे एक नौकर की आवश्यकता है।

مجھے ایک نوکر کی ضرورت ھے -

2. This is the reason why I felt driven to you.
यही तो कारण है कि मैं तुम्हारे पास आने को मजबूर हुआ।
یہی تو سبب ہے کہ میں تمہارے پاس آنے کو مجبور ہوا -

3. Fruits were scarce there.
वहाँ फलों की कमी थी। وهاں پھلوں کی کمی تھی -

4. He copied very truly.
उसने खूब मक्खी पर मक्खी मारी।
اُس نے خوب مکھی پر مکھی ماری -

(ORAL WORK)

1. उनको कुछ रुपये की आवश्यकता है। 2. इसी लिए तो वह रुकने को मजबूर हुए। 3. नौकरों की वहाँ कमी न थी। 4. तुमने तो मक्खी पर मक्खी मार दी है।
١— اُن کو کچھ روپیہ کی ضرورت ہے - ٢— اسی لئے تو وہ رکنے کو مجبور ہوئے - ٣—نوکروں کی وهاں کمی نہ تھی - ٤ — تم نے تو مکھی پر مکھی مار دی ہے -

(WRITTEN WORK)

कहते हैं कि दिल्ली में कोई व्यापारी रहता था। वह अपने माल को दूर दूर के देशों से मँगवाता और भारतवर्ष के सभी बड़े शहरों में बेंचा करता था। एक बार की बात है कि उसे इश्तिहार लिखवाने की आवश्यकता पड़ी। बहुत ढूँढ़ने पर एक बहुत कम पढ़ा लेखक मिला जिसमें सुन्दर लिखने का गुण था। यही तो कारण था कि बड़े बड़े व्यापारी भी उसके पास आने को मजबूर होते थे। इश्तिहार का विषय लम्बा था और उसके लिखने में देर की आवश्यकता थी। इसलिए लेखक ने व्यापारी से कहा कि आप उस कमरे में आराम करें मैं इतने में इसकी नक़ल करता हूँ। जब वह चला गया तो लेखक ने अपना काम प्रारम्भ कर दिया। लिखते लिखते उसने देखा

कि मरी हुई मक्खी एक पंक्ति से चिपटी हुई है। वेधड़क एक मक्खी मारी और नकल की उसी पंक्ती में ठीक स्थान पर चिपका दी। व्यापारी ने आकर देखा कि इश्तिहार बड़ा ही सुन्दर लिखा है। साथ ही मरी मक्खी को देखकर बोला शाबाश ! तुमने खूब मक्खी पर मक्खी मार दी है।

کہتے ہیں کہ دھلی میں کوئی سوداگر رہتا تھا - وہ اپنے مال کو دور دور کے ملکوں سے منگواتا اور ھندوستان کے سبھی بڑے شہروں میں فروخت کیا کرتا تھا - ایک بار کی بات ھے کہ اُسے ایک اِشتہار لکھوانے کی ضرورت ھوئی - بہت تلاش کرنے پر ایک بہت کم پڑھا کاتب ملا جس میں خوبصورت لکھنے کی خوبی تھی یہی تو سبب تھا کہ بڑے بڑے سوداگر بھي اُس کے پاس آنے کو مجبور ھوتے تھے - اشتہار کا مضمون لمبا تھا اور اُس کے لکھنے میں دیر کی ضرورت تھی - اِس لئے کاتب نے سوداگر سے کہا کہ آپ اُس کمرے میں آرام کریں میں اِسی اثنا میں اِسی کی نقل کرتا ھوں - جب وہ چلا گیا - تو کاتب نے اپنا کام شروع کر دیا - لکھتے لکھتے اُس نے دیکھا کہ مری ھوئي مکھي ایک سطر سے چپکي ھوئي ھے - اُس نے بے دھڑک ایک مکھي ماری اور نقل کي اُسي سطر میں ٹھیک جگہہ پر چپکا دی - سوداگر نے آکر دیکھا کہ اشتہار بڑا ھي خوبصورت لکھا ھے - ساتھہ ھي میری مکھي کو دیکھکر بولا شاباش ! تم نے خوب مکھي پر مکھي مار دي ھے -

---

EXERCISE 44

STUDY :

1. Salim and Ramesh are friends, the latter is a Hindu, the former a Muslim.

सलीम और रमेश मित्र हैं यह हिन्दू है वह मुसलमान।

سلیم اور رمیش دوست ھیں یہہ ھندو ھے وہ مسلمان -

2. The logs were carried along in the river.
लट्ठे नदी में बहकर आये। لٹھے دریا میں بہکر آئے -

(ORAL WORK)

1. मैंने लड़के और लड़की को देखा, लड़का तुम्हारा भाई है और लड़की तुम्हारी बहन। 2. नदियों में बहुत प्रकार की वस्तुएँ बहकर आती हैं।

۱—میں نے لڑکے اور لڑکی کو دیکھا لڑکا تمہارا بھائی ہے اور لڑکی تمہاری بہن - ۲—دریاؤں میں بہت طرح کی چیزیں بہکر آتی ہیں -

(WRITTEN WORK)

पहाड़ और नदियाँ सभी मनुष्य के बड़े काम के हैं। परन्तु इसमें सन्देह नहीं है कि ये उनकी अपेक्षा हमारे लिए अधिक उपयोगी हैं। कुछ लोग समझते होंगे कि खेतों की सिंचाई करने के सिवाय नदियाँ और कुछ नहीं करतीं। थोड़ी देर सोचो तो समझ में आ जाएगा कि नदियों से न केवल यह एक वरन् और भी बहुत से लाभ हैं। नाव की सैर और मछलियों का शिकार यदि नदियों के बड़े लाभ नहीं हैं तो और क्या हैं। इसके अतिरिक्त नदी पहाड़ से निकलने के पश्चात् बड़े बड़े मैदानों में बहती है और अपने साथ भिन्न भिन्न प्रकार की मिट्टी बहा लाती है। जब उसका वेग धीमा हो जाता है तो यह मिट्टी नीचे बैठ जाती है। बाढ़ के पश्चात् तो नदियाँ इस मिट्टी को दूर दूर तक फैला जाती हैं। इस मिटी से भूमि उपजाऊ बनती है।

پہاڑ اور دریا سبھی آدمی کے بڑے کام کے ہیں - لیکن اِس میں شبہہ نہیں ہے کہ یہہ. ان کی بہ نسبت ہمارے لئے زیادہ فائدہ‌مند ہیں -. کچھہ لوگ سمجھتے ہونگے کہ کھیتوں کی آب پاسی کرنے کے سوائے دریا اور کچھہ نہیں کرتے - تھوڑی دیر سوچو تو سمجھہ میں

آ جائے گا کہ دریاؤں سے نہ صرف یہہ ایک بلکہ اور بھی بہت سے
فائدے ھیں - کشتی کی سیر اور مچھلیوں کا شکار اگر دریاؤں کے
بڑے فائدے نہیں ھیں تو اور کیا ھیں ؟ اس سے علاوہ دریا پہاڑ سے
نکلنے کے بعد بڑے بڑے میدانوں میں بہتا ھے اور اپنے ساتھہ طرح
طرح کی مٹی بہا لاتا ھے - جب اُس کی تیزی کم ھو جاتی ھے تو
یہہ مٹی نیچے بیٹھہ جاتی - سیلاب کے بعد تو دریا اس مٹی کو
دور دور تک پھیلا دیتے ھیں - اِس مٹی سے زمین زر خیز بن
جاتي ھے -

EXERCISE 45

Epistolary Paragraphs.

STUDY :

1. I have your letter of yesterday's date.
आपका कल की तारीख़ का पत्र मिला।

آپ کا کل کي تاریخ کا خط ملا -

2. He was put to inconvenience.
उसे कष्ट हुआ।

اُسے تکلیف هوئي -

3. Thank God I am better now.
ईश्वर की कृपा से अब अच्छा हूँ।

خدا کي مهرباني سے اب اچھا هوں -

4. See him now and then.
उससे कभी कभी मिलते रहो। — اُس سے کبھي کبھي ملتے رهو -

(ORAL WORK)

1. आपका सोमवार की तारीख़ का पत्र आया। 2. इससे उसे बड़ा कष्ट हुआ। 3. ईश्वर की दया से माता अच्छी हो गयी। 4. वह मेरे पास कभी कभी आता है।

۱—آپ کا سوموار کی تاریخ کا خط آیا - ۲—اِس سے اُسے
بڑی تکلیف ھوئي - ۳—خدا کی مہرباني سے والدہ اُچھي ھو
گئیں - ۴—وہ میرے پاس کبھي کبھي آتا ھے -

(WRITTEN WORK)

पदमसिंह दरवाज़ा, खुर्जा
१५-६-३३

प्रियमित्र,

आपका कल की तारीख़ का पत्र मिला। पढ़कर बड़ी प्रसन्नता हुई। पिताजी को कई बार दिल्ली जाने के कारण कष्ट हुआ था। शायद इसी लिए वह इतने दिनों तक बीमार रहे। परन्तु वह ऐसे कष्ट की चिन्ता नहीं करते। इसी लिए तो किसी को उनके रोग की सूचना नहीं दी गयी। परन्तु ईश्वर की कृपा से अब वे पहले की अपेक्षा कुछ अच्छे हैं। यद्यपि डाक्टर साहब को बुलाया तो नहीं था तो भी बिचारे स्वयं ही जब तब उनको देख जाते हैं। आशा है कि इस सप्ताह के भीतर वे बिल्कुल स्वस्थ हो जाएँगे। जब तब पत्र भेजते रहिये।

आपका सच्चा मित्र, रामशरण

پدم سنگھہ دروازہ—۱۵ جون سنہ ۱۹۳۳ ع

دوست من

آپ کا کل کی تاریخ کا خط ملا پڑھکر بڑی خوشي ھوئي - والد صاحب کو کئي بار دھلي جانے سے سبب سے تکلیف ھوئي تھي شاید اسي لئے وہ اتنے دنوں تک بیمار رھے مگر وہ ایسي تکلیف کي پرواہ نہیں کرتے اِسي واسطے تو کسي کو اُن کي بیماری کي اطلاع نہیں دی گئی لیکن ایشور کي مہرباني سے اب وہ پہلے کی بہ نسبت کچھہ اچھے ھیں اگرچہ ڈاکٹر صاحب کو بلایا تو تھا نہیں تو بھي بیچارے خود ھی اُن کو جب تب دیکھہ جاتے ھیں -

اُمید ھے کہ اِس ھفتہ کے اندر وہ بالکل تندرست ھو جائیں گے ۔
جب تب خط بھیجتے رھیئے ۔ فقط ۔

آپکا سچا دوست ۔ رام سرن

EXERCISE 46.

STUDY :—

1. **I need hardly tell you this.**

कहने की आवश्यकता नहीं । کہنے کی ضرورت نہیں ھے ۔

2. **She is proud of her son.**

उसे अपने पुत्र पर गर्व है । اُسے اپنے بیٹے پر فخر ھے ۔

3. **She will pat you on the back.**

वह तुम्हारी पीठ ठोकेगी । وہ تمہاری پیٹھہ ٹھونکیگی ۔

4. **I wish you all good luck.**

भगवान तुमको सब प्रकार सुखी रखे ।

خدا تمکو سب طرح سے خوش رکھے ۔

(ORAL WORK)

1. कहने की आवश्यकता नहीं है कि माताजी बहुत दुखी हैं । 2. उनका तुम्हारे ऊपर बड़ा गर्व था । 3. उन्होंने मेरी पीठ ठोकी । 4. ईश्वर तुममें से हर एक को सब सुख दे ।

۱—کہنے کی ضرورت نہیں ھے کہ والدہ صاحبہ بہت تکلیف میں ھیں ۔ ۲—ان کو تمہارے اوپر بڑا فخر تھا ۔ ۳—اُنہوں نے میری پیٹھہ ٹھونکی ۔ ۴—خدا تم میں سے ھر ایک کو سب آرام دے ۔

(WRITTEN WORK)

दिल्ली, १५-६-३३

परम प्रिय मोहन,

तुम पास होगये हो इस बात ने मुझे बड़ा प्रसन्न किया है । तुम्हारी इस सफलता पर हार्दिक बधाई देता हूँ । कहने की

आवश्यकता नहीं है कि मुझे तुम पर कितना गर्व है। जी बहुत चाहता है कि दौड़कर तुम्हारे पास पहुँचूँ और पीठ ठोक कर शाबाशी दूँ। तुमको सब प्रकार से सुखी रखने की भगवान से प्रार्थना करने वाला।

तुम्हारा सच्चा हितैषी
रमेशचन्द्र

دھلی ١٥ جون سنہ ١٩٣٣ ع

عزیز من موھن
تم پاس ھوگئے ھو اِس بات نے مجھے بڑا خوش کیا ھے — تمھاری اِس کامیابی پر دلی مبارکبادی دیتا ھوں — کھنے کی ضرورت نھیں ھے کہ مجھہ کو تم پر کتنا فخر ھے — طبیعت بہت چاھتی ھے کہ دوڑ کر تمھارے پاس پھونچوں اور پیٹھہ ٹھونک کر شاباشی دوں — تم کو سب طرح سے خوش رکھنے کی خدا سے دعا کرنے والا —

تمھارا سچا خیر خواہ رمیش چندر

EXERCISE 47

STUDY :—

1. Humbly beg to submit.

मैं विनयपूर्वक निवेदन करता हूँ।

میں عاجزانہ گذارش کرتا ھوں —

2. He looks after the child.

वह बालक की देखभाल करता है।

وہ بچے کی دیکھہ بھال کرتا ھے —

3. Your presence is required at home.

तुम्हारा घर पर रहना आवश्यक है।

تمھارا مکان پر رھنا ضروری ھے —

خبرگیری کرنے کے لئے میرے سواے اور کوئی نہیں ہے - میری خواہش ہے کہ آپ میرے بھائی شکور کو جو آپ کے اِسکول کے دسویں کلاس میں پڑھتا ہے آج کی چھٹی دینے کی مہربانی کریں -

آپ کا

رحمان

EXERCISE 48

STUDY :—

1. Send me the book by return of mail.
   लौटती डाक से पुस्तक भेज दीजिये ।
   لوٹتی ڈاک سے کتاب بھیج دیجئے -
2. Come to me per address noted at the top.
   ऊपर लिखे पते से मेरे पास आ जाना ।
   اوپر لکھے پتہ سے میرے پاس آ جانا -

(ORAL WORK)

1. लौटती डाक से इस पत्र का उत्तर भेजना । 2. सब वस्तुएँ ऊपर लिखे पते से भेज देना ।

۱—لوٹتی ڈاک سے اِس خط کا جواب بھیجنا - ۲—سب چیزیں اوپر لکھے پتے سے بھیجدینا -

(WRITTEN WORK)

हिन्दू-बोर्डिंग हाउस, प्रयाग
4-12-1932.

श्री नन्दकिशोर ब्रादर्स
चौक बनारस

महाशय गण,

कृपया नीचे लिखी हुई पुस्तकें वी. पी. द्वारा लौटती डाक से ऊपर वाले पते पर भेज दीजिये:—

(ORAL WORK)

1. उसने विनयपूर्वक निवेदन किया कि मैं बीमार हूँ। 2. इसकी देखभाल कौन करेगा ? 3. उसका घर पर रहना आवश्यक है।

۱—اُس نے عاجزانہ گذارش کی کہ میں بیمار ہوں - ۲—اِس کی خبرگیری کون کرے گا - ۳—اِس کا مکان پر رهنا ضروری هے -

(WRITTEN WORK)

चौक बनारस
२०-६-१९३३

श्रीमान् प्रिंसिपल साहब,
इन्टर कालिज, बनारस।

महोदय,

विनयपूर्वक निवेदन है कि मेरी माता जी दो सप्ताह से बीमार हैं आज उनकी दशा पहले से बुरी है। उनकी देख-भाल करने के लिए मेरे सिवाय और कोई नहीं है। मेरी इच्छा है कि आप मेरे छोटे भाई शकूर को जो आपके स्कूल की दसवीं कक्षा में पढ़ता है आज की छुट्टी देने की कृपा करें। उसका घर पर रहना अत्यन्त आवश्यक है।

आपका विश्वासी
रहमान

چوک بنارس
۲۰ جون سنہ ۱۹۳۳ ع

جناب پرنسپل صاحب
انٹر کالج بنارس

جنابعالی

عاجزانہ گذارش هے کہ میری والدہ صاحبہ دو هفتہ سے بیمار هیں آج اُن کی حالت پہلے سے خراب هے - اُن کی

۱—میری والدہ خوشی سے اِس نوکر کو رکھہ لیں گی۔ ۲—وہ اتنے دنوں دهلی میں رہا ہے - ۳—اُن لڑکیوں نے حساب میں کتنا کیا تھا -

(WRITTEN WORK)

1. यह स्कूल ज़िले के बड़े स्कूलों में है। यहाँ भरती होने के लिए लड़के दूर दूर से आते हैं। यह कहने से पहले कि मैं प्रसन्नता से तुम्हें ले लूँगा हेडमास्टर साहब उन नये आने वालों से बहुत सी बातें पूछा करते हैं। वह कहते हैं कि इतने दिनों तुम कौन से स्कूल में रहे हो और अँग्रेजी और गणित में तुमने कितना कर लिया है। जिन लड़कों की संस्कृत में विशेष रुचि होती है उनको तो इस स्कूल में तुरन्त ही भरती कर लेते हैं। शाम को सब लड़कों को खेल के लिए जाना पड़ता है। जो लड़के क्लास में सबसे ऊपर रहते हैं उनको योग्यता का इनाम मिलता है।

۱—یہہ اسکول ضلع کے بڑے اسکولوں میں ہے - یہاں داخل ہونے کے لئے لڑکے دور دور سے آتے ہیں - یہہ کہنے سے پہلے میں خوشی سے تمہیں لے لونگا، هیڈ ماسٹر صاحب ان نئے آنے والوں سے بہت سی باتیں پوچھا کرتے ہیں - وہ کہتے ہیں کہ اتنے دنوں تم کون سے اسکول میں رہے ہو اور انگریزی اور حساب میں تم نے کتنا کر لیا ہے - جن لڑکوں کو سنسکرت میں خاص شوق ہوتا ہے اُن کو اس اسکول میں فوراً داخل کر لیتے ہیں - شام کو سب لڑکوں کو کھیل کے لئے جانا پڑتا ہے - جو لڑکے کلاس میں سب سے اوپر رہتے ہیں ان کو قابلیت کا انعام ملتا ہے -

EXERCISE 27

STUDY :—

1. She might have gone.

वह चली गयी होगी। وہ چلی گئی ہوگی ـ

2. He will not be able to come.

वह आ न सकेगा। وہ آ نہ سکے گا ـ

(ORAL WORK)

1. उसने मेरी टोपी उठा ली होगी। 2. अब गाड़ी छूट गयी होगी। 3. मैं तुम्हारी सहायता न कर सकूँगा। 4. यह बुड्ढा इस बोझ को न उठा सकेगा।

۱—اُس نے میری ٹوپی اُٹھا لی ہوگی ـ ۲—اب گاڑی چھوٹ گئی ہوگی ـ ۳—میں تمہاری مدد نہ کر سکونگا ـ ۴—یہہ بڈھا اِس بوجھہ کو نہ اوٹھا سکے گا ـ

(WRITTEN WORK)

एक दिन एक गड़रिया जंगल में भेड़ें चरा रहा था। एक भेड़िये को देखकर वह अपने रेवड़ के साथ एक खोह में जा छिपा। भेड़िया इधर उधर फिरता रहा परन्तु कोई भेड़ उसके हाथ न लगी। उसने सोचा कि भेड़ें चली गई होंगी। निराश होकर वह वहाँ से लौट गया। जब गड़रिया खोह में से निकला तो अँधेरा हो गया था। विवश होकर रात्रि को वहीं रहने का विचार किया। वह जानता था कि यदि आग जला ले तो जंगली पशु पास न आ सकेंगे। उसने ऐसा ही किया और निश्चिन्त होकर सो रहा। प्रातः उठ कर जब उसने राख कुरेदी तो चाँदी की एक डली मिली। उसे लेकर प्रसन्न होता हुआ घर लौटा।

۱—ایک دن ایک گڑریا جنگل میں بھیڑیں چرا رہا تھا ـ ایک بھیڑئے کو دیکھہ کر اپنے ریوڑ کے ساتھہ وہ ایک گپھا میں جا چھپا ـ

بھیڑیا اِدھر اُدھر پھرتا رہا لیکن کوئی بھیڑ اُس کے ھاتھہ نہ لگی — اُس نے سوچا کہ بھیڑیں چلی گئی ھونگی — نا اُمید ھوکر وہ وھاں سے لوٹ گیا — جب گڑیریا گپھا میں سے نکلا تو اندھیرا ھو گیا تھا — لاچار ھوکر رات کو وھیں رھنے کا خیال کیا — وہ جانتا تھا کہ اگر آگ جلالے تو جنگلی جانور پاس نہ آسکینگے — اُس نے ایساھی کیا اور بے فکری سے سو رھا — سویرے اُٹھہ کر جب اُس نے راکھہ کریدی تو چاندی کی ایک ڈلی ملی — اُسے لے کر خوش ھوتا ھوا وہ گھر لوٹا —

EXERCISE 28

STUDY :—

1. Once upon a time there was a man.

एक बार की बात है कि एक आदमी था।

ایک بار کی بات ھے کہ ایک آدمی تھا —

2. The does not become you.

यह बात आपको शोभा नहीं देती।

یہہ بات آپ کے لئے موزوں نہیں ھے —

(ORAL WORK)

1. एक बार की बात है कि इस नगर में एक भेड़िया आ गया। 2. तुम्हारी माता को यह शोभा नहीं देती।

۱—ایک بار کی بات ھے کہ اِس شہر میں ایک بھیڑیا آ گیا —

۲—تمہاری والدہ کو یہہ بات موزوں نہیں ھے —

(WRITTEN WORK)

1. एक बार की बात है कि एक सिंह वृक्ष की छाया में सो रहा था एक चूहा फुदकता २ उसकी पीठ पर जा बैठा। सिंह चूहे की इस उद्दंडता पर बहुत झल्लाया। जब चूहे ने

देखा कि उसके पंजे से छूटना कठिन है तो विनीत भाव से प्रार्थना करने लगा। उसने कहा कि मैं ऐसा क्षुद्र जीव हूँ कि आपका एक ग्रास भी नहीं बन सकता। मेरे ऊपर हाथ साफ़ करना आपको शोभा नहीं देता। सिंह ने उसे तुच्छ समझ कर छोड़ दिया। कुछ समय पश्चात् किसी शिकारी ने सिंहको जाल में पकड़ लिया। संयोगवश वही चूहा आ निकला और फुर्ती से अपने छोटे छोटे दांतों से जाल कुतरने लगा। थोड़ी ही देर में सिंह इस महान आपत्ति से छुटकारा पा गया। संसार में किसी वस्तु को तुच्छ न समझना चाहिये।

ایک دفعہ کا ذکر ھے کہ ایک شیر پیڑ کے سایہ میں سو رھا تھا - ایک چوھا پھدکتا پھدکتا اُس کی پیٹھہ پر جا بیٹھا - شیر چوھے کی اِس گستاخی پر بہت جھلایا - جب چوھے نے دیکھا کہ اُس کے پنجے سے چھوٹنا مشکل ھے تو اُس نے کہا کہ میں ایسا ناچیز جانور ھوں کہ آپ کا ایک لقمہ بھی نہیں بن سکتا - میرے اوپر ھاتھہ صاف کرنا آپ کو مناسب نہیں ھے - شیر نے اسے ناچیز سمجھہ کر چھوڑ دیا - کچھہ دن کے بعد کسی شکاری نے شیر کو جال میں پکڑ لیا - وھی چوھا آنکلا اور پھرتی سے اپنے چھوٹے چھوٹے دانتوں سے جال کترنے لگا - تھوڑی ھی دیر میں شیر اِس بڑی آفت سے چھٹکارا پا گیا - دنیا میں کسی چیز کو حقیر نہ سمجھنا چاھئے -

---

EXERCISE 29

STUDY :—

1. She caught sight of the thief.

उसकी दृष्टि चोर पर पड़ी। — اُس کی نظر چور پر پڑی -

خبرگیری کرنے کے لئے میرے سوائے اور کوئی نہیں ہے ۔ میری
خواہش ہے کہ آپ میرے بھائی شکور کو جو آپ کے اسکول
کے دسویں کلاس میں پڑھتا ہے آج کی چھٹی دینے کی
مہربانی کریں ۔

آپ کا
رحمان

EXERCISE 48

Study :—

1. **Send me the book by return of mail.**
   लौटती डाक से पुस्तक भेज दीजिये।
   لوٹتی ڈاک سے کتاب بھیج دیجئے ۔
2. **Come to me per address noted at the top.**
   ऊपर लिखे पते से मेरे पास आ जाना।
   اوپر لکھے پتہ سے میرے پاس آ جانا ۔

(Oral Work)

1. लौटती डाक से इस पत्र का उत्तर भेजना। 2. सब वस्तुएँ ऊपर लिखे पते से भेज देना।

۱—لوٹتی ڈاک سے اِس خط کا جواب بھیجنا ۔ ۲—سب چیزیں اوپر لکھے پتے سے بھیجدینا ۔

(Written Work)

हिन्दू-बोर्डिंग हाऊस, प्रयाग
4-12-1932.

श्री नन्दकिशोर ब्रादर्स
चौक बनारस

महाशय गण,

कृपया नीचे लिखी हुई पुस्तकें वी. पी. द्वारा लौटती डाक से ऊपर वाले पते पर भेज दीजिये:—

हिन्दी कैमिस्ट्री	१ प्रति
इंगलैंड का इतिहास	२ ,,
नवीन एलजबरा	१ ,,
मैन्युअल आफ़ ट्रांसलेशन	१ ,,

आपका विश्वासी
देवदत्त शर्मा

هندو بورڈنگ هاؤس - الهآباد
4-12-1932.

نند کشور برادرس
چوک بنارس

جناب عالی
برائے مہربانی مندرجه ذیل کتابیں بذریعه وی - پی لوٹتی ڈاک سے اوپر والے پته پر روانه کر دیجئیگا -

هندی کمیسٹری	ا فی
تواریخ انگلینڈ	۲ فی
نیا الجبرا	ا فی
مینول آف ٹرانسلیشن	ا فی

آپکا خیرخواہ
دیودت شرما

Conversational Paragraphs

EXERCISE 49

STUDY :—

1. That miller is hard pressed these days.
आजकल उस पिसनहारे का हाथ तंग है।
آج کل اُس پسنہارے کا ہاتھ تنگ ہے -

2. She was given one meal a day.
उसे दिन में एक बार भोजन मिलता था।
اُسے دن میں ایک بار کھانا ملتا تھا -

3. I don't want to part with this horse.
मैं इस घोड़े को नहीं निकालना (अलग करना) चाहता हूँ।
میں اِس گھوڑے کو نہیں نکالنا (الگ کرنا) چاہتا ہوں -

4. I can't help it.
यह मेरे बस का नहीं है।
یہہ میرے بس کا نہیں -

5. She has better go now.
अच्छा तो यह है कि वह अब यहाँ से चली जाय।
بہتر تو یہہ ھے کہ اب وہ یہاں سے چلی جائے -

6. She can't keep pace by the side of me.
वह मेरे बराबर नहीं चल सकती।
وہ میرے برابر نہیں چل سکتی -

(Oral Work)

1. उनका हाथ क्यों तंग है ? 2. क्या तुमको दिन में बस एक बार भोजन मिलता है ? 3. वह मुझे अलग करने को तैयार है। 4. यह उसके बस की नहीं है। 5. अच्छी बात तो यह है कि तुम सो जाओ। 6. क्या तुम उसके बराबर चल सकते हो ?

۱ — اُن کا ھاتھہ کیوں تنگ ھے ؟ ۲—کیا تم کو دن میں بس ایک بار کھانا ملتا ھے ؟ ۳— وہ مجھے الگ کرنے کو تیار ھے - ۴—یہہ اُس کے بس کی نہیں -۵ — اچھی بات تو یہہ ھے کہ تم سو جاؤ ؟ ۶— کیا تم اسکے برابر چل سکتے ھو ؟

(WRITTEN WORK)

पिसनहार—पत्नी जी क्या करें ! आजकल तो हमारा हाथ बहुत ही तंग है। खाना बहुत मँहगा है। हम सबको ही दिन में एक बार खाना मिलता है। मैं चाहता हूँ कि तुम मुझ से कह दो कि गदहे को बेच डालो।

स्त्री—गदहे को अलग करने में मुझे दुख तो बहुत होता है; परन्तु यदि तुम्हारे बस की ही नहीं है तो फिर उसे निकालना पड़ेगा ही।

पिसनहार—तो फिर अभी उसे शहर को ले जाता हूँ जहाँ आज मेला होने वाला है।

स्त्री—ठीक है। परन्तु आप अकेले गदहे को हांक न ले जा सकेंगे इसलिये लड़के को साथ ले जाइये जिससे कि ऐसा करने में आपकी सहायता कर सके।

पिसनहार—हाँ, उसे मेरे साथ भेज दो।

पिता और पुत्र बहुत दूर नहीं जा पाये थे कि एक पेड़ के नीचे आदमियोंका का एक झुंड मिला जिनमें से एक ने कहा तनिक उधर देखना। कभी ऐसे मूर्ख भी देखे जो गदहा साथ होते हुए भी पाँव घसीटते जाते हैं ?

पुत्र—पिताजी सुना ! अब हमको क्या करना चाहिये ?

पिसनहार—अच्छा तो यह है कि तुम गदहे पर सवार हो जाओ और मैं उसके साथ साथ चलूँ।

पुत्र—अच्छा, पिताजी जैसा आप कहते हैं वैसा ही करता हूँ।

थोड़ी ही देर में उनको कुछ बुड्ढे आदमी मिले। उनमें से एक ने कहा कि देखो लड़का कैसा आलसी है आप चढ़ा हुआ है और वृद्ध को पैदल चलना पड़ता है।

पिता—पुत्र, यह भी सुना ?

पुत्र—पिताजी, मेरे विचार से तो वे ठीक ही कहते हैं। निस्सन्देह यह बुरी बात है कि मैं सवार हूँ और आप पैदल चलें—आइये आप सवार हों और मैं पैदल चलता हूँ।

पिसनहार—अच्छा जैसी तुम्हारी इच्छा।

इस प्रकार वह थोड़ी ही दूर गये थे कि कुछ स्त्रियों ने कहा ओ बूढ़े तुझे लज्जा नहीं लगती कि आप चढ़ा जा रहा है और विचारा छोटा छोकरा जो तेरे बराबर चल भी नहीं सकता वह पैर घसीटता है। इस पर पिसनहार ने अपने बेटे को भी अपने बराबर गदहे पर बिठा लिया। शहर में पहुँच कर उन्होंने लोगों की इच्छानुसार गदहे को सिर पर रख कर ढोया। बिचारा इस प्रकार ले जाते समय पुल पर से नदी में गिर गया और मर गया। पिसनहार जिसने सब को प्रसन्न करने का प्रयत्न किया था किसी को भी प्रसन्न न कर सका।

پسنہار—بی بی کیا کریں آجکل تو ھمارا ھاتھہ بہت ھی تنگ ھے - کہانا بہت گراں ھے ھم سب کو ھی دن میں ایک بار کہانا ملتا ھے میں چاھتا ھوں کہ تم مجھہ سے کہدو کہ گدھے کو بیچ ڈالو -

عورت—گدھے کو الگ کرنے میں مجھے تکلیف تو بہت ھوتی ھے لیکن اگر تمہارے بس کی ھی نہیں ھے تو پھر اُسے نکالنا پڑیگا ھی -

پسنہار—تو پھر میں ابھی اُسے شہر لے جاتا ھوں جہاں آج میلہ ھونے والا ھے -

عورت—ٹھیک ھے مگر آپ اکیلے گدھے کو ھانک نہ لیجا سکینگے - اِس لئے لڑکے کو ساتھہ لے جائیں جس سے کہ ایسا کرنے میں آپ کی مدد کر سکے -

پسنہار—ھاں اُسے میرے ساتھہ بھیجدو -

باپ بیٹے بہت دور نہیں جا پائے تھے کہ ایک پیڑ کے نیچے کچھہ آدمیوں کا ایک جھنڈ ملا - جن میں سے ایک نے کہا ذرا ادھر دیکھنا کبھی ایسے بیوقوف بھی دیکھے ہیں جو گدھا ساتھہ ہوتے ہوئے بھی پاؤں گھسیٹتے جاتے ہیں -

بیٹا—والد صاحب سنا اب ہم کو کیا کرنا چاھئے -

پسنہار—اچھا تو یہہ ہے تم گدھے پر سوار ہو جاؤ اور میں اُسکے ساتھہ چلوں -

بیٹا—اچھا والد صاحب جیسا آپ کہتے ہیں ویسا ہی کرتا ہوں -

تھوڑی ہی دیر میں اُن کو کچھہ بڈھے آدمی ملے - اُن میں سے ایک نے کہا دیکھو لڑکا کیسا کاھل ہے کہ آپ چڑھا ہوا ہے اور باپ کو پیدل چلنا پڑتا ہے -

باپ—بیٹے یہہ بھی سنا -

بیٹا—والد صاحب میرے خیال سے تو وہ ٹھیک ہی کہتے ہیں - بے شک یہہ بری بات ہے کہ میں سوار ہوں اور آپ پیدل چلیں - آئیے آپ سوار ہوں اور میں پیدل چلتا ہوں -

پسنہار—اچھا جیسی تمھاری مرضی -

اس طرح وہ تھوڑی ہی دور گئے تھے کہ کچھہ عورتوں نے کہا او بوڑھے - تجھے شرم نہیں آتی کہ آپ چڑھا جا رہا ہے اور بیچارہ چھوٹا لڑکا جو تیری برابر چل بھی نہیں سکتا وہ پیر گھسیٹتا ہے - اس پر پسنہار نے اپنے بیٹے کو بھی اپنے برابر گدھے پر بٹھا لیا - شہر میں پہونچکر اُنہوں نے لوگوں کی خواھش کے مطابق گدھے کو سر پر رکھکر ڈھویا - بیچارا اس طرح لیجاتے وقت پل سے دریا میں گر پڑا اور مر گیا - پسنہار جس نے سب کو خوش کرنے کی کوشش کی تھی وہ کسی کو بھی خوش نہ کر سکا -

EXERCISE 50

STUDY :—

1. There is some one hour more to the starting of the train.

गाड़ी छूटने में अभी कोई घंटे भर की देर है।

گاڑی چھوٹنے میں ابھی کوئی گھنٹہ بھر کی دیر ہے -

2. She goes all alone.

वह अकेली ही जाया करती है।

وہ اکیلی ہی جایا کرتی ہے -

3. He could not contain himself.

वह खुशी के मारे फूला नहीं समाया।

وہ خوشی کے مارے پھولا نہیں سمایا -

4. He turned pale as death.

उसका मुँह फ़क़ पड़ गया। اُس کا منہہ فق پڑ گیا -

(ORAL WORK)

1. उसके आने में अभी कोई आध घंटे की देर है। 2. क्या तुम सदा अकेले ही आया करते हो? 3. वह हर्ष के मारे फूला नहीं समाता। 4. भय के मारे तुम्हारा मुँह फ़क़ हो गया।

۱—اسکے آنے میں ابھی کوئی آدھہ گھنٹے کی دیر ہے - ۲ - کیا تم ہمیشہ اکیلے ہی آیا کرتے ہو ؟ ۳— وہ خوشی کے مارے پھولا نہیں سمایا - ۴— ڈر کے مارے تمہارا منہہ فق ہو گیا -

(WRITTEN WORK)

सलीम—भाई मोहन अभी स्कूल क्यों नहीं गये? बताओ तो सही क्या आज जाने का विचार नहीं है?

मोहन—क्यों नहीं? जाऊँगा अवश्य। अभी तो घंटा बजने में कोई घंटे भर की देर है।

सलीम—जिन लड़कों के साथ तुम खेला करते थे क्या वे अब तुम्हारे साथ नहीं जाते ? नहीं तो क्या बात है कि प्रायः तुम अकेले ही जाया करते हो ?

मोहन—जी तो चाहता है कि सदा आपके साथ जाऊँ क्योंकि आपकी संगति में मुझे इतनी प्रसन्नता होती है कि हर्ष के मारे फूला नहीं समाता।

सलीम—यह नहीं हो सकता। हाँ, खेल के मैदान को साथ चलने को तैयार हूँ। गणित के अध्यापक का इतना भय है कि उसका तो नाम लेते ही मेरा मुँह फ़क़ हो जाता है। मैं स्कूल न जाऊँगा।

मोहन—अच्छा अब शाम को मिलूँगा। रमेश से कहना कि मेरी पुस्तक लौटा दे।

سلیم—بھائی موھن ابھی اسکول کیوں نھیں گئے بتاؤ کیا آج جانے کا اِرادہ نھیں ھے -

موھن—کیوں نھیں - جاؤنگا ضرور - ابھی تو گھنٹہ بجنے میں کوئی گھنٹہ بھر کی دیر ھے -

سلیم—جن لڑکوں کے ساتھہ تم کھیلا کرتے ھو کیا وہ اب تمھارے ساتھہ نھیں جاتے - نھیں تو کیا بات ھے کہ اکثر تم اکیلے ھی جایا کرتے ھو ؟

موھن—طبیعت تو یھی چاھتی ھے کہ ھمیشہ آپ کے ساتھہ جاؤں کیونکہ آپکی صحبت میں مجھے اتنی خوشی ھوتی ھے کہ خوشی کے مارے پھولا نھیں سماتا -

سلیم—یہہ نھیں ھو سکتا - ھاں کھیل کے میدان کو ساتھہ چلنے کے لئے تیار ھوں - حساب ماسٹر کا اِتنا ڈر ھے کہ اسکا تو نام لیتے ھی میرا منھہ فق ھو جاتا ھے - میں اِسکول نہ جاؤنگا ؟

موہن—اچھا اب شام کو ملوں گا - مہیش سے کہنا کہ میری
کتاب لوٹا دے -

EXERCISE 51

STUDY :—

1. The teacher was calling the roll.

अध्यापक हाज़िरी ले रहा था । معلم حاضري لے رہا تھا -

2. It is very hot to-day.

आज बहुत गर्मी है । آج بہت گرمی ہے -

3. He reached me in haste.

वह दौड़ता भागता मेरे पास पहुँचा ।

وہ دوڑتا بھاگتا میرے پاس پہونچا -

4. She improved by leaps and bounds.

उसने दिन-दूनी रात-चौगुनी उन्नति की ।

اُس نے دن دونی رات چوگنی ترقی -

(ORAL WORK)

1. आज हाज़िरी कौन लेगा ? 2. कल इतनी सर्दी न थी । 3. तुम दौड़ते भागते मेरे पास न आया करो । 4. पौदा दिन दूना रात चौगुना बढ़ा ।

۱— آج حاضری کون لیگا ؟ ۲—کل اُتنی سردی نہ تھی -
۳—تم دوڑتے بھاگتے میرے پاس نہ آیا کرو - ۴— پودا دن دونا
رات چوگنا بڑھا -

(WRITTEN WORK)

अध्यापक—लड़के आज हाज़िरी लेने के पश्चात् तुमको कुछ शिक्षाएँ देनी हैं । चले न जाना ।

विद्यार्थी—कृपया यह बता दीजिये कि आपकी शिक्षाएँ किस

विषय में होंगी ? मुझे कुछ कठिनाइयाँ आयी हैं उनको आपके सामने रखना चाहता हूँ।

अध्यापक—हाँ ठीक है। जब मैं अपनी बात समाप्त कर लूँ तब तुम प्रसन्नता से जो चाहो पूछ लेना। अच्छा, सुनो। मैंने देखा है कि उस समय जब कि गर्म हवाएँ चलती रहती हैं और गर्मी बहुत पड़ती है लड़के प्रायः नङ्गे सिर धूप में फिरते हैं। इसका परिणाम यह होता है कि बीमार पड़ जाते हैं। याद रक्खो कि बीमार पड़ना पाप है।

विद्यार्थी—मुझे भी एक घटना की याद आती है कि एक बार मेरा साथी लू लगने से मर गया था। तो फिर यह भी बताइये कि लू लगने से कैसे बचा जाए।

अध्यापक—बचने के उपाय फिर बताऊँगा अब तो तुम जो कुछ मैं कहना चाहता हूँ उसे सुन लो। लड़कों में एक और बुरी बान होती है। वह यह कि पहले तो समय को नष्ट करते रहते हैं जब ठीक स्कूल का समय हो जाता है तो भागते दौड़ते स्कूल पहुँचते हैं। ऐसा करने से न तो वे स्कूल का काम ही पूरा कर सकते हैं और न घर का। यदि चाहते हो कि तुम दिन दूनी रात चौगुनी उन्नति करो तो मेरी बातों पर चलना सीखो।

विद्यार्थी—जो आज्ञा है उसका पालन करूँगा आप जो कुछ बात कहा करते हैं बड़ी उपयोगी होती है।

ماسٹر—آج حاضری لینے کے بعد تم کو کچھ نصیحت کرنی ھے چلے نہ جانا-

طالب‌علم — برائے مہربانی یہہ بتا دیجئے کہ آپکی نصیحت کس بارے میں ھوگی -؟ مجھے کچھ مشکلات پیش آئی ھیں اُن کو آپ کے سامنے رکھنا چاھتا ھوں -

ماسٹر— ھاں ٹھیک ھے - جب میں اپنی بات ختم کرلوں تب تم خوشی سے جو چاھو پوچھہ لینا - اچھا سنو - میں

نے دیکھا ھے کہ اُس وقت جب کہ گرم ھوائیں چلتی رھتی ھیں
اور گرمی بہت پڑتی ھے لڑکے اکثر ننگے سر دھوپ میں پھرتے ھیں —
اِس کا نتیجہ یہہ ھوتا ھے کہ وے بیمار پڑ جاتے ھیں — یاد رکھو کہ
بیمار پڑنا گناہ ھے —

طالب علم—مجھے بھی ایک واقع کی یاد آئی ھے کہ ایک بار
میرا ساتھی صدمہ آفتاب سے مر گیا تھا — تو پھر یہہ بھی بتائیے کہ
صدمہ آفتاب سے کیسے بچا جائے —

ماسٹر—بچنے کی ترکیب پھر بتاؤنگا اب تو جو کچھہ میں کہنا
چاھتا ھوں اُسے سن لو — لوگوں میں ایک اور بری بان ھوتی ھے —
وہ یہہ کہ پہلے تو وقت کو برباد کرتے رھتے ھیں اور جب ٹھیک اِسکول کا
وقت ھو جاتا ھے تو بھاگتے دوڑتے اسکول پہونچتے ھیں نہ اِسکول کا ھی
کام پورا کر سکتے اور نہ گھر کا — اگر چاھتے ھو کہ تم دن دونی رات
چوگنی ترقی کرو تو میری باتوں پر چلنا سیکھو —

طالب علم—جو حکم ھے اُس کو پورا کرونگا — آپ جو کچھہ
بات کہا کرتے ھیں بڑی مفید ھوتی ھے —

EXERCISE 52

Study :—

1. **What brings you here ?**

कैसे आये ।

کیسے آئے ؟

2. **My father passed away.**

मेरे पिता का स्वर्गवास हो गया ।

میرے والد کا انتقال ھو گیا —

3. **He wastes his time for nothing.**

वह मुफ्त में समय नष्ट करता है ।

وہ مفت میں وقت برباد کرتا ھے —

4. **He is over head and ears in work.**

उसे दम लेने की फ़ुर्सत नहीं। — اُسے دم لینے کی فرصت نہیں -

5. **She did it in the twinking of an eye.**

पलक मारने भर में उसने यह कर डाला।

پلک مارنے بھر میں اُس نے یہ کر ڈالا -

(Oral Work)

۱—وہ کیسے آیا ھے ؟ ۲—کیا تمہاری والدہ کا انتقال ھو چکا ھے ؟ ۳—یہاں مفت میں کیوں پڑے ھو ؟ ۴—تم کو تو کبھی دم لینے کی فرصت نہیں ھوتی - ۵—تم لمحہ بھر میں لوت آؤگے -

(Written Work)

1. वह कैसे आया है ? 2. क्या तुम्हारी माता का स्वर्गवास हो चुका है ? 3. यहाँ मुफ्त में क्यों पड़े हो ? 4. तुमको तो कभी दम लेने की फ़ुर्सत नहीं होती। 5. तुम पलक भर में लौट आओगे।

रोगी—नमस्कार, डाक्टर साहब।

डाक्टर—नमस्कार, कैसे आना हुआ ?

रोगी—श्रीमन्, एक मास से बीमार हूँ—खाँसी है और हल्का हल्का ज्वर रहता है। क़ब्ज़ से तो पीछा छुड़ा ही नहीं पाया।

डाक्टर—यह शिकायत पहले भी कभी कभी हुई थी या अब पहिली ही बार हुई।

रोगी—यह शिकायत मेरी नयी नहीं है बहुत पुरानी बीमारी है। मेरे पिताजी का स्वर्गवास १९२६ में हुआ था तब से बराबर मैं बीमार सा ही हूँ।

डाक्टर—आप क्या काम करते हैं और पिता की मृत्यु से इस बीमारी का क्या सम्बन्ध है ?

रोगी—मैं सरकारी दफ़्तर में एक क्लार्क हूँ। पिता मेरे बड़े मुक़दमेबाज थे। उनकी मुक़दमेबाजी में भी अपना समय मुफ़्त में नष्ट किया करता था। आदतें ऐसी बुरी पड़ गईं कि स्वास्थ्य के नियमों का कभी पालन ही न किया।

डाक्टर—कितने वर्षों से उस दफ़्तर में काम कर रहे हो?

रोगी—लगभग सात वर्ष से।

डाक्टर—आपकी आयु कितनी है? क्या वेतन मिलता है?

रोगी—लगभग पैंतीस वर्ष—पचास रुपये मासिक पाता हूँ।

डाक्टर—विवाह हुए कितना समय बीता? क्या कोई सन्तान है?

रोगी—मेरा विवाह हुए ८ वर्ष हो चुके। मेरे एक लड़का और दो लड़कियाँ हैं। काम इतना रहता है कि दम लेने की फ़ुर्सत नहीं। बीमारी ने इतना दुर्बल कर डाला कि जो काम पहले पलक भर में कर लेता था उसे अब घंटों में भी नहीं कर पाता।

डाक्टर—अच्छा, मैं एक नुसख़ा देता हूँ—सब औषधियाँ बाज़ार से ले आना। एक सप्ताह औषधि प्रयोग करके मुझसे मिलना। तुम्हारा रोग कठिन हो गया है।

مریض—آداب عرض ڈاکٹر صاحب -

ڈاکٹر—آداب عرض کیسے آنا ہوا -

مریض—جنابعالی ایک ماہ سے بیمار ہوں - کھانسی ہے اور ھلکا ھلکا بخار رھتا ہے - قبض سے تو پیچھا چھڑا ھی نہیں پایا -

ڈاکٹر—یہہ شکایت پہلے بھی کبھی ھوئی تھی یا اب پہلی ھی بار ھوئی ہے -

مریض—یہہ شکایت میری نئی نہیں ہے بہت پرانی بیماری ہے - میرے والد صاحب کا انتقال سنہ ۱۹۲۶ ع میں ھوا تھا تب سے برابر میں بیمار ساھی ھوں -

ڈاکٹر—آپ کیا کام کرتے ہیں اور والد کی موت سے اِس بیماری کا کیا تعلق ہے ؟

مریض—میں سرکاری دفتر میں ایک کلرک ہوں – والد صاحب بڑے مقدمہ باز تھے – اُن کی مقدمہ بازی میں میں اپنا وقت مفت میں برباد کیا کرتا تھا – عادتیں ایسی بری پڑگئیں کہ اصول صحت کا کبھی خیال نہیں کیا –

ڈاکٹر—کتنے برسوں سے دفتر میں کام کر رہے ہو –

مریض—تقریباً سات سال سے –

ڈاکٹر—آپکی عمر کتنی ہے ؟ کیا تنخواہ ملتی ہے ؟

مریض—تقریباً پینتیس سال – پچاس روپیہ ماہوار پاتا ہوں –

ڈاکٹر—شادی ہوئے کتنا وقت گذر گیا کوئی اولاد ہے ؟

مریض—میری شادی ہوئے آٹھ سال گذر گئے – میرے ایک لڑکا اور دو لڑکیاں ہیں – کام اتنا رہتا ہے کہ دم لینے کی فرصت نہیں – بیماری نے اتنا کمزور کر ڈالا کہ جو کام پہلے لمحہ بھر میں کر لیتا تھا اُسے اب گھنٹوں میں بھی نہیں کر پاتا –

ڈاکٹر—اچھا میں ایک نسخہ دیتا ہوں – سب ادویات بازار سے لے آنا – ایک ہفتہ ادویات اِستعمال کرکے مجھ سے ملنا – تمھارا مرض سنگین ہو گیا ہے –

Business Paragraphs.

EXERCISE 53

STUDY :—

1. She fell into pecuniary difficulties.

वह आर्थिक कठिनाइयों में फँस गयी ।

وہ روپیہ کی مشکلات میں مبتلا ہو گئی –

2. Will you be so good as to take me with you ?

क्या आप इतनी कृपा करेंगे कि मुझे साथ लेलें ?

کیا آپ اتنی مہربانی کریں گے کہ مجھے ساتھہ لے لیں -

3. This has put me to a great inconvenience.

इसके कारण मुझे बड़ा कष्ट हुआ है।

اِس کی وجہہ سے مجھے بڑی پریشانی ہوئی ھے -

(ORAL WORK)

1. वह आर्थिक कठिनाइयों में क्यों फँस गया है ? 2. उसने इतनी कृपा की कि मुझे सौ रुपये उधार दिये। 3. इसके कारण मुझे कष्ट न होगा।

١—وہ مالی مشکلات میں کیوں مبتلا ہو گیا ھے ؟ ٢—اُس نے اِتنی مہربانی کی کہ مجھے سو روپیہ قرض دیئے - ٣—اُس کے سبب سے مجھے کچھہ تکلیف نہ ہوئی -

(WRITTEN WORK)

मुझे बड़े दुःख के साथ कहना पड़ता है कि कुछ दिनों से घर में बीमारी होने के कारण मैं आर्थिक कठिनाइयों में फँस गया हूँ। कठिनाई ऐसी भारी है कि मैं आप से प्रार्थना करने पर विवश हुआ हूँ। आप कह सकते हैं कि भाई आवश्यकता के अवसर के लिए पहले से बचाकर क्यों नहीं रखा। परन्तु विश्वास कीजिये कि इस बीमारी में मुझे इतना व्यय करना पड़ा है कि जो कुछ मेरे पास था वह सब निबट गया। क्या आप मेरे इस घड़ी के समय में ३०० रुपये उधार देकर सहायता करने की कृपा करेंगे ? यदि पहले नहीं तो चार महीने के समय में सब रुपया लौटाने के लिए जो कुछ हो सकेगा करूँगा। मुझे आशा है कि मेरी इस प्रार्थना के कारण आपको कोई कष्ट नहीं होगा।

مجھے بڑے افسوس کے ساتھ کہنا پڑتا ہے کہ کچھ دنوں سے گھر میں بیماری ہونے کے سبب سے میں مالی مشکلات میں مبتلا ہو گیا ہوں - مشکل ایسی زبردست ہے کہ میں آپ سے التجا کرنے کے لئے مجبور ہوا ہوں - آپ کہہ سکتے ہیں کہ بھائی ضرورت کے موقع کے لئے تم نے پہلے سے بچا کر کیوں نہیں رکھا لیکن یقین کیجئے کہ اس بیماری میں مجھے اتنا خرچ کرنا پڑا ہے کہ جو کچھ میرے پاس تھا وہ سب ختم ہو گیا - کیا آپ میرے اِس ضرورت کے وقت میں ۳۰۰ روپیہ قرض دیکر مدد کرنیکی مہربانی کریں گے - اگر پہلے نہیں چار مہینہ کے عرصہ میں سب روپیہ واپس کرنے کے لئے جو کچھ ہو سکے گا کرونگا - مجھے اُمید ہے کہ میری اس التجا کی وجہہ سے آپ کو کوئی دقت نہ ہوگی -

---

EXERCISE 54

STUDY :—

1. He has furnished the account amounting to Rs. 500 to me.

उसने मेरे पास जो हिसाब ५०० रु० तक पहुँचता है भेज दिया है ।

اُس نے میرے پاس جو حساب ٥٠٠ روپیہ تک پہنچتا ہے بھیج دیا ہے -

2. I count it a great favour.

मैं तो इसे बड़ा अनुग्रह समझता हूँ ।

میں تو اُسے بڑی مہربانی سمجھتا ہوں -

(ORAL WORK)

1. जल्दी ही हिसाब जो ३०० रु० तक पहुँचता है उनके पास भेजो । 2. यदि मैं चिट्ठी भेज दूँ तो वह इसे बड़ा अनुग्रह समझेगा ।

۱—جلدی ہی حساب جو ۳۰۰ روپیہ تک پہنچتا ہے اُن کے پاس بھیجو – ۲—اگر میں خط بھیج دوں تو وہ اِسے بڑی مہربانی سمجھیگا –

(WRITTEN WORK)

मैं इस पत्र द्वारा आपको याद दिलाना चाहता हूँ कि मैंने अपना हिसाब जो ४०० रु० तक पहुँचता है आपके पास बहुत दिन हुए भेज दिया परन्तु आपने अभी तक इसको साफ़ नहीं किया। मुझे खेद है कि बार बार आपको याद दिलानी पड़ती है। यदि अगले सप्ताह मुझे व्यापार सम्बन्धी काम के लिए बहुत रुपये की आवश्यकता न होती तो अभी और रुक जाता। इसलिये मैं बड़ा अनुग्रह समझूँगा यदि सारा रुपया आप मुझे इन थोड़े से दिनों में दे दें।

میں اِس خط کے ذریعہ آپ کو یاد دلانا چاھتا ہوں کہ میں نے اپنا حساب جو چار سو تک پہونچتا ہے آپ کے پاس بہت دن ہو گئے بھیجدیا – مگر آپ نے ابھی تک اُس کو صاف نہیں کیا – مجھے افسوس ہے کہ بار بار آپ کو یاد دلانی پڑتی ہے – اگر اگلے ہفتہ مجھے تجارتی کاروبار کے لئے بہت روپیہ کی ضرورت نہ ہوتی تو ابھی اور رک جاتا – اِس لئے میں بڑی مہربانی سمجھوں گا اگر سارا روپیہ آپ مجھے اِن چند دنوں میں دیدیں –

EXERCISE 55

STUDY :—

1. She sent me a letter on the 10th ultimo.

उसने गत मास की १० तारीख को मुझे पत्र भेजा था।

اُس نے گذشتہ ماہ کی ۱۰ تاریخ کو مجھے ایک خط بھیجا تھا –

2. There has been ample time to have come.

काफ़ी समय हो चुका है जिसमें वे आ जाते।

کافی وقت ہو چکا ہے جس میں وے آ جاتے -

3. The book is not yet to hard.

पुस्तक अभी तक नहीं मिली। کتاب ابھی تک نہیں ملی -

4. Your order has not been attended to.

तुम्हारे आर्डर पर ध्यान नहीं दिया गया है।

تمہارے آرڈر پر خیال نہیں کیا گیا ہے -

(Oral Work)

1. पिछले मास की ५ तारीख़ को वह यहीं था। 2. काफ़ी समय हो चुका है कि जिसमें माल आ जाता। 3. पत्र उनको अभी तक नहीं मिला। 4. उन्होंने तुम्हारे आर्डर पर ध्यान नहीं दिया।

۱—گذشتہ مہینہ کی پانچ تاریخ کو وہ یہیں تھا - ۲—کافی وقت ہو چکا ہے کہ جس میں مال آ جاتا - ۳—خط اُن کو ابھی تک نہیں ملا - ۴—اُنہوں نے تمہارے آڈر پر دھیان نہیں دیا -

(Written Work)

गत मास की २० ता० को मेरे पिताजी ने माल का आर्डर दिया था। यद्यपि तब से काफ़ी समय हो चुका है जिसमें माल यहाँ आ जाता। समझ में नहीं आता कि देरी का क्या कारण है। सोचिये तो हम जैसे व्यापारी के लिए ग्राहकों को निराश करना कैसी बुरी बात है। लौटती डाक से लिखिये कि हमारे आर्डर पर अभी तक क्यों ध्यान नहीं दिया गया।

ماہ گذشتہ کی بیس تاریخ کو میرے والد صاحب نے مال کا آرڈر دیا تھا - اگرچہ تب سے کافی عرصہ ہو گیا ہے

جس میں مال یہاں آ جاتا پھر بھی مال ابھی تک نہیں ملا – سمجھ میں نہیں آتا کہ دیری کی کیا وجہ ہے – سوچیئے تو کہ ہم جیسے تاجر کے لئے گاہکوں کا ناامید کرنا کیسی بڑی بات ہے – لوٹتی ڈاک سے لکھئے کہ ہمارے آرڈر پر ابھی تک کیوں دھیان نہیں دیا گیا –

EXERCISE 56

STUDY :—

1. The delay has been owing to me.

देर मेरे कारण हुई है ।

دیر میری وجہ سے ہوئی ہے –

2. I am overwhelmed with business.

मेरे ऊपर काम की भरमार है ।

میرے اوپر کام کی بھرمار ہے –

3. You are waiting your turn.

तुम अपने नम्बर की प्रतीक्षा कर रहे हो ।

تم اپنے نمبر کا اِنتظار کر رہے ہو –

4. Tell me how the delay arose.

मुझे बताओ देर कैसे हुई ।

مجھے بتاؤ دیر کیسے ہوئی –

(ORAL WORK)

1. क्या देरी उसके कारण हुई है ? 2. सब कारीगरों के यहाँ काम की भरमार है । 3. अपने नम्बर का इन्तज़ार करो । 4. मैं बताऊँगा कि देर कैसे हो गई ।

۱—کیا دیری اُن کی وجہ سے ہوئی ہے ؟ ۲—سب کاریگروں کے یہاں کام کی بھرمار ہے – ۳—اپنے نمبر کا اِنتظار کرو – ۴—میں بتا دونگا دیر کیسے ہوگئی –

(WRITTEN WORK)

माल भेजने की देरी की जो शिकायत आपने की है वह ठीक है परन्तु हम यह निवेदन करना चाहते हैं कि देर किसी

2. There has been ample time to have come.
काफ़ी समय हो चुका है जिसमें वे आ जाते।
کافی وقت ہو چکا ہے جس میں وے آ جاتے -

3. The book is not yet to hard.
पुस्तक अभी तक नहीं मिली। کتاب ابھی تک نہیں ملی -

4. Your order has not been attended to.
तुम्हारे आर्डर पर ध्यान नहीं दिया गया है।
تمہارے آرڈر پر خیال نہیں کیا گیا ہے -

(ORAL WORK)

1. पिछले मास की ५ तारीख को वह यहीं था। 2. काफ़ी समय हो चुका है कि जिसमें माल आ जाता। 3. पत्र उनको अभी तक नहीं मिला। 4. उन्होंने तुम्हारे आर्डर पर ध्यान नहीं दिया।

۱—گذشتہ مہینہ کی پانچ تاریخ کو وہ یہیں تھا - ۲—کافی وقت ہو چکا ہے کہ جس میں مال آ جاتا - ۳—خط اُن کو ابھی تک نہیں ملا - ۴—اُنہوں نے تمہارے آڈر پر دھیان نہیں دیا -

(WRITTEN WORK)

गत मास की २० ता० को मेरे पिताजी ने माल का आर्डर दिया था। यद्यपि तब से काफ़ी समय हो चुका है जिसमें माल यहाँ आ जाता। समझ में नहीं आता कि देरी का क्या कारण है। सोचिये तो हम जैसे व्यापारी के लिए ग्राहकों को निराश करना कैसी बुरी बात है। लौटती डाक से लिखिये कि हमारे आर्डर पर अभी तक क्यों ध्यान नहीं दिया गया।

ماہ گذشتہ کی بیس تاریخ کو میرے والد صاحب نے مال کا اُرڈر دیا تھا - اگرچہ تب سے کافی عرصہ ہو گیا ہے

جس میں مال یہاں آ جاتا پھر بھی مال ابھی تک نہیں ملا —
سمجھ میں نہیں آتا کہ دیری کی کیا وجہہ ھے — سوچیئے تو کہ ھم
جیسے تاجر کے لئے گاھکوں کا ناامید کرنا کیسی بڑی بات ھے — لوٹتی
ڈاک سے لکھیئے کہ ھمارے آرڈر پر ابھی تک کیوں دھیان نہیں دیا گیا —

EXERCISE 56

STUDY :—

1. The delay has been owing to me.

देर मेरे कारण हुई है। — دیر میری وجہہ سے ھوئی ھے —

2. I am overwhelmed with business.

मेरे ऊपर काम की भरमार है। — میرے اوپر کام کی بھرمار ھے —

3. You are waiting your turn.

तुम अपने नम्बर की प्रतीक्षा कर रहे हो।

تم اپنے نمبر کا اِنتظار کر رھے ھو —

4. Tell me how the delay arose.

मुझे बताओ देर कैसे हुई। — مجھے بتاؤ دیر کیسے ھوئی —

(ORAL WORK)

1. क्या देरी उसके कारण हुई है ? 2. सब कारीगरों के यहाँ काम की भरमार है। 3. अपने नम्बर का इन्तज़ार करो। 4. मैं बताऊँगा कि देर कैसे हो गई।

۱—کیا دیری اُن کی وجہہ سے ھوئی ھے ؟ ۲—سب کاریگروں کے یہاں کام کی بھرمار ھے — ۳—اپنے نمبر کا اِنتظار کرو — ۴—میں بتا دونگا دیر کیسے ھوگئی —

(WRITTEN WORK)

माल भेजने की देरी की जो शिकायत आपने की है वह ठीक है परन्तु हम यह निवेदन करना चाहते हैं कि देर किसी

तरह भी हमारे कारण नहीं हुई। मुख्य बात यह है कि कारीगरों के पास काम की इतनी अधिकता है कि हमको अपने नम्बर का इन्तजार करना पड़ता है। फिर भी हमको ऐसी आशा है कि आपका माल बहुत जल्दी हमारे पास आ जाएगा और हम तुरन्त ही उसे आपके पास रवाना कर देंगे। इस बात के लिए आप से क्षमा माँगते हैं कि देर कैसी हुई यह बात हम आपको न लिख सके।

مال بھیجنے کی دیری کی جو شکایت آپ نے کی ہے وہ ٹھیک ہے - لیکن ہم یہہ عرض کرنا چاہتے ہیں کہ دیر کسی طرح بھی ہماری وجہہ سے نہیں ہوئی - خاص بات یہہ ہے کاریگروں کے پاس کام کی اتنی زیادتی ہے کہ ہم کو اپنے نمبر کا اِنتظار کرنا پڑتا ہے پھر بھی ہم کو ایسی اُمید ہے کہ آپ کا مال بہت جلدی ہمارے پاس آجائے گا اور ہم فوراً ہی اُسے آپ کے پاس روانہ کر دیں گے - اِس بات کے لئے آپ سے معافی مانگتے ہیں کہ دیر کیسے ہوئی یہہ بات ہم آپ کو نہ لکھہ سکے -

---

Reflective Paragraphs.

EXERCISE 57

STUDY :—

1. Her pleasure knew no bounds.

उसकी प्रसन्नता की सीमा न रही।

اُس کی خوشی کی حد نہ رہی -

2. I cannot repay your debts.

मैं तुम्हारे ऋण का बदला नहीं चुका सकता।

میں تمہارے قرض کا بدلہ نہیں چکا سکتا -

3. He is prop of my old age.

वह मेरे बुढ़ापे का पाया है।

وہ میرے بڑھاپے کا پایا ہے -

(Oral Work)

१. मेरे हर्ष की सीमा नहीं रहती जब तुमको देख लेता हूँ। २. माता के ऋण का बदला चुकाना सम्भव नहीं है। ३. तुम्हारे बुढ़ापे का सहारा क्या है ?

۱—میری خوشی کی حد نہیں رہتی جب تم کو دیکھہ لیتا ہوں -
۲—والدہ کے قرضہ کا بدلہ چکانا نا ممکن ہے - تمہارے بڑھاپے کا سہارا کیا ہے ؟

(Written Work)

माता भी संसार में एक विचित्र व्यक्ति है। यह साहस माता को ही है कि सन्तान के सुख में सुखी रहना और दुख से दुखी होना अपना कर्तव्य समझती है। यदि कोई बालक बीमार हो जाता है तो फिर माता की चिन्ता की सीमा नहीं रहती। यदि बालक बहुत छोटा है तो माता स्वयं भोजन छोड़ती है और नाना प्रकार के कष्ट सहन करती है। अपनी सन्तान को सफलता फूलता देख कर जो आनन्द उसको होता है वह वर्णन से परे है। यह मानी हुई बात है कि मनुष्य का सच्चा हितैषी माता है। उसके उपकार का बदला चुकाना हमारे लिए कठिन ही नहीं असम्भव है। हमको उचित है कि अन्तःकरण से उसकी सेवा करके उसके बुढ़ापे का सहारा बनें।

والدہ بھی دنیا میں ایک انوکھی ہستی ہے یہہ ہمت والدہ کو ہی ہے کہ اولاد کے سکھہ میں سکھی رہنا اور اُس کی تکلیف میں تکلیف زدہ ہونا اپنا فرض سمجھتی ہے اگر کوئی بچہ بیمار ہو جاتا ہے تو پھر والدہ کی فکر کی حد نہیں رہتی - اگر بچہ بہت چھوٹا

ھے تو والدہ خود کھانا چھوڑتی ھے اور طرح طرح کی تکلیفات برداشت کرتی ھے - اپنی اولاد کو خوشحال دیکھہ کر جو خوشی اُسکو ھوتی ھے وہ بیان سے باھر ھے- یہہ مانی ھوئی بات ھے کہ انسان کا سچا بہی خواہ والدہ ھے - اُس کے احسان کا بدلہ چکانا ھمارے لئے مشکل ھی نہیں نا ممکن ھے - ھمارا فرض ھے کہ دل سے اُس کی خدمت کرکے اُس کے بڑھاپے کا سہارا بنیں -

---

EXERCISE 58

Study :—

1. Never fall out on trifles.

छोटी छोटी बातों पर कभी मत बिगड़ो ।

چھوٹی چھوٹی باتوں پر کبھی مت بگڑو -

2. She saw through my tricke.

वह मेरी चालों को ताड़ गयी । وہ میری عیاری کو تاڑ گئی -

3. I don't see my way to help you.

मुझे तुम्हारी सहायता की गुंजाइश नहीं दिखाई देती ।

مجھے تمہاری مدد کی گنجایش نہیں دکھائی دیتی -

4. I cherish his memory.

मैं उसका स्मरण रखता हूँ ।

میں اُس کی یاد کرتا ھوں -

(Oral Work)

1. छोटी छोटी बातों पर वह कभी नहीं बिगड़ता । 2. मैं तुम्हारे कपट को ताड़ जाता हूँ । 3. वह मेरी सिफ़ारिश की गुंजाइश नहीं पाते । 4. वह मेरा स्मरण रखती है ।

۱—چھوٹی چھوٹی باتوں پر وہ کبھی نہیں بگڑتا - ۲—میں تمہاری عیاری کو اب تاڑ جاتا ھوں - ۳—وہ میرے سفارش کی گنجائش نہیں پاتے ۴—وہ میری یاد رکھتی ھے -

(Written Work)

जिसमें मानसिक बल होता है वह कभी किसी के सामने काँपता नहीं है। छोटो मोटी बातों पर बिगड़ना तो वह जानता ही नहीं है। इससे यह न समझना चाहिये कि उसमें हृदय की दुर्बलता है या वह छोटी बुद्धि का है। यह धूर्तों की चाल को ताड़ जाता है फिर भी समय पड़ने पर उनकी सहायता को तैयार रहता है। पापों से दूर रहता हुआ भी वह पापियों का शत्रु नहीं है। यदि वह किसी की सेवा करने की गुंजाइश देखता है तो कभी भी पीछे नहीं हटता। यदि उपकारक का बदला उसकी शक्ति से बाहर है तो बड़ी कृतज्ञता के साथ वह उसका स्मरण करता है। ऐसे आदमी का नाम लोगों के हृदय में सदा ही जीवित रहता है।

جس میں روحانی طاقت ہوتی ہے وہ کبھی کسی کے سامنے کانپتا نہیں ہے - چھوٹی موٹی باتوں پر بگڑنا تو وہ جانتا ہی نہیں ہے - اِس سے یہہ نہ سمجھنا چاہئے کہ اُس میں دل کی کمزوري ہے یا وہ موٹی عقل کا ہے - وہ مکاروں کی چالوں کو تاڑ جاتا ہے پھر بھی وقت پڑنے پر اُنکی مدد کو تیار رہتا ہے - گناہوں سے دور رہتا ہوا بھی وہ گنہگاروں کا دشمن نہیں ہے - اگر وہ کسی کی خدمت کی گنجایس دیکھتا ہے تو کبھی پیچھے نہیں ہٹتا - اگر بھلائی کرنے والے کابدلہ اُسکی طاقت سے باہر ہے تو بڑی عاجزی کے ساتھہ اُسکی یاد کرتا ہے ایسے آدمی کا نام لوگوں کے دلوں میں ہمیشہ ہی زندہ رہتا ہے -

---

EXERCISE 59

Study :—

1. It is you who saved me.

आप ही ने तो मेरी जान बचायी थी।

آپ ہی نے تو میری جان بچائی تھی -

2. It fell to his lot.

यह उसके हिस्से में आया। يهه اس کے حصه میں آیا -

3. To this she sets no value.

वह उसका कुछ मूल्य नहीं समझती।

وہ اِس کی کچھه قیمت (قدر) نہیں سمجھتی -

4. You should have done that.

तुमको उसे करना चाहिये था। تم کو اِسے کرنا چاهئے تھا -

(ORAL WORK)

1. मेरे नौकर ही ने तो तुम्हारी सहायता की थी। 2. सब आपत्तियाँ मेरे ही हिस्से में आयी हैं। 3. मैं तुम्हारे वायदे का कुछ मूल्य नहीं समझता। 4. उसे आना चाहिये था।

۱—میرے نوکر هی نے تو تمهاری مدد کی تھی - ۲— سب مصیبتیں میرے هی حصه میں آگئی هیں - ۳— میں تمهارے وعدہ کی کچھه قیمت نہیں سمجھتا - ۴ — اُسے آنا چاهیئے تھا -

(WRITTEN WORK)

समय ईश्वर की अद्भुत वस्तुओं में से है जिसका लोग बहुत ही अनुचित प्रयोग करते हैं, यही तो वह वस्तु है जो मनुष्य के हिस्से में बहुत कम आयी है। सोचते हैं कि जीवन में कितना कम समय मिलता है तो बड़ा आश्चर्य होता है। फिर भी लोग समय को कैसी बुरी तरह से नष्ट करते हैं। कितने ऐसे हैं जो इस बात का ध्यान रखते हैं कि हमारा समय सैर सपाटों में नष्ट न होकर उपयोगी कामों में लगे। यह जानते हुए भी कि संसार सराय है और जीवन केवल पानी का बुलबुला है मनुष्य समय का कुछ मूल्य नहीं समझता। एक बार नष्ट करने के पश्चात् मनुष्य कभी कभी सोचता है कि मुझे ऐसा न करना चाहिये था।

وقت بہت انوکھی چیزوں میں سے ایک ہے جس کا لوگ بہت ناموزوں استعمال کرتے ہیں – یہی تو وہ چیز ہے جو اِنسان کے حصہ میں بہت کم آئی ہے – جب یہہ سوچتے ہیں کہ زندگی میں کتنا کم وقت ملتا ہے تو بڑا تعجب ہوتا ہے پھر بھی لوگ وقت کو کیسی بری طرح برباد کرتے ہیں – کتنے ایسے ہیں جو اِس بات کا خیال رکھتے ہیں کہ ہمارا وقت سیر سپاٹوں میں برباد نہ ہو کر فائدہ مند کاموں میں لگے ؟ یہہ جانتے ہوئے بھی کہ دنیا ایک سراے ہے اور زندگی صرف پانی کا بلبلہ ہے اِنسان وقت کی کوئی قیمت نہیں سمجھتا – ایک بار برباد کرنے کے بعد اِنسان کبھی کبھی سوچتا ہے کہ مجھے ایسا نہیں کرنا چاہئے تھا –

EXERCISE 60

STUDY :—

1. Beware, never utter such things.

खबरदार, फिर यह बात मुँह से न निकालना।

خبردار پھر یہہ بات منہہ سے نہ نکالنا –

2. He went his way.

उसने अपना मार्ग लिया। — اُس نے اپنا راستہ پکڑا –

3. She came to no harm.

उसकी जान पर आँच भी न आयी।

اُس کی جان پر آنچ بھی نہ آئی –

4. He fell flat on the ground.

वह पृथ्वी पर चारों खाने चित्त गिरा।

وہ زمین پر چاروں شانے چت گرا –

(ORAL WORK)

1. उससे कह दो कि खबरदार फिर यह न कहना। 2. अपना मार्ग लो। 3. ईश्वर करे माता की जान पर आँच भी न आये। 4. तुम चारों खाने चित्त गिरोगे।

۱—اُس سے کہدو کہ خبردار پھر یہہ نہ کہنا - ۲—اپنا راستہ پکڑو - ۳—خدا کرے والدہ کی جان پر آنچ بھی نہ آئے - ۴—تم چاروں شانے چت گروگے -

(WRITTEN WORK)

कुछ लोगों का कहना है कि नौकरों के साथ अच्छा बर्ताव करने से वे बेअदब हो जाते हैं। यही तो कारण है कि बहुत से अच्छे नौकरों के साथ भी क्रूरता का व्यवहार करते हैं। नौकरों से मुस्कुराकर बोलना या दुःख में उनकी सहायता करना वे अपना अपमान समझते हैं। वे उसकी ठीक बातों पर भी यही कहते हैं कि ख़बरदार फिर यह मुह से न निकालना नहीं तो फिर अपना मार्ग लेना पड़ेगा। नौकर बड़े बड़े स्वामि-भक्त देखे गये हैं। एक नौकर ने तो अपने स्वामी की जान पर आँच भी न आने दी जिस समय कि चोरों ने उसे घेर लिया था और वह डर के मारे भूमि पर चारों ख़ाने चित्त गिर पड़ा था। उसने वीरता से चोरों का सामना किया और उन्हें मार भगाया।

کچھہ لوگوں کا کہنا ھے کہ نوکروں کے ساتھہ اچھا برتاؤ کرنے سے وہ بے ادب ھو جاتے ھیں یہی تو سبب ھے کہ بہت سے لوگ اچھے نوکروں کے ساتھہ بھی بیہودہ سلوک کرتے ھیں - نوکروں سے مسکراکر بولنا یا مصیبت میں اُن کی مدد کرنا وہ اپنی بے عزتی سمجھتے ھیں - وہ اُس کی ٹھیک باتوں پر بھی یہی کہتے ھیں کہ خبردار پھر یہہ مہنہ سے نہ نکالنا

نہیں تو پھر اپنا راستہ لینا پڑےگا - نوکر بڑے بڑے خیر
خواہ آقا دیکھے گئے ہیں - ایک نوکر نے تو اپنے آقا کی جان
پر آنچ بھی نہ آنے دی جس وقت کہ چوروں نے اُسے گھیر
لیا تھا اور ڈر کے مارے زمین پر چاروں خانے چت گر پڑا تھا -
اُس نے بہادری سے چوروں کا مقابلہ کیا اور اُنہیں مار بھگایا -

EXERCISE 61

I

Miscellaneous Expressions for study.

1. I am above thirty years of age.

मैं तीस वर्ष से ऊपर ही हूँ।

میں تیس سال سے اوپر ھی ھوں -

2. She is within four years of my age.

वह मुझसे चार वर्ष छोटी है।

وہ مجھہ سے چار سال چھوٹی ھے -

3. I shall tell him that to his face.

मैं उसके मुँह पर वह बात कह दूँगा।

میں اُس کے منھہ پر وہ بات کہہ دونگا -

4. He is a good boy on the whole.

सब कुछ मिला कर वह अच्छा ही लड़का है।

سب کچھہ ملا کر وہ اچھا ھی لڑکا ھے -

5. We don't sell anything on credit.

हम उधार कुछ नहीं बेचते।

هم اُدھار کچھہ نہیں بیچتے -

6. I keep my dog on a chain.

मैं अपना कुत्ता बाँधकर रखता हूँ।

میں اپنا کتا باندھہ کر رکھتا ھوں -

7. He makes at me.
वह मेरी ओर झपटता है। — وہ میری طرف جھپٹتا ھے

8. They come to me now and then.
वे जब तब मेरे पास आया करते हैं।
وے جب تب میرے پاس آیا کرتے ھیں —

9. No good can come of it.
इससे क्या लाभ हो सकता है।
اُس سے کیا فائدہ ھو سکتا ھے —

10. There is no house within two miles of the school.
स्कूल से दो दो मील तक कोई घर नहीं है।
اسکول سے دو دو میل تک کوئی مکان نہیں ھے —

11. What about his marriage.
उसके विवाह के सम्बन्ध में क्या हुआ।
اس کی شادی کے متعلق کیا ھوا —

12. She is a girl after your own heart.
वह तुम्हारे मन की लड़की है।
وہ تمھاری طبیعت کی لڑکی ھے —

13. Do something against hard days.
बुरे समय के लिए कुछ करलो।
برے وقت کے لئے کچھ کر لو —

14. He was run over by a tonga.
वह तांगे से दब गया। — وہ تانگے سے دب گیا

15. Tell the man to lay the dish.
आदमी से कहो कि थाली परोसे।
آدمی سے کہو کہ تھالی پروسے —

16. You are always after playing.
तुमको सदा खेलने की पड़ी रहती है।

تم کو ہمیشہ کھیلنے کی پڑی رہتی ہے -

17. They were booked for Delhi.
उन्होंने दिल्ली का टिकट लिया। أنہوں نے دھلی کا ٹکٹ لے لیا -

18. Take train at Delhi.
दिल्ली से गाड़ी ले लेना। دھلی سے گاڑی لے لینا -

19. *Ghee* sells at one rupee a seer.
घी रुपये सेर बिकता है। گھی روپیہ سیر بکتا ہے -

20. She ran three miles at a stretch.
वह एक साथ (दम, साँस) तीन मील दौड़ी।

وہ ایک ساتھہ (دم و سانس) تین میل دوڑی -

21. They thanked me from the bottom of their hearts.
उन्होंने मुझे हृदय से धन्यवाद दिया।

انہوں نے میرا دل سے شکریہ ادا کیا -

22. He is good for nothing.
वह किसी काम का नहीं है। وہ کسی کام کا نہیں ہے -

23. Time hangs heavy on my hands.
मेरा समय नहीं कटता है। میرا وقت نہیں کٹتا ہے -

24. The thief made away with my bag.
चोर मेरा थैला लेकर चम्पत हुआ। - چور میرا تھیلا لے کر چمپت ہوا -

25. This watch goes fifteen minutes too slow.
यह घड़ी पन्द्रह मिनट सुस्त जाती है।

یہہ گھڑی پندرہ منٹ سست جاتی ہے -

26. My watch keeps right time.
मेरी घड़ी ठीक समय देती है।

میری گھڑی ٹھیک وقت دیتی ہے –

27. What is the time by your watch ?
तुम्हारी घड़ी में क्या बजा है ? – تمہاری گھڑی میں کیا بجا ہے –

28. It is twenty minutes to eight.
आठ बजने में बीस मिनट हैं। – آٹھ بجنے میں بیس منٹ ہیں

29. Is your watch ten minutes too fast ?
क्या आपकी घड़ी दस मिनट तेज़ है ?

کیا آپ کی گھڑی دس منٹ تیز ہے ؟

30. She is laid up with fever.
वह ज्वर में पड़ी है। – وہ بخار میں پڑی ہے –

31. This boil has come to a head.
इस फोड़े में मुँह हो आया है। – اِس پھوڑے میں منہہ نکل آیا ہے –

32. Give me a little milk.
मुझे थोड़ा सा दूध दो। – مجھے تھوڑا سا دودھ دو –

33. He gave me the little milk he had.
उसने जो थोड़ा सा दूध उसके पास था मुझे सब दे दिया।

اُس نے جو تھوڑا سا دودھ اُسکے پاس تھا مجھے سب دے دیا –

34. He took leave of me.
उसने मुझसे जाने की आज्ञा ली।

اُس نے مجھہ سے جانے کی اجازت لی –

35. She opens her book at page ten.
वह अपनी किताब दसवें पृष्ठ पर खोलती है।

وہ اپنی کتاب دسویں صفحہ پر کھولتی ہے –

36. Do you live on the first floor or on the ground floor ?

तुम दूसरी मंजिल पर रहते हो या पहली पर।

تم دوسری منزل پر رهتے هو یا پہلی پر –

37. He felt pain all over his body.

उसको सारे शरीर में दर्द लगता था।

اُس کو سارے بدن میں درد معلوم هوتا تھا –

38. He died of cholera.

वह हैज़े में मरा था। وہ هیضہ میں مرا تھا –

39. I have explained this over and over again.

मैंने यह बात बार बार समझाई है।

میں نے یہہ بات بار بار سمجھائی هے –

40. Learn these lines by heart.

यह पंक्तियाँ रट डालो। یہہ سطریں رت ڈالو –

41. She calls me bad names.

वह मुझे गाली देती है। وہ مجھے گالی دیتی هے –

42. He has run through his fortune.

उसने अपना धन उड़ा दिया है। – اُس نے اپنی دولت اُڑا دی هے –

43. Put him in mind of me.

उसे मेरा स्मरण कराना। اُسے میری یاد دلانا –

44. A post has fallen vacant.

एक जगह खाली हुई है। ایک جگہہ خالی هوئی هے –

45. I have run short of money.

मेरे पास रुपये की कमी हो गयी है।

میرے پاس روپیہ کی کمی هو گئی هے –

46. How are they related to you ?

वे तुम्हारे क्या लगते हैं ? وے تمہارے کیا هوتے هیں –

9

47. I feel thirsty.

मुझे प्यास लगी है ।

مجھے پیاس لگی ہے -

48. The servant is sunning my clothes.

नौकर मेरे कपड़ों को धूप लगा रहा है ।

نوکر میرے کپڑوں کو دھوپ لگا رہا ہے -

49. The pick-pocket picked his pocket.

गठकटे ने उसकी जेब काट ली ।

جیب کترے نے اُسکی جیب کاٹ لی -

50. I was beside myself with joy.

हर्ष के मारे मेरा हृदय उमड़ आयो ।

خوشی کے مارے میرا دل اُمنڈ آیا -

51. I will keep a watch over your luggage.

मैं आपके सामान को देखता रहूँगा ।

میں آپکے سامان کو دیکھتا رہونگا -

52. The doctor felt my pulse.

डाक्टर ने मेरी नाड़ी देखो ।

ڈاکٹر نے میری نبض دیکھی -

53. I cannot move about.

मैं चल फिर नहीं सकता ।

میں چل پھر نہیں سکتا -

54. I cannot do without you.

तुम्हारे बिना मेरा काम नहीं चल सकता ।

تمہارے بغیر میرا کام نہیں چل سکتا -

55. Is it a passable coin ?

क्या यह सिक्का चल सकता है ?

کیا یہہ سکہ چل سکتا ہے -

56. That coat will last for three years.

यह कोट तीन वर्ष चलेगा ।

وہ کوٹ تین سال چلے گا -

57. I cannot alter this coin.

मैं इस सिक्के को नहीं चला सकता ।

میں اس سکہ کو نہیں چلا سکتا -

58. Take delivery of the parcel.
पार्सल छुड़ा लो ।	پارسل چھڑا لو ـ

59. Get down from the train.
गाड़ी से उतर पड़ो ।	گاڑی میں سے اُتر پڑو ـ

60. Go one by one.
एक एक करके चले जाओ ।	ایک ایک کرکے چلے جاؤ ـ

61. I can do it in the twinkling of an eye.
मैं पलक भर में इसे कर सकता हूँ ।
میں پلک بھر میں اِسے کر سکتا ھوں ـ

62. He is on good terms with me.
उसका मुझ से मेल है ।	اسکا مجھہ سے میل ھے ـ

63. Buy the dog of him.
उससे कुत्ता मोल ले लो ।	اُس سے کتا خرید لو ـ

64. Have you made up with him ?
क्या आपका उससे मेल हो गया है ?
کیا آپ کا اس سے میل ھو گیا ھے ؟

65. It is beyond all doubt.
इसमें तनिक भी सन्देह नहीं है ।
اس میں تھوڑا بھی شک نہیں ھے ـ

66. I shall put him to shame.
मैं उसे लज्जित करूँगा ।	میں اُس کو شرمندہ کرونگا ـ

67. Do not speak ill of others.
दूसरों की निन्दा न करो ।	دوسروں کی برائی نہ کرو ـ

68. It is blowing hard.
प्रचंड वायु चल रही है ।	ھوا بڑی تیز چل رھی ھے ـ

69. It hailed last night.
कल रात ओले पड़े थे ।	کل رات اولے پڑے تھے ـ

70. It is very kind of you to have come to see me.

आपने बड़ी कृपा की जो मुझे देखने आये।

آپ نے بڑی مہربانی کی جو مجھہ سے ملنے آئے -

71. It does not become you to do this.

यह काम आपको शोभा नहीं देता। – یہہ کام آپ کو زیبا نہیں دیتا

72. She sang me a song.

उसने मुझे गीत सुनाया। اُس نے مجھے گیت سنایا -

73. Post this letter.

यह पत्र डाक में डाल दो। یہہ خط ڈاک میں ڈالدو -

74. What is the matter with you.

तुमको क्या हो गया है ? تم کو کیا ہو گیا ہے ؟

75. He is good for nothing.

वह किसी काम का नहीं है। وہ کسی مصرف کا نہیں ہے -

76. We must do something or other.

हमें कुछ न कुछ अवश्य करना चाहिये।

ہمکو کچھہ نہ کچھہ ضرور کرنا چاہئے -

77. Why puarrel over a matter of one anna.

एक आना पैसों के ऊपर इतना झगड़ा ?

ایک آنہ پیسوں پر اتنا جھگڑا ؟

78. Wring water out of my cap.

मेरी टोपी निचोड़ दो। میری ٹوپی نچوڑ دو -

79. Come by tu.ns.

बारी बारी से आओ। اپنے اپنے نمبر سے آؤ -

80. It is sweet to the taste.

यह खाने में मीठा है। یہہ کھانے میں میٹھا ہے -

81, Water is knee-deep here and breast-high there.

पानी यहाँ घुटनों है और वहाँ छाती भर है।

پانی یہاں گھٹنوں بھر ھے اور وھاں چھاتی بھر ھے -

82. Take the air daily.

प्रतिदिन वायु सेवन करो। ھر روز ھوا کھانے جاؤ -

83. Money ran short.

रुपया कम हो गया। روپیہ کم ھو گیا -

84. He is a man after my heart (or to my liking).

मेरे मन का आदमी है। یہہ میری طبیعت کا آدمی ھے -

85. All the day long.

दिन भर। تمام دن -

86. All the week through.

सप्ताह भर। ھفتہ بھر -

87. All the year round.

वर्ष भर। تمام سال -

88. They stood face to face.

वे आमने सामने खड़े हुए। وے آمنے سامنے کھڑے ھوئے -

89. My courage fails me.

मुझे साहस नहीं होता। مجھے ھمت نہیں ھوتی -

90. Words stick in my throat.

मेरे मुँह से बात नहीं निकलती। میرے منھہ سے بات نہیں نکلتی -

91. He is never off his guard.

वह कभी असावधान नहीं रहता। وہ کبھی غافل نہیں رھتا -

92. This thought never crossed my mind.

यह बात मेरे मन में कभी नहीं उठी।

یہہ بات میرے دل میں کبھی نہیں اُٹھی -

93. Don't talk very big.

बहुत लम्बी चौड़ी मत हाँको। بڑی لمبی چوڑی مت ھانکو

94. He took fire at this.

इस पर वह आग बबूला हो गया। — اس پر وہ آگ ببولا ہو گیا

95. I took him for a thief.

मैंने उसे चोर समझा था। — میں نے اسے چور سمجھا تھا

96. He deals in coal.

वह कोयले का व्यापार करता है। — وہ کوئلہ کی تجارت کرتا ہے

97. He bore off all the prizes.

सारे इनाम वही ले गया। — تمام انعامات وہی لے گیا

98. He is no match for you.

वह तुम्हारे मुकाबिले का नहीं है।

— وہ تمہارے مقابلہ کا نہیں ہے

99. He called on me.

वह मुझसे (थोड़ी देर के लिए) मिलने आये थे।

— وہ مجھسے (تھوڑی دیر کے لئے) ملنے آئے تھے

100. I was accused of theft.

मुझ पर चोरी का दोष लगाया गया।

— میرے اوپر چوری کا الزام لگایا گیا

II.

SOUNDS UTTERED

BY

Domestic Animals and Birds

1. Dogs bark, bay and howl.

कुत्ते भौंकते हैं। — کتے بھونکتے ہیں

2. Pupies yelp.

पिल्ले भौंकते हैं। — پلے بھونکتے ہیں

3. Camels grunt.
ऊँट बिलबिलाते हैं। — اونٹ بلبلاتے ہیں

4. Elephants trumpet.
हाथी चिंघाड़ते हैं। — ہاتھی چنگھاڑتے ہیں

5. Wolves and jackals howl.
भेड़िये और गीदड़ घुरघुर करते हैं।
بھیڑئے اور گیدڑ غر غر کرتے ہیں —

6. Monkeys chatter and gibber.
बन्दर चरचराते हैं। — بندر چرچراتے ہیں

7. Lions and tigers roar.
शेर और चीते दहाड़ते हैं। — شیر اور چیتے دہاڑتے ہیں

8. Asses bray.
गधे रेंकते हैं। — گدھے رینکتے ہیں

9. Bulls bellow.
साँड़ डकराते हैं। — سانڈ ڈکراتے ہیں

10. Cats mew, caterwaul, and purr.
बिल्लियाँ म्याऊँ म्याऊँ करती हैं, घुरघुराती हैं और फरफराती हैं।
بلیاں میاؤں میاؤں کرتی ہیں — گھر گھراتی ہیں اور پھر پھر کرتی ہیں —

11. Horses neigh and snort.
घोड़े हिनहिनाते हैं। — گھوڑے ہنہناتے ہیں

12. Sheep and goats bleat.
भेड़ और बकरी में में करती हैं।
بھیڑ اور بکری میں میں کرتی ہیں —

13. Pigs grunt and squeak.
सूअर घुरघुराते हैं। — سور گھر گھراتے ہیں

14. Mice squeak.

चूहे चुहियाँ चूँ चूँ करते हैं। – چوھے چوھیاں چوں چوں کرتے ھیں

15. Frogs croak.

मेंढक टर्राते हैं। – میڈک ٹراتے ھیں

16. Surpents hiss.

साँप फुँकारते हैं। – سانپ پھنکارتے ھیں

17. Crows caw.

कौवे काँव काँव करते हैं। – کوے کاؤں کاؤں کرتے ھیں

18. Cocks crow.

मुर्ग़ कुकड़ू करते हैं। – مرغ کڑ کڑاتے ھیں

19. Owls hoot and whoop.

उल्लू हू हू घू घू करते हैं। – اُلو ھو ھو یا گھو گھو کرتے ھیں

20. Geese cackle.

हंस किरकिराते हैं। – ھنس کر کراتے ھیں

21. Ducks quack.

बतख़ कड़कड़ाती है। – بطخ کڑ کڑاتی ھیں

22. Turkeys gobble.

पील मुर्ग़ बड़बड़ाते हैं। – پیل مرغ بڑ بڑاتے ھیں

23. Doves and pigeons coo.

फ़ाख्ता और कबूतर कू कू करते हैं।

– فاختہ اور کبوتر کو کو کرتے ھیں

24. Sparrows twitter.

गौरैया चहचहाती हैं। – گوریا چہچہاتی ھیں

25. Peacocks scream.

मोर चिंघाड़ते हैं। – مور شور مچاتے ھیں

26. Flies buzz.

मक्खियाँ भिनभिनाती हैं। – مکھیاں بھنبھناتی ھیں

27, Small birds chirp.
छोटी चिड़ियाँ चहचहाती हैं। چھوٹی چڑیاں چہچہاتی ہیں –

28. Black-birds whistle.
कोयल कूकती हैं। کویل کوکتی ہیں –

29. Foxes howl.
लोमड़ी घुर्राती हैं। لومڑی گھراتی ہیں –

III.

Collective Nouns

1. A bevy of quails.
तीतर और बटेर का झुँड। تیتر اور بٹیر کا جھنڈ –

2. A bouquet of flowers.
गुलदस्ता। گلدستہ –

3. A brood of chickens.
मुर्ग़ी के बच्चों का गोल। چوزوں کا غول –

4. A choir of signers.
गवैयों का समुदाय। گانے والوں کی جماعت –

5. A bunch of keys.
चाबियों का गुच्छा। چابیوں کا گچھہ –

6. A clump of trees.
वृक्षों का समूह। درختوں کا جھنڈ –

7. A convoy of birds.
पक्षियों का झुँड। پرندوں کا جھنڈ –

8. A constellation of stars.
सितारों का झुंड। ستاروں کا جھرمٹ –

9. A drove of cattle.
पशुओं का गल्ला। گلہ مویشاں –

10. A faggot of stick.

लकड़ियों का गट्ठा। — لکڑیونکا گٹھر

11. A fleet of ships.

जहाजों का बेड़ा। — جہازوں کا بیڑا

12. A flight of birds.

चिड़ियों की पंक्ति। — چڑیونکی قطار

13. A flight of stairs.

सीढ़ियों की लंगर। — زینونکا سلسلہ

14. A flock of sheep.

भेड़ों का झुँड। — بھیڑونکا گلہ

15. A gang of robbers.

डाकुओं का गिरोह। — ڈاکوؤنکا گروہ

16. A herd of swine.

सूअरों का झुँड। — سوّرونکا جھنڈ

17. A hive of bees.

मक्खियों का छत्ता। — مکھیونکا چھتہ

18. A litter of pigs.

सूअर के बच्चों का झुँड। — سور کے بچّوں کا جھنڈ

19. A pack of hounds.

ताजी कुत्तों का गिरोह। — شکاری کتونکا گروہ

20. A shoal of whales.

व्हेल मछलियों की लंगार। — وھیل مچھلی کی قطار

21. A shoal of fish.

मछलियों का झुँड। — مچھلیونکا جھنڈ

22. A stud of horses.

घोड़ों का झुँड। — گھوڑونکا جھنڈ

23. A suit of clothes.

कपड़ों का जोड़ा। — کپڑونکا جوڑا

24. A team of horses.
घोड़ों की जोड़ी। گھوڑوں کی جوڑی -

25. A brace of pistols.
पिस्तौल का जोड़ा। ایک جوڑا پستول -

Vocabulary

EXERCISE 1

घर जाना گھر جانا to go home; प्यार-दुलार करना پیار دلار کرنا to caress; बुला भेजना بلا بھیجنا to send for; मार भगाना مار بھگانا to beat away; खबरगीरी करना خبرگیری کرنا to look after; पैदल پیدل on foot.

EXERCISE 2

महामारी وبا plague; फैलना پھیلنا to rage; शिकार खेलना شکار کھیلنا to hunt; मँगाना منگانا to send for; पड़ोसी پڑوسی neighbour ; झगड़ा करना جھگڑا کرنا to quarrel; भजन करना عبادت کرنا to say prayers; ध्यान से دھیان سے attentively; मिहमान مہمان guest.

EXERCISE 3

डाक में डालना ڈاک میں ڈالنا to post ; लुहार لوہار blacksmith; पैनी करना پینی کرنا to sharpen ; सम्पत्ति دولت property ; मनीआर्डर द्वारा منی آرڈر کے ذریعہ by money order ; नौकर रखना نوکر رکھنا to employ.

EXERCISE 4

सिपाही سپاہی soldier ; अस्त होना غروب ہونا to set ; किनारा کنارا shore; मूल्य قیمت price; हैज़ा ہیضہ cholera; अवधि समाप्त होने से पहले میعاد ختم ہونے سے پہلے before the expiry of time; उतारना اتارنا to take off; पहनना پہننا to put on.

EXERCISE 5

महकमा محکمہ department ; नौकरी करना نوکری کرنا to serve ; सीना سینا to sew ; मजदूर مزدور labourer ; खाई کھائی trench ; परिश्रम करना محنت کرنا to work hard ; ताला تالا lock.

EXERCISE 6

मैदान میدان play ground; पहुँचना پہونچنا to steam in ; होतो रहना ہوتی رہنا to be going on ; मैच میچ match ; नहीं तो نہیں تو other wise.

EXERCISE 7

चारा چارا fodder ; अंकगणित حساب arithmetic ; चना چنا gram ; नत्थी करना نتھی کرنا to file ; नाई نائی barber ; काटना کاٹنا to crop ; बढ़ई بڑھئی carpenter.

EXERCISE 8

स्वयंसेवक والنٹیر volunteer ; कप्तान کپتان captain ; नियुक्त करना مقرر کرنا to post ; गवाह گواہ witness ; बयान देना بیان دینا to make statement; निरीक्षण करना معاینہ کرنا to inspect ; प्रकाशित करना چھپوانا to publish.

EXERCISE 9

तंग आना تنگ آنا to get tired (of) ; लगभग मरती ही अवस्थामें قریب المرگ حالت میں in an almost dying state ; सिद्ध होना ثابت ہونا to prove ; स्पष्ट बोलने वाला صاف گو outspoken ; उदास غمگین sad ; अपराधी مجرم offender ; छोड़ना بری کرنا to set free ; नियुक्त करना مقرر کرنا to appoint.

EXERCISE 10

दुखिया غمزدہ miserable ; छुड़ाना چھڑانا to relieve; अभिमान فخر pride ; मुर्झाना مرجھانا to fade ; संगीत گانا

music ; जंगली وحشی savage; प्रसन्न करना خوش کرنا to soothe; जादू جادو charms; गुप्त बात راز secret; आनन्द उठाना لطف اٹھانا to enjoy; शब्द آواز sound; आनन्ददायक فرحت بخش delightful; अलमारी الماری cupboard.

EXERCISE 11

खेल کھیل game; थकना تھکنا to be fatigued; चढ़ना سوار ہونا to mount; चढ़कर भाग जाना سوار ہوکر بھاگ جانا to ride off.

EXERCISE 12

कमाना کمانا to earn; मछली पकड़ना مچھلی پکڑنا to fish ; व्यवसाय پیشہ profession ; उपन्यास ناول novel ; डालना ڈالنا to lead ; सवाल سوال sum ; निकालना نکالنا to do; सामान سامان material; निर्भर होना منحصر ہونا to depend; सताना ستانا to oppress.

EXERCISE 13

जेब جیب pocket ; जल्दी करो جلدی کرو be quick ; काँपना کانپنا to tremble ; पछताना پچھتانا to repent ; निन्दा करना برائی کرنا to speak ill (of); मन्द बुद्धि کند dull ; कंजूस بخیلانہ miser ; बढ़े चले जाना بڑھے جلے جانا to advance; पिछड़ना پچھڑنا to lag behind; लाभ उठाना فائدہ اٹھانا to derive benefit.

EXERCISE 14

धोखा देना دھوکھا دینا to deceive; चोरी करना چوری کرنا to commit theft; बर्तना برتاؤ کرنا to deal (with); प्रकट करना ظاہر کرنا to express; रोगी مریض patient; अच्छा होना اچھا ہونا to recover; सदा के लिये ہمیشہ کے واسطے for ever; चालाकी چالاکی trick; बीमार पड़ना بیمار پڑنا to fall ill.

EXERCISE 15

मित्र बनाना دوست بنانا to make friends; घर भीतर

रहना اندر رهنا to keep within doors; खारी کهاری brackish; ऐसा न हो कि ایسا نہ هو کہ lest.

EXERCISE 16

यात्रा سفر journey; तैयारी करना تیاری کرنا to get ready; उन्नति ترقی progress; अपराधी قصور دار guilty; बन्द होना بند هونا to stop

EXERCISE 17

चीड़ीमार چڑی مار fowler; ऋण में फँसना قرضہ میں پھنسنا to get into debt; शिकारी شکاری hunter, huntsman; दिन चढ़े دن چڑھے late in the day.

EXERCISE 18

सवारी सीखना سواری سیکھنا to learn riding; पीछा छुड़ाना پیچھا چھڑانا to get rid (of); रतौंधी رتوندهی night blindness; इलाज करना علاج کرنا to treat; भींगना بهیگنا to get wet; पीछे हटना پیچھے هٹنا to retreat.

EXERCISE 19

फुर्तीला پهرتیلا brisk; बेत بیت cane; पुस्तक का आठवाँ पृष्ठ खोलो کتاب کا آٹھواں صفحہ کهولو open your book at page 8.

EXERCISE 20

जमकर جمکر steadily; संकट مصیبت calamity; मंत्री وزیر minister; निकालना نکالنا to turn out; तलवार हाथ में लेकर تلوار هاتھ میں لیکر sword in hand; आक्रमण करना حملہ کرنا to attack; छिः ہے pooh.

EXERCISE 21

नौकरानी خادمہ maid-servant; भाड़े की गाड़ी کرایہ کی گاڑی hackney-coach; धाय को सौंपना دایہ کے سپرد کرنا to put under a nurse.

EXERCISE 22

सूरज निकलने से पहिले سورج نکلنے سے پہلے before sunrise ; आलसी کاہل lazy ; बान डालना عادت ڈالنا to get into a habit ; पीटर महान پیٹر اعظم Peter the Great ; नाम पाना نام پانا to make a name.

EXERCISE 23

गोला گولا ball ; चकाचौंध करना چوندھیانا to dazzle ; डूबना ڈوبنا to go down ; चमकना چمکنا to shine.

EXERCISE 24

लकड़ी का बुरादा لکڑی کا برادا saw-dust; भरा हुआ بھرا ہوا stuffed ; चमड़ा چمڑا leather ; दस्तकार, कारीगर کاریگر manufacturer; अंग عضو limb; आश्चर्य में डूबना تعجب میں ڈوبنا to be wonder-struck ; जान डालना جان ڈالنا to put life.

EXERCISE 25

खेलना کھیلنا to have a game ; शान्ति प्रिय خاموش quiet ; खरोचना کھروچنا to scratch ; बैठक نشستگاہ parlour ; पीढ़ी پیڑھی foot-stool ; बाल بال fur ; खुरखुराना (बिल्ली का بلی کا) خوشی میں گھر گھرانا to purr ; किकयाना چیخنا to caterwaul.

EXERCISE 26

दूर दूर से دور دور سے from distant places ; नया आनेवाला نیا آنیوالا New-comer ; विशेष रुचि خاص دلچسپی special interest; तुरन्त ही فوراً ھی directly; सब से ऊपर سب سے اوپر at the top ; योग्यता قابلیت proficiency.

EXERCISE 27

चरना چرنا graze; रेवड़ ریوڑ یا گلہ flock; खोह غار cave; इधर उधर اِدھر اُدھر hither and thither ; फिरना پھرنا हाथ लगना ہاتھ لگنا to come to hand; अंधेरा हो गया था

اندھیرا ھو گیا تھا it had grown dark; निश्चिन्त होकर. بیفکر ھو کر unconcernedly; राख اکھا, یا خاک कुरेदना کریدنا to turn up.

EXERCISE 28

फुदकना پھدکنا to hop; उद्दंडता گستاخی imprudence; पंजे پنجے claws; छूटना چھوٹنا to get free; विनीत भाव से عاجزی سے humbly; प्रार्थना करना منت کرنا to implore; क्षुद्र जीव تنہا مخلوق tiny creature; ग्रास لقمہ morsel; तुच्छ ناچیز contemptible little thing; संयोगवश اتفاق سے by chance; कुतरना کترنا to gnaw.

EXERCISE 29

अंगूर की बेल انگور کی بیل vine; गुच्छा (अंगूर का) خوشہ bunch; खट्टा کھٹا sour.

EXERCISE 30

चढ़ी हुई چڑھی ھوئی flooded; लालची لالچی یا طامع greedy; आ दबाना آ دبانا to clutch.

EXERCISE 31

सामना करना مقابلہ کرنا to face; कोना گوشہ corner; झोंपड़ा جھونپڑا cottage; विवश होना مجبور ھونا to be obliged; दरबारी درباری courtier; बल पूर्वक زبردستی by force.

EXERCISE 32

विक्टोरिया وکٹوریا Victoria; सहानुभूति ھمدردی sympathy; घेर लेना گھیر لینا to overtake; ओर طرف directions; खटखटाना کھٹکھٹانا to knock; रक्षा پناہ shelter.

EXERCISE 33

बड़ी मित्रता थी بڑی دوستی تھی were fast friends; अनाज का खेत اناج کا کھیت cornfield.

EXERCISE 34

उष्ट्र पक्षी شتر مرغ ostrich ; चाल چال trick ; काम लेना کام لینا to employ ; बाण चढ़ाना تیر چڑھانا to string.

EXERCISE 35

क्रूर स्वभाव بدمزاج ill-tempered; आशीर्वाद देना دعا دینا to bless ; रात होगई थी رات ہو گئی تھی night had advanced ; छप्पड़ چھپر thatch.

EXERCISE 36

पहचानना پہچاننا to recognise ; धिक्कार कर حقارت سے contemptuously ; पश्चात्ताप करना تاسف کرنا to repent; शिक्षक लेना نصیحت حاصل کرنا to take lesson.

EXERCISE 37

स्वच्छता صفائی cleanliness ; शरीर छिद्र مسام pore ; पसीना پسینہ perspiration ; नियम से حسب معمول regularly ; खुरदरा کھردرا rough ; तौलिया تولیا towel; रगड़ कर पोंछना رگڑ کر پونچھنا to rub and dry ; मोटा موٹا coarse.

EXERCISE 38

बसा है آباد ہے is situated ; आक्रमणकारी حملہ آور invader; इमारत عمارت building.

EXERCISE 39

आपही خود ہی one's own accord ; भीख خیرات alms ; महाजन ساہوکار banker ; पढ़ा लिखा تعلیم یافتہ literate ; दुर्भाग्य की बात بد قسمتی کی بات ill-luck ; सौंपना سپرد کرنا to entrust.

EXERCISE 40

कुंजड़ा کنجڑا green grocer ; द्वेषी کینہ ور mischievous ; माल असबाब مال اسباب chattels ; दियासलाई

دیاسلائی match ; हानि نقصان mischief; पहुँचाना پہونچنا to do ; बदला بدلہ revenge ; छोड़ना چھوڑنا to give up.

EXERCISE 41

शिष्टाचार تعظیم ، تکریم etiquette ; राजतिलक تاج پوشی coronation ; अवसर موقع occasion ; गुण صفت۔ خاصیت quality ; परिचय اظہار indication; हथियार ہتھیار weapon; खरा کھرا ایماندار honest ; सचलन شائستہ واضع polished manners.

EXERCISE 42

सूना خالی سونا empty; अंडे देना انڈے دینا to lay eggs; निस्सन्तान بے اولاد issueless; मिलकर متفق ہوکر unanimously.

EXERCISE 43

इश्तिहार اشتہار advertisement; कम पढ़ा کم پڑھا with little education; लेखक کاتب scribe ; इतने में اس اثناء میں in the meantime; चिपकना چپکنا to stick.

EXERCISE 44

सिंचाई करना آبپاشی کرنا to water; थोड़ी देर تھوڑی دیر for a moment; नाव की सैर ناؤ کی سیر boating; निकलना نکلنا to issue; मिट्टी مٹی soil; वेग بہاؤ flow; उपजाऊ زرخیز fertile.

EXERCISE 45

पर्वाह (चिन्ता) करना پرواہ کرنا to mind; सूचना اطلاع information; कुछ کچھ slightly; देख जाना دیکھ جانا to visit.

EXERCISE 46

प्रसन्न करना خوش کرنا to delight; हार्दिक बधाई देना دل سے مبارکباد دینا to congratulate heartily.

EXERCISE 47

छुट्टी देना چھٹی دینا to grant leave; आप का विश्वासी آپکا وفادار yours faithfully.

EXERCISE 48

वी० पी० पी० द्वारा بذریعہ وی پی پی V. P. P.; कैमिस्ट्री کیمسٹری chemistry; मैन्युअल مینوئل manual.

EXERCISE 49

पिसनहार پسنہار miller; मँहगा مہنگا dear; मेला میلا fair; पांव घसीटना پاؤں گھسیٹنا to trudge; अपने बराबर اپنے برابر beside him.

EXERCISE 50

संगति ساتھ company; गणित ریاضی mathematics.

EXERCISE 51

शिक्षाएँ نصیحتیں pieces of advice; नंगा ننگا bare; घटना حادثہ accident; याद करना یاد کرنا to recollect; लू लगना صدمہ آفتاب sun stroke; चलना عمل کرنا to act upon; उपयोगी مفید wholesome.

EXERCISE 52

खांसी کھانسی cough; हल्का हल्का ھلکہ ھلکہ low; कब्ज قبض constipation; शिकायत شکایت complaint; पुरानी دیرینہ chronic; मुक़द्दमेबाज़ مقدمہ باز litigant; मुक़द्दमेबाज़ी مقدمہ بازی litigation; नुसख़ा نسخہ prescription; कठिन سخت serious.

EXERCISE 53

भारी بھاری pressing; बड़ी या आवश्यकता का अवसर وقت ضرورت hour of need; बचाकर रखना بچاکر رکھنا to make savings; उधार देना قرض دینا to lend; लौटाना واپس کرنا to repay.

EXERCISE 54

याद दिलाना یاد دلانا to remind; साफ़ करना صاف کرنا to settle.

EXERCISE 55

माल مال goods; आजाना آ جانا to arrive; देरी دیری delay; व्यापारी تجار business man; ग्राहक خریدار customer; निराश करना نا امید کرنا to disappoint.

EXERCISE 56

शिकायत شکایت complaint; रवाना करना روانہ کرنا to despatch; क्षमा मांगना معافی مانگنا to appologise.

EXERCISE 57

व्यक्ति انسان person; चिन्ता فکر anxiety; भोजन छोड़ना उपवास करना فاقہ کرنا to fast; फलना फूलना سر سبز ہونا to flourish; परे باہر beyond.

EXERCISE 58

मानसिक बल قوت اخلاقی moral courage; कांपना کانپنا to tremble; मोटी बुद्धि का موٹی عقل کا dunce; धूर्त्त; بدمعاش rogue; उपकारक احسان کرنے والا benefactor; बदल देना بدلہ دینا to requite; कृतज्ञता شکر گذاری gratitude.

EXERCISE 59

अनुचित उपयोग करना ناجائز استعمال کرنا to abuse; सैर सपाटा سیر سپاٹا pleasure trip; सराय; سرائے inn; बुलबुला بلبلہ bubble.

EXERCISE 60

बेअदब بے ادب disrespectful; मुसकराकर مسکرا کر smilingly; स्वामि भक्त فرمانبردار faithful; घेर लेना گھیر لینا surround.

PART II.

COMPOSITION
(FORMAL AND FREE)

Formal Composition

EXERCISE 62.

Uses of the Tenses.

1. State the function of the verb in each of the following :—

(*i*) The earth moves round the sun.
(*ii*) He comes here to-morrow.
(*iii*) She plays daily.
(*iv*) He wrote three letters every day.
(*v*) He invaded the country.
(*vi*) She has come.
(*vii*) Now Akbar is crowned king.
(*viii*) I have been writing for two hours.
(*ix*) He came when Ram had gone.
(*x*) The game will have been over before sunset.

2. Rewrite the following sentences putting the verbs in the tenses given in brackets and making other changes where necessary :—

(*i*) She comes (Present Perfect).
(*ii*) The bell is ringing (Present Perfect continuous).
(*iii*) She is reading (Past indefinite).
(*iv*) They came (Past Perfect).
(*v*) You ride (Future Perfect continuous).

3. Fill up the blanks with **since, for,** or **ago**—

(*i*) This king has been reigning............1911.
(*ii*) You did it three days..............
(*iii*) She has been sleeping...........three hours.
(*iv*) I have been writing..........3 o'clock.
(*v*) Two years.............he was here.

4. Put the verbs in its proper form in the following :—

(*i*) She (to be) my neighbour for three months.

(*ii*) They (to pass) their examination last year.
(*iii*) When he came she (to sing) for an hour.
(*iv*) Everything (to do) according to instructions.
(*v*) I (to laugh) since morning.

5. Complete the following sentences by using suitable verbs in the Future Tense :—

(*i*) He..................before you go.
(*ii*) I..................him a cap.
(*iii*) Hari..................here for two years.
(*iv*) I..................my work at six o'clock.
(*v*) In 1936, they..........for ten years.

6. What is the function of **shall** or **will** in the following :—

(*i*) He shall be punished.
(*ii*) I will help you.
(*iii*) We will come to-morrow.
(*iv*) You shall get a prize, if you pass.
(*v*) Shall I go now ?
(*vi*) He will come to-morrow.
(*vii*) I shall not go there.
(*viii*) We shall read now.

EXERCISE 63.

The Voice.

1. Rewrite the following sentences changing the voice of the verbs :—

(*a*) The teacher called me.
(*b*) Those oranges were plucked by us.
(*c*) You are ringing the bell.
(*d*) Confidence ensures success.
(e) My mother's heart will be broken by me.

(*f*) He will help me.
(*g*) He has forsaken his friends.
(*h*) The camel will be lost in the desert by them.
(*i*) Tea is grown by the Chinese.
(*j*) These mines were worked by many of thess people.
(*k*) I shall take you to task.
(*l*) Touch him.
(*m*) You think me to have called you.
(*n*) I was laughed at by them.
(*o*) He took her prisoner.
(*p*) The ring having been crossed, the thieves were arrested by the police.
(*q*) I shall give him a book.
(*r*) Let the letters be put now.

2. Study the following sentences :—
(*a*) Ram was displeased at my conduct.
(*b*) I am satisfied with your work.
(*c*) They were not surprised at this.
(*d*) Good news was contained in that paper.
(*e*) I was alarmed at the appearance of the wolf.
(*f*) They are known to me.

3. Rewrite the six sentences of exercise 2 above in the active voice.

EXERCISE 64.

1. Point out the infinitives, participles and gerunds in the following and state the function of each :—
(*a*) She was pleased to hear this.
(*b*) Hearing a noise, she hid herself.
(*c*) On receiving my letter he started.

(*d*) Having done her work, she went away.

(*e*) The doctor being sent for, we left the patient there.

(*f*) I like to play daily.

(*g*) Lessons done carelessly are forgotten.

(*h*) They are fond of running.

(*i*) I hear of your having passed the examination.

(*j*) God willing, he will pass.

2. Continue the following pairs of sentences by using an infinitive or a participle :—

EXAMPLE :—

(*1*) *This is a great thing. It is considered so by all the people. This is considered to be a great thing by all the people.*

(*2*) *I liked the toy very much. I bought it. Liking the toy very much I bought it.*

(*a*) She speaks the truth. She is not afraid of it.

(*b*) I want to pass. I work hard for this reason.

(*c*) You have become rich now. It is a good thing.

(*d*) He has a large family. He must provide for it.

(*e*) They must appologise. It is one way to escape fine.

(*f*) I saw a man. He was bringing water.

(*g*) A thief stole some gold. He ran to his house to bury it.

(*h*) A fox saw grapes. They were hanging from a vine.

(*i*) I had resolved to go. I took the earliest train.

(*j*) She had no money. She could give the beggar nothing.

EXERCISE 65.

Compound and Complex Sentences.

1. Supply suitable clauses in the following sentences :—

(*a*) Ram came...........

(*b*) She knows..............

(*c*) Wait...................

(*d*) Call Rahim...............

(*e*) He told me...............

(*f*) This is the stick............

(*g*) The man.........is my cousin.

(*h*) You are strong but............

2. Fill in the gaps with suitable conjunctions :—

(*a*) ....you............he is guilty.

(*b*) She........................they is here.

(*c*) Work hard............you should fail.

(*d*) Start now............you will be late.

(*e*) The time..................the train starts is not known.

3. Rewrite the following sentences using a clause for each phrase in thick type :—

(*a*) I know the time **of your arrival.**

(*b*) I was grieved to hear **of your failure.**

(*c*) Everybody knows the reason **of his falling ill so often.**

(*d*) They waited until **my return.**

(*e*) Be kind to **the helpless.**

(*f*) He has told them the time **of the king's arrival.**

(*g*) Do you know **where to stay.**

(*h*) Stay here till **six o'clock.**

(*i*) Inspite of my illness, I am working hard.
(*j*) They are too weak to walk.

EXERCISE 66.

Sequence of Tenses and Direct and Indirect.

1. Insert the correct tense of the verb in the following :—

(*a*) You would pass if you ......(To work hard).
(*b*) They told her that they..........go. (Will).
(*c*) I finished first though I..........last. (to begin).
(*d*) Just as you.........the dog barked. (to come).
(*e*) She is so tired that she......hardly stand. (can).
(*f*) I speak as one who.........(To know).
(*g*) My mother loved me better than she......you. (To love).
(*h*) We then went there oftener than we.......... now. (To go).

2. Turn the following into the Indirect:—

(*a*) He said to me, "Where are you going ?"
(*b*) She said to them, "Will you help me ?"
(*c*) Rahim said to Ram, "Go away."
(*d*) I said to him, "Please wait till my mother returns."
(*e*) She said to Ram, "Go and bring my stick from your house."
(*f*) He said, "Let me go."
(*g*) He said, "Is your mother well ?"
(*h*) They cried, "Who are you, sir, and where do you live ?"
(*i*) He said, "Sister, what is the matter with you?"
(*j*) He said, "What a lazy boy he is ! How badly she has written this letter ?"

3. Turn the following into the direct :—

(*a*) She exclaimed that she was undone.
(*b*) He exclaimed that he was very intelligent.
(*c*) He requested me to wait for him.
(*d*) They said that they were not there the day before.
(*e*) She said to me that she was glad to be there that evening.
(*f*) I told the girl that I knew her and her brother.

EXERCISE 67

Transformation of sentences.

1. Rewrite the following sentences changing the degree of comparison without changing the meaning :—

EXAMPLE :—

Positive—She is not so tired as you.
Comparative—You are more tired than she.

(*a*) He is one of the best men here.
(*b*) She is more beautiful than any other woman.
(*c*) Very few boys are as intelligent as you.
(*d*) No other man is so popular as Ram.
(*e*) I am at least as strong as Yadoo.

2. Rewrite the following sentences in a negative form :—

EXAMPLE :—

She went away. She did not go away.

(*a*) He failed to notice me.
(*b*) London is the richest city.
(*c*) He will be surprised if he passes.
(*d*) They have seen me.
(*e*) Did he meet you ?

3. Transform the following questions into Assertive sentences :—

EXAMPLE :—

Question—How can you live better ?

Assertion—You cannot live better.

(*a*) Who is so wicked as to tease this poor creature ?

(*b*) Is this the way you should behave ?

(*c*) Who does not know you ?

(*d*) Shall I not remember you ?

(*e*) Why should he waste his time here ?

4. Express the meaning of the following as questions:—

(*a*) She could not have done anything without my help.

(*b*) This is not the thing to be initiated.

(*c*) It is useless to help a man who does not require help.

(*d*) There is no man better than a true patriot.

(*e*) No one will like a truant.

5. Transform the Exclamatory sentences into Assertions and *vice versa* :—

EXAMPLE :—

(*1*) *Alas, that he should perish thus ! It is sad to think that he should perish thus.*

(*2*) *O that she were with me ! I wish that she were with me.*

(*a*) O that they were kings !

(*b*) O that this river were an ocean !

(*c*) What a fine cap you have !

(*d*) O that I had met them two years ago !

(*e*) It is a horrible sight.

(*f*) They had a most unhappy life.

6. Rewrite the following simple sentences as compound and *vice versa* :—

EXAMPLE :—

Simple—Besides giving me money, he also treated me kindly.

Compound—He not only gave me money, but also treated me kindly.

(*a*) Being pleased with my work, they appointed me to that post.

(*b*) Out of desire for money she murdered the child.

(*c*) The referee having whistled, the match began.

(*d*) They must work hard or they will not pass.

(*e*) I finished my song and put away my harmonium.

7. Convert the following simple sentences to complex sentences and *vice versa* :—

EXAMPLE :

Simple—He has sold his brother's property.

Complex—He has sold the property that belonged to his brother.

(*a*) She always speaks the truth.

(*b*) I hope to see you to-morrow.

(*c*) He saw a wounded soldier.

(*d*) She will be the last to speak.

(*e*) Do not speak without permission.

(*f*) He is as bad as he could be.

(*g*) This is the idea of a man like you.

(*h*) She wants me to be silent.

Correct use of words.

Fill the blank with the right word from the brackets:—

1. Apply—the headmaster—leave. (To, for)
2. She never asks him—anything. (For, of)

3. She never asks anything—me. She never asks a favour—me. (From, of)
4. Attend—what the teacher says. I have a servant to attend—me. (To, upon)
5. She complained—you—the headmaster. (Against, to)
6. I exchanged caps—him. I will exchange a stick—a pen. (With, for)
7. They kept—laughing. I keep—my promise. (On, to)
8. He will look—your children. Look—the lost cap here. (After, for)
9. He cannot make—the meaning of this line. Make—your mind to go. (Out, up)
10. Who can put—with such an insult? Put—your clothes. (Up, on)
11. I set—a school. They set—for hills. (Up, out)
12. Take—your cap. He took—drinking. (Off, to)
13. Wake him—early. (Too, very)
14. She came—foot. (By, on)
15. I will go—train. In, by)
16. I have been attacked—fever. (By, with)
17. He is afraid—dog. (Of, by)
18. Give me—water. (Little, a little)
19. Has he—leisure. (Any, some)
20. He is kind—her. (On, to)
21. —my compliments to your mother. (Tell, give)
22. —did she bring with her? (Who, whom)
23. Let me have a ten—note. (Rupee, rupees)
24. These are my—. (Cattle, cattles)
25. One must do—duty. (His, one's)
26. I fear lest I—fail. (May, should)
27. You and I have done—work. (Our, your)

28. You and he have done—work. (Your, their)
29. Whose book is this ?—(My, mine)
30. Either a book or a pen—been stolen. (Has, have)

Free Composition

STORY WRITING

HINTS :

(1) *The teacher will first read out a story to the boys.*
(2) *Then he may put questions bearing on it.*
(3) *After the questions have been answered in complete sentences by boys, one of them may be asked to retell the story.*
(4) *The whole class may afterwards be asked to reproduce the story in writing.*

EXERCISE 68.

A cock, scratching for food for himself and his hens, found a stone which was very precious. On this he said, "If your owner had found thee instead of me, he would have picked thee up, and have set thee in thy first state. But to me you are of no avail. Surely one barley corn is much more precious to me than many like thee."

1. What did the cock find ?
2. What was it doing when it found it ?
3. What did it say to it ?

4. What is more precious to the cock—a jewel or a barley corn ?

EXERCISE 69.

Once upon a time there was a boy, who was very fond of hunting for locusts. One day when he had caught a goodly number, he saw a Scorpion. He mistook him for a locust and reached out his hand to take him. The Scorpion, showing his sting, said, "It is good you did not touch me. If you had done so, you would have lost me with all the locusts in your hand."

1. What was the boy fond of ?
2. What happened to him one day ?
3. What did the Scorpion say ?
4. What would have happened if he had touched the Scorpion ?

HINTS :

(1) *The teacher may read out a story to the boys and*
(2) *write on the black board the outline which*
(3) *the boys may be asked to expand into a story.*

EXERCISE 70.

There was a wood-cutter who had a beautiful daughter. A lion happened to see her. He asked the wood-cutter to give him his daughter in marriage. The father, though unwilling to grant his request, was afraid to refuse. So he hit upon a plan to get rid of him. He said to the lion that his daughter was

fearfully afraid of his teeth and claws. He should, therefore, allow him to extract his teeth and cut off his claws. The lion gladly assented to this. When the lion next repeated his request, the wood-cutter, who was no longer afraid of him, attacked him with his club and drove him away.

A wood-cutter and his beautiful daughter. A lion wishing to marry her. The wood-cutter's plan to get rid of the lion. The lion loses teeth and claws. The wood-cutter drives him away.

EXERCISE 71.

A troublesome crow seated herself on the back of a sheep. The sheep much against his will, carried her backward and forward for a long time, and said at last, "If you had treated a dog in this way, you would have had your deserts form his sharp teeth." To this the crow replied, "I despise the weak and yield to the strong."

A crow seats herself on a sheep's back. The sheep carries her for a long time—shows her helplessness. The crow's high handedness.

HINTS :

Read out a story to boys once or twice. Let one of the boys, retell it. The class may then write it.

EXERCISE 72.

A farmer who had all his life been very attentive to his farm wished to insure from his sons the same attention. So one day when he was on his death bed, he called them to his bed-side, and said, "Look here, my sons, in one of my nine yards there is hidden a great treasure." After he had died, the sons very carefully dug over every

portion of the land. Although there was no treasure to be found, their labour was repaid by an extraordinarily abundant crop.

EXERCISE 73.

A shepherd once found the whelp of a wolf and brought it up, and after a while taught it to steal lambs from the neighbouring flocks. The wolf showed himself an apt pupil and said to him, "Since you have taught me to steal, you must keep a sharp look-out, or you will lose some of your own flock."

Essay Writing.

EXERCISE 74.

My football.

(1) Its shape (2) The play (3) Play-ground (4) The teacher and Players.

My football is large and round. It is bigger than all other balls. We call it a Football because we kick it about when we play it. The cover of my football is made of leather, and inside there is a bladder full of air.

I play football daily in the play-ground after school. I like the play very much. How jolly we are when we play at football ! Indeed, it is a pleasure to run after it when one of my friends has kicked it. When we throw the ball on the ground, it bounces. This cannot be played indoors, for we must have enough space up and about to play it.

The play-ground in which we play football is a very large piece of ground about three hundred feet

square covered with soft green grass. This is attached to our school, and is within its compound.

My class-teacher watches us play, and sees that the play goes on satisfactorily. There are about 25 boys in my class and nearly all of them join me in my play.

EXERCISE 75.

The School Clock.

(1) The sound of the clock (2) Its shape and structure (3) The pendulum.

The clock in my school is a big clock. It is always doing **tick, tick, tick.** This sound of the clock tells us that time is passing and we must make the best use of it while we have it. Just look at it and you will know many things about it.

The face of the clock is round and white. It has two hands, which are black. One of these hands is smaller than the other. The long hand tells the minute, while the short hand tells the hour. Both the hands go round and round. But they do not move at the same rate. The minute-hand goes twelve times as fast as the hour-hand. On the face of the clock are the figures—I, II, III, IV, V, VI, VII, VIII, IX, X, XI & XII. When the hour-hand is going from XII to I, the minute hand goes all round. At the end of each hour the minute-hand is at XII.

That thing which is moving to and fro in the clock is the pendulum. It is the pendulum that moves the wheels and the hands. The clerk winds up the clock every week. For if he did not do it, the hands would not go and the clock would not show time.

EXERCISE 76.

The Blacksmith.

(1) His work (2) His tools (3) His happiness.

Look at that man who is so stout and strong. He.is a blacksmith. He makes spades, axes, plough, spears and many other things. He works in his workshop which we call smithy.

He heats iron to make it soft. For unless it is heated it cannot be hammered into the desired shape. The blacksmith hammers on the anvil, which is a very heavy piece of iron with a broad face. The anvil receives heavy blows and yet it does not break. It is fixed on a large block of wood, firmly fastened to the earth. This keeps the anvil steady. The blacksmith keeps a small tank full of water. He needs water to cool iron in, after he has made it into the shape he requires it to be. He cools it by dipping it into the water. Also, he has bellows to blow the fire with and tongs for holding red hot iron.

The blacksmith works hard by day and sleeps well in the night. Consequently he is very strong and stout. He earns enough for his family by honest means and eats heartily. He is happy, hale and hearty, for he owes to none.

EXERCISE 77.

My Cow.

(1) Its food and body (2) Its nature and breeds
(3) My treatment.

I have a cow. It is very useful to me. I give it grass and leaves on which it grazes. It has a

beautiful pair of horns. Its hoofs are cloven. Its tail which is tufted has a special charm for me.

It is very tame and mild. Even very small children can easily get near it. There are different breeds of cows in our country. The cows of Gujrat and Kathiawar are large and yield much milk. My cow belongs to the Kathiawar breed and is a good milker indeed. I take care to see that it is well fed and kept.

I treat my cow with kindness and affection. For besides supplying us with milk, the most wholesome food, it enables us to relish curds, *ghee* and so many sweet-meats prepared from milk. We receive such a large number of gifts from it that I feel that it does deserve to be addressed as mother.

EXERCISE 78.

The Taj Mahal.

(1) A grand building (2) Corridors and pavement (3) Cost of building.

The Taj Mahal is a magnificent tomb which was erected, to the memory of his queen, by Emperor Shah Jahan. The building is so grand that it has been photographed and distributed more frequently than any other in the world. This wonderful building stands on a platform of marble with tall marble minarets at its four corners. It contains a large hall in which the tomb of the queen is enclosed within a carved screen of marble.

There are a number of apartments and corridors with windows round this hall. The pavement is made of black and white marble. The walls are covered with inscriptions from the Koran inlaid with precious stones of various colours.

The Taj Mahal together with other buildings belonging to it has cost over three crores of rupees. It is said that 20,000 workmen had to work for 21 years to raise all these buildings, but the amount of labour and money spent on these is nothing when one considers that the Taj Mahal is one of the glories of India, to which travellers from all parts of the world are attracted in such large numbers.

EXERCISE 79.

OUTLINES OF ESSAYS

Expand the following outlines into essays :—

1. Horse.

(*a*) General description : a graminivorous animalbody colour-mane.

(*b*) Where found—in Arabia, Australia, India.

(*c*) Habits.

(*d*) Uses : can be trained

2. The Newspaper.

(*a*) Weekly and daily Newspapers.

(*b*) Contents of a newspaper.

(*c*) Advantages.

(*d*) Disadvantages.

3. The Mango.

(*a*) Delicious fruit.

(*b*) Kinds.

(*c*) Price in India and Europe.

(*d*) Advantages.

(*e*) Disadvantages.

4. The Divali.

(*a*) One of the great Hindu festivals.

(*b*) Origin.
(*c*) Various ways of celebration.
(*d*) Gambling and its baneful effects.

Letter Writing

EXERCISE 80.

1. A Private Letter

From a son to his mother.

Padam Singh Gate,
Khurja, 13th June, 1933.

My dear mother,

As I promised you when leaving home, I write to inform you that I arrived here safely this morning. I had a very pleasant journey indeed.

My half-yearly examination is very near. I am, therefore, hard at work, and shall not be able to write to you often for sometime. I hope you will not mind it.

I am quite happy here.

Please give my fondest love to father and accept the same yourself from

Your loving son,
Rampal.

2. A Business Letter

An order for Books.

The Chowk,
Bulandshahr, 30th June, 1933.

To
Messrs Nand Kishore & Brothers,
Publishers and Booksellers, Benares.

Dear sirs,

Will you please send me by V.P.P. (value payable post) a copy of the 'Manual Translation' for IX & X. If your catalogue is ready, please send me a copy.

Yours faithfully,
R. N. Upadhyaya.

3. An Official Letter

(a) An application for leave.

To

The Headmaster,
D. A. V. High School,
Bulandshahr.

Sir,

My father is ill with fever. My presence is, therefore, required at home. Will you kindly grant me leave for a week ?

I beg to remain,
Sir,
Your most obedient pupil,
Har Datta of IX B.

May 1, 1933.

(b) An application for admission.

Station Road, Aligarh,
20th June, 1933.

To

The Principal,
N. R. E. C. College, Khurja.

Sir,

I beg respectfully to apply for admission to the First Year Commerce Class of your College, with effect from 8th July, when the College reopens after the Summer Vacation.

I appeared at the last High School examination from the D. A. V. High School of this town, and have passed in the second division

I request you kindly to send me a copy of the admission form and the college prospectus.

I remain,
Sir,
Your most obedient servant,
Deva Datta Sharma.

How to addres

L. N. Mat

J. A. S. H

Messrs. Nand Kishor
Booksellers

Remember the followin

1. Letters are of three l
(3) Official.

2. Each letter has
consisting of the name of
and the date at the top o
greeting or the compliment
which is the body of the
subscription. (5) The addre

3. **Esqr.** (Esquire) is us
sometimes **Mr.** (Mister) is use
must not be used together. M
of unmarried, and **Mrs.** (Mist
ladies.

Messrs. is placed before th

4. The greeting must be
begin with a capital letter.

5. The first word of the
the last word of the greeting.

UNSEENS

(1)

ीमार हूँ।

र रहना

who once *happened to tre*
you with my paw," said th
said the poor mouse. "No,"
you. I *take pity* on you." "I
ome day," said the mouse. "H
ng, help a big lion like me?"
se "but I will help you, if I can.
walked into a net and could not*
se heard the lion roar,* and came
lion *to lie still.* It bit one cord
as free*.
f the italicised portions.
rked with an asterisk.
ntence.
ach of these : 'take pity',
et out.'
t crush the mouse ?
the mouse do the lion

2)

were a mouse* and a snail who
morning, snail," said the mouse
e your house on your back.
u could go much faster if you
our house with you when you
ery fast* because I leave my
d the snail. "I see the cat."
s* *she could,* and the snail

3. An Official Letter

(*a*) An application for leave.

To

The Headmaster,

D. A. V. High School,

Bulandshahr.

Sir,

My father is ill with fever. My presence is, therefore, required at home. Will you kindly grant me leave for a week ?

I beg to remain,

Sir,

Your most obedient pupil,

May 1, 1933. Har Datta of IX B.

(*b*) An application for admission.

Station Road, Aligarh,

20th June, 1933.

To

The Principal,

N. R. E. C. College, Khurja.

Sir,

I beg respectfully to apply for admission to the First Year Commerce Class of your College, with effect from 8th July, when the College reopens after the Summer Vacation.

I appeared at the last High School examination from the D. A. V. High School of this town, and have passed in the second division

I request you kindly to send me a copy of the admission form and the college prospectus.

I remain,

Sir,

Your most obedient servant,

Deva Datta Sharma.

How to address envelopes or post cards.

L. N. Mathur, Esqr.
Headmaster
J. A. S. High School
Khurja.

Messrs. Nand Kishore & Brothers
Booksellers and Publishers
Chowk
Benares.

Remember the following points for letter writing :—

1. Letters are of three kinds—(1) Private ; (2) Business; (3) Official.

2. Each letter has five parts:—(1) The heading consisting of the name of the place you are writing from and the date at the top on the right-hand side. (2) The greeting or the complimentary address. (3) The message which is the body of the letter. (4) The close or the subscription. (5) The address.

3. **Esqr.** (Esquire) is used after a gentleman's name or sometimes **Mr.** (Mister) is used before the name; **Mr. & Esq.** must not be used together. **Miss** is used before the names of unmarried, and **Mrs.** (Mistress) before those of married ladies.

Messrs. is placed before the name of a company or firm.

4. The greeting must be followed by a comma and begin with a capital letter.

5. The first word of the message must be placed under the last word of the greeting.

6. Always put a comma after the close or the subscription.

Note the forms of greeting and close :—

Letter to	Greeting	Close
(1) Father, brother and others.	My dear father or brother, etc., or Dear Brother, Father, etc.	Your affectionate son or brother, etc. or Your loving Brother or Son, etc., or Yours affectionately.
(2) A friend ...	My dear or Dear friend.	Yours affectionately; yours very sincerely, or sincerely; or your sincere friend.
(3) An acquaintance.	Dear Mr. Ram Lal.	Yours truly.
(4) A teacher	Dear Sir or Sir	Yours obediently.
(5) A firm ...	Sirs or Dear Sirs or Gentlemen.	Yours faithfully.
(6) An official	Sir	I beg to remain, Sir, Your most obedient Servant or I have the honour to be, Sir, Your most obedient servant.

UNSEENS

(1)

There* was a lion who once *happened to tread* on a little mouse. "I can crush you with my paw," said the lion. "Do not do that*, please," said the poor mouse. "No," said the lion, "I will not crush you. I *take pity* on you." "I may do you a *good turn** some day," said the mouse. "How could you, a poor little thing, help a big lion like me?" "I can't say," said the mouse "but I will help you, if I can." *A few days later** the lion walked into a net and could not* *get out* of it. The mouse heard the lion roar,* and came running* up, and asked the lion *to lie still.* It bit one cord after another and the lion was free*.

(1) Give the meaning of the italicised portions.

(2) Parse the words marked with an asterisk.

(3) Analyse the last sentence.

(4) Give one word for each of these : 'take pity', 'get out.'

(5) Why did the lion not crush the mouse ?

(6) What good turn did the mouse do the lion

(2)

Once upon a time there were a mouse* and a snail who were *fast* friends.* "Good morning, snail," said the mouse one day, "I see that you have your house on your back. Why* do you not leave it ? You could go much faster if you left it. You are *silly* to take your house with you when you go for a walk. I can run very fast* because I leave my house." "Well*, run now" said the snail. "I see the cat." The mouse ran home *as* fast as* she could,* and the snail *just* crept** into its shell.

(1) Give the meaning of the italicised portions.
(2) Parse the words marked with an asterisk.
(3) Analyse the last sentence.
(4) Give another word for each of these: faster, shell.
(5) Distinguish between *house* and *home*.
(6) Why did the snail not leave its house?
(7) Why did the mouse run home?

(3)

The crab runs very* fast, but it always runs *side ways**. Once the mother crab said to her son, "Why do you not *run straight** like other* people? I do not like the way you run." "I might run straight, *but* for one thing*," said the son. "What is it?" said the mother crab. "I should run straight if* you would show me the way," said the son. The mother crab *started to show*; but she ran sideways too. The result was that the son could not learn how to run straight.

(1) Give the meaning of the italicised portions.
(2) Parse the words marked with an asterisk.
(3) Analyse the last sentence.
(4) Rewrite the second sentence changing the singular words to plural.
(5) Use in sentences: straight—strait, people—pupil, would—wood.
(6) Why could the son not learn to run straight?

(4)

Once* a hare said to a tortoise, "You slow old thing, you walk very slowly. Why do you not hurry up*?" I may be slow, but I could *beat you in a race;* and if you are not afraid*, we will have a race," said the tortoise. They *agreed to this* and the rat started them. Off* went the hare and the tortoise went slowly after him. Then the hare lay down* and went to sleep. The tortoise was very slow, but he *kept on*

and on, and still the hare was asleep.* He rea[...] _ning post_ and beat the hare _after all_. बीमार हूँ ।

(1) Give the meaning of the italicised portio[...] पर रहना

(2) Parse the words marked with an asterisk.

(3) Analyse the sentence—The tortoise was.....

(4) Why did the hare go to sleep ? کی خبر؟

(5) Relate the story in your own words.

(5)

A fox fell into* a well. The well was _too* deep*_ [...] _fox to get out_, and so he had to stay there.* _By and_ [...] goat came along* and looked down into the well. "[...] day, fox," said the goat. "What are you doing down ther[...] "Good-day, goat," said the fox, "I am _having a good tim[...]_ and the grass here is so* good that I like it. Would y[...] like to _share it with me_ ?" "Yes, I should like some* [...] that grass," said the goat. As soon as the goat jumpe[...] down into the well, the fox jumped on* its back and was soon out* of the well.

(1) Give the meaning of the italicised portions.

(2) Parse the words marked with an asterisk.

(3) Analyse the last sentence.

(4) Give a title to this story.

(5) What do you learn from the story ?

(6) How did the fox manage to get out ?

(6)

A wasp seated himself* upon the head of a snake and _striking him unceasingly_ with his stings _wounded him to death_.* The snake, being in great _torment_* and not knowing how _to rid himself of_ his enemy, or to scare him away* saw a wagon heavily* laden* with wood, and went and _purposely_ placed his head under the wheels. In this way he and his enemy perished.

(1) Give the meaning of the italicised portions.
(2) Parse the words marked with an asterisk.
(3) Analyse the last sentence.
(4) Give another word for each of these: faster, shell.
(5) Distinguish between *house* and *home*.
(6) Why did the snail not leave its house ?
(7) Why did the mouse run home ?

(3)

The crab runs very* fast, but it always runs *side ways**. Once the mother crab said to her son, "Why do you not *run straight** like other* people ? I do not like the way you run." "I might run straight, *but* for one thing*," said the son. "What is it ?" said the mother crab. "I should run straight if* you would show me the way," said the son. The mother crab *started to show*; but she ran sideways too. The result was that the son could not learn how to run straight.

(1) Give the meaning of the italicised portions.
(2) Parse the words marked with an asterisk.
(3) Analyse the last sentence.
(4) Rewrite the second sentence changing the singular words to plural.
(5) Use in sentences: straight—strait, people—pupil, would—wood.
(6) Why could the son not learn to run straight ?

(4)

Once* a hare said to a tortoise, "You slow old thing, you walk very slowly. Why do you not hurry up*?" I may be slow, but I could *beat you in a race;* and if you are not afraid*, we will have a race," said the tortoise. They *agreed to this* and the rat started them. Off* went the hare and the tortoise went slowly after him. Then the hare lay down* and went to sleep. The tortoise was very slow, but he *kept on*

and on, and still the hare was asleep.* He reached the *winning post* and beat the hare *after all.*

(1) Give the meaning of the italicised portions.

(2) Parse the words marked with an asterisk.

(3) Analyse the sentence—The tortoise was......asleep.

(4) Why did the hare go to sleep ?

(5) Relate the story in your own words.

(5)

A fox fell into* a well. The well was *too* deep* for the fox to get out*, and so he had to stay there. *By and by* a goat came along* and looked down into the well. "Good-day, fox," said the goat. "What are you doing down there ?" "Good-day, goat," said the fox, "I am *having a good time*; and the grass here is so* good that I like it. Would you like to *share it with me ?*" "Yes, I should like some* of that grass," said the goat. As soon as the goat jumped down into the well, the fox jumped on* its back and was soon out* of the well.

(1) Give the meaning of the italicised portions.

(2) Parse the words marked with an asterisk.

(3) Analyse the last sentence.

(4) Give a title to this story.

(5) What do you learn from the story ?

(6) How did the fox manage to get out ?

(6)

A wasp seated himself* upon the head of a snake and *striking him unceasingly* with his stings *wounded him to death.** The snake, being in great *torment** and not knowing how *to rid himself of* his enemy, or to scare him away* saw a wagon heavily* laden* with wood, and went and *purposely* placed his head under the wheels. In this way he and his enemy perished.

(1) Give the meaning of the italicised portions.

(2) Parse the words marked with an asterisk.

(3) Analyse the last sentence.

(4) Why was the snake in torment ?

(5) Why did he place his head under the wheels ?

(6) Reproduce the story in your own words.

(7)

A dog with a big *lump* of meat in his mouth came* to a stream. He crossed the bridge over it and saw his own* shadow in the water and *took it* to be* another* dog with a piece of meat *double* his own** in size. He attacked the other dog fiercely to get his larger pieee from him. He *let* go* his own and lost both*.

(1) Give the meaning of the italicised portions.

(2) Parse the words marked with an asterisk.

(3) What is the moral of the story ?

(4) Distinguish between *cross* and *across*.

(5) Use in sentences : bridge—abridge, fiercely—fearlessly, lose—loose.

(8)

The bicycle is one of the most *useful inventions* of modern times. If you only* realize how* easier and more comfortable it is to *cover long distances* on a bicycle than on foot, you will understant how useful it is. It is not only in big cities that one so frequently *meets with* bicycles, but they are very common even in the most *insignificant and out of the way villages.* The bicycle of to day is different form that* of the past, being *an improvement on its predecessor.* It is really a pleasure to ride the bicycle of to-day. It is very *handy and in-expensive*

and a comfortable *means of transport*. This is why* it is so widely used by all *alike**.

(1) Give the meaning of the italicised portions.

(2) Parse the words marked with an asterisk.

(3) Analyse the last sentence.

(4) Write all that you know about a bicycle.

(5) Why is the bicycle a useful invention ?

(6) Use in sentences: invention—discovery; predecessor successor; handy—handle; alike—dislike.

(9)

It* is as* difficult to keep friends as it is to make them. Once you have made a friend, you must keep him. There are people who never *seem to appreciate** friends till they have lost them. True friends are a *blessing*. Friends are to be chosen *for* when they are and not for what they have.* Even* death cannot *sever** *true friendship* which does not confer any privilege to make* ourselves *disagreeable*. Friends are always with us, *preserved* in absence* in the *amber of memory*.

(1) Give the meaning of the italicised portions.

(2) Parse the words marked with an asterisk.

(3) Analyse the sentence—'Friends are to be......have.

(4) Why is it difficult to keep and to make friends ?

(5) Explain 'Friends are a blessing'.

(10)

The government papers show that twenty years' ago* people of Bengal *carried on* jute cultivation *to the same extent* as tobacco cultivation at the present day. If a cultivator had any *spare* land* he grew a small quantity for his own* use, quite *ignorant of the suitability* of the soil to the crop. He never thought it *worth* his while* to make experiments *on any large scale* as the demand was very

small. But the increased* demand for jute in Calcutta has now *opened his eyes* and this plant is the chief produce of that country *next* to paddy.*

(1) Give the meaning of the italicised portions.
(2) Parse the words marked with an asterisk.
(3) Analyse the last sentence.
(4) Describe the stages in the increase of the jute produce in Bengal.
(5) How is jute grown and what are the different ways in which people use it ?
(6) Make verbs from : **cultivation, spare, ignorant** and use them in sentences.

(11)

Jason set forth on his journey. After travelling* a *pretty* long distance*, he came to a town situated at the foot of a mountain and *not a great way* from the shore of the sea. On the outside* of the town there was an *immense* crowd of people, not only men and women, but children too, all *in their best clothes*, and *evidently enjoying* a holiday*. Over the people's heads, Jason saw a wreath of smoke *curling* upward*. He inquired of one of the multitude what town it was, *near by*, and why so many persons were assembled together*.

(1) Give the meaning of the italicised portions.
(2) Parse the words marked with an asterisk.
(3) Analyse the second sentence.
(4) Write the last sentence in the direct form of speech.

(12)

The coming of the tall poles and telegraph wires into foreign countries for* the first time is a *source of curiosity** to the *simple-minded natives*. When these were first* erected in a country in South America the people assembled

(ORAL WORK)

1. उसने विनयपूर्वक निवेदन किया कि मैं बीमार हूँ। 2. इसकी देखभाल कौन करेगा ? 3. उसका घर पर रहना आवश्यक है।

۱—اُس نے عاجزانہ گذارش کی کہ میں بیمار ہوں - ۲—اِس کی خبرگیری کون کرے گا - ۳—اِس کا مکان پر رهنا ضروری ہے -

(WRITTEN WORK)

चौक बनारस
२०-६-१९३३

श्रीमान् प्रिंसिपल साहब,
इन्टर कालिज, बनारस।

महोदय,

विनयपूर्वक निवेदन है कि मेरी माता जी दो सप्ताह से बीमार हैं आज उनकी दशा पहले से बुरी है। उनकी देख-भाल करने के लिए मेरे सिवाय और कोई नहीं है। मेरी इच्छा है कि आप मेरे छोटे भाई शकूर को जो आपके स्कूल की दसवीं कक्षा में पढ़ता है आज की छुट्टी देने की कृपा करें। उसका घर पर रहना अत्यन्त आवश्यक है।

आपका विश्वासी
रहमान

چوک بنارس
۲۰ جون سنہ ۱۹۳۳ ع

جناب پرنسپل صاحب
انٹر کالج بنارس

جنابعالی

عاجزانہ گذارش ہے کہ میری والدہ صاحبہ دو هفتہ سے بیمار ہیں آج اُن کی حالت پہلے سے خراب ہے - اُن کی

आवश्यकता नहीं है कि मुझे तुम पर कितना गर्व है। जी बहुत चाहता है कि दौड़कर तुम्हारे पास पहुँचूँ और पीठ ठोक कर शाबाशी दूँ। तुमको सब प्रकार से सुखी रखने की भगवान से प्रार्थना करने वाला।

तुम्हारा सच्चा हितैषी
रमेशचन्द्र

دھلی ۱۵ جون سنہ ۱۹۳۳ ع

عزیز من موھن

تم پاس ھوگئے ھو اِس بات نے مجھے بڑا خوش کیا ھے - تمھاری اِس کامیابی پر دلی مبارکبادی دیتا ھوں - کہنے کی ضرورت نہیں ھے کہ مجھہ کو تم پر کتنا فخر ھے - طبیعت بہت چاھتی ھے کہ دوڑ کر تمھارے پاس پہونچوں اور پیٹھہ ٹھونک کر شاباشی دوں - تم کو سب طرح سے خوش رکھنے کی خدا سے دعا کرنے والا -

تمھارا سچا خیر خواہ رمیش چندر

EXERCISE 47

STUDY :—

1. **Humbly beg to submit.**

मैं विनयपूर्वक निवेदन करता हूँ।

میں عاجزانہ گذارش کرتا ھوں -

2. **He looks after the child.**

वह बालक की देखभाल करता है।

وہ بچے کی دیکھہ بھال کرتا ھے -

3. **Your presence is required at home.**

तुम्हारा घर पर रहना आवश्यक है।

تمھارا مکان پر رھنا ضروری ھے -

اُمید ہے کہ اِس ہفتہ کے اندر وہ بالکل تندرست ہو جائیں گے —
جب تب خط بھیجتے رہیئے — فقط —
آپکا سچا دوست — رام سرن

EXERCISE 46.

STUDY :—

1. **I need hardly tell you this.**

कहने की आवश्यकता नहीं। — کہنے کی ضرورت نہیں ہے —

2. **She is proud of her son.**

उसे अपने पुत्र पर गर्व है। — اُسے اپنے بیٹے پر فخر ہے —

3. **She will pat you on the back.**

वह तुम्हारी पीठ ठोकेगी। — وہ تمہاری پیٹھہ ٹھونکیگی —

4. **I wish you all good luck.**

भगवान तुमको सब प्रकार सुखी रखे।

خدا تمکو سب طرح سے خوش رکھے —

(ORAL WORK)

1. कहने की आवश्यकता नहीं है कि माताजी बहुत दुखी हैं। 2. उनका तुम्हारे ऊपर बड़ा गर्व था। 3. उन्होंने मेरी पीठ ठोकी। 4. ईश्वर तुममें से हर एक को सब सुख दे।

۱—کہنے کی ضرورت نہیں ہے کہ والدہ صاحبہ بہت تکلیف میں ہیں — ۲—ان کو تمہارے اوپر بڑا فخر تھا — ۳—اُنہوں نے میری پیٹھہ ٹھونکی — ۴—خدا تم میں سے ہر ایک کو سب آرام دے —

(WRITTEN WORK)

दिल्ली, १५-६-३३

परम प्रिय मोहन,

तुम पास होगये हो इस बात ने मुझे बड़ा प्रसन्न किया है। तुम्हारी इस सफलता पर हार्दिक बधाई देता हूँ। कहने की